THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 39 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.8 2083 रविवार, 10 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। खुफिया इनपुट के बाद राजधानी दिल्ली में आतंकी अलर्ट जारी किया गया है। इसके चलते भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय और आसपास की सरकारी इमारतों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बलों ने संभावित खतरों को कम करने के लिए अपनी निगरानी तेज कर दी है। इसके साथ ही निवारक उपायों को भी बढ़ाया गया है। दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। वे किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मुस्तैद हैं। यह जानकारी खुफिया सूत्रों ने दी है। दिल्ली पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। डीडीयू मार्ग पर विशेष चौकसी बरती जा रही है।

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने शुवेंदु अधिकारी

✻ पीएम मोदी और अमित शाह से लिया आशीर्वाद

कोलकाता, 9 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आज एक नए राजनीतिक युग की शुरूआत हुई है। शुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। वह राज्य में इस शीर्ष पद पर आसीन होने वाले पहले भाजपा नेता हैं। 15 वर्षों तक बंगाल में ममता बनर्जी का शासन रहा। अब बंगाल को आगे ले जाने की जिम्मेदारी शुवेंदु की है।

अधिकारी के अलावा पांच भाजपा विधायकों ने भी कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। शपथ लेने वालों में- दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तोनिया, क्षुदिराम टुडू और निशीथ प्रमाणिक का नाम है।

शपथ ग्रहण समारोह कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 11 बजे शुरू हुआ। यह परेड ग्राउंड जनसभाओं के माध्यम से बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य का केंद्र रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री आज शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। भाजपा ने समारोह के लिए रवींद्र जयंती (9 मई, रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती) का दिन चुना। यह भाजपा को चुनने वाले मतदाताओं के लिए एक सांस्कृतिक संकेत है।

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर सुवेंदु अधिकारी का एजेंडा क्या होगा :

शुक्रवार को भाजपा की बैठक में बंगाल के विधायकों ने सर्वसम्मति से शुवेंदु अधिकारी को चुना। अमित शाह ने कहा कि किसी दूसरे उम्मीदवार का नाम नहीं लिया गया। अधिकारी की कहानी किसी नाटकीय घटना से कम नहीं है। टीएमसी के पूर्व करीबी शुवेंदु, ममता बनर्जी से नाता तोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। और फिर उन्होंने ममता बनर्जी को उनके गढ़ में ही हरा दिया। अधिकारी ने नंदीग्राम और भाबनीपुर, दोनों ही सीटों से चुनाव लड़ा, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का गढ़ हैं। उन्होंने ममता बनर्जी को उनके ही गढ़ में 15,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया। पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीतीं। वहीं दूसरी ओर, टीएमसी को सिर्फ 80 सीटें मिलीं। यह भाजपा की करारी हार थी।

पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बना रही

पश्चिम बंगाल में सरकार गठन पर ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा, पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बना रही। मेरा मानना है कि इससे ओडिशा और बंगाल के बीच संबंध बेहतर और अधिक अनुकूल होंगे।

बंगाल के लिए एक नया दौर शुरू हुआ :

पश्चिम बंगाल में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, बंगाल के लिए एक नया दौर शुरू हुआ है। तमाम योजनाएं जिनका सीधा असर युवाओं के सशक्तिकरण पर पड़ता है उन योजनाओं में यहां की सरकार भाग ही नहीं ले रही थी। भाजपा सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा, यह जीत बंगाल की जनता की जीत है। मैं बंगाल की जनता को नमन करता हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा किया। प्रधानमंत्री को मैं बधाई व शुभकामनाएं देता हूं। मेरा विश्वास है कि शुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बंगाल बहुत आगे जाएगा।

विजय तमिलनाडु के 9वें सीएम बनेंगे

राज्यपाल से मिले विजय, आज सुबह 10 बजे लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

चेन्नई, 9 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में पिछले कई दिनों से चल रही उथल-पुथल मची अब पूरी तरह से खत्म हो गई है। टीवीके के प्रमुख सी. जोसेफ विजय कल राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं। सबसे बड़ी पार्टी के नेता के रूप में विजय ने शनिवार को चेन्नई के लोक भवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने 234 सदस्यों वाली विधानसभा में 120 विधायकों के मजबूत समर्थन के साथ सरकार बनाने का अपना दावा आधिकारिक तौर पर पेश कर दिया।

इस घटनाक्रम के बाद अब नई सरकार के शपथ ग्रहण की भव्य तैयारियां जोरों पर शुरू हो गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह सुबह ठीक 10 बजे चेन्नई के मशहूर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस खास और ऐतिहासिक मौके पर केवल विजय ही अकेले शपथ नहीं लेंगे, बल्कि उनके साथ उनकी नई कैबिनेट के 9 अन्य विधायक भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण कर सकते हैं।

बंगाल एसआईआर ट्रिब्यूनल छोड़ने वाले जज ने चुनाव आयोग से ज्यादा मतदाताओं को दी राहत

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर शुरू हुए विवाद के बीच एक बड़ा खुलासा सामने आया है। चुनाव खत्म होने से ठीक एक दिन पहले राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के आंकड़ों में बताया गया था कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों की 1,607 अपीलों को मंजूरी देकर उनके नाम फिर से वोटर लिस्ट में जोड़ दिए गए। लेकिन अब पता चला है कि रिटायर्ड जस्टिस टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाले सिर्फ एक ट्रिब्यूनल ने ही 5 अप्रैल से 27 अप्रैल के बीच 1,717 अपीलों को मंजूरी दे दी थी।

ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि बाकी 18 ट्रिब्यूनलों ने कितनी अपीलों को मंजूरी दी और कितने लोगों के नाम वोटर लिस्ट में दोबारा जुड़े, ताकि वे मतदान कर सकें। सूत्रों ने खबर दी थी कि जस्टिस शिवगणनम ने गुरुवार को ट्रिब्यूनल से इस्तीफा दे दिया। अखबार ने जब उनसे संपर्क किया तो उन्होंने निजी कारणों का हवाला दिया। इस मामले में चुनाव आयोग ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल से भी संपर्क नहीं हो सका।

जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग की 20 मार्च की अधिसूचना के तहत जस्टिस शिवगणनम को उत्तर 24 परगना और कोलकाता की कुछ विधानसभा सीटों से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी दी गई थी।

'भारत की सभ्यतागत चेतना के प्रतीक थे गुरुदेव'

> रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर पीएम मोदी का भावुक संदेश

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारत की सभ्यतागत चेतना की कालजयी आवाज बताया। पश्चिम बंगाल में पोची हे बोइशाख के रूप में मनाए जाने वाले इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव टैगोर ने साहित्य, शिक्षा, कला और दर्शन के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया, जिसने पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

पीएम मोदी ने क्या-क्या कहा :

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज पोची हे बोइशाख के विशेष अवसर पर हम गुरुदेव टैगोर को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि टैगोर केवल एक महान कवि ही नहीं, बल्कि विलक्षण चिंतक, लेखक, दार्शनिक, शिक्षाविद और कलाकार भी थे। पीएम मोदी ने कहा कि गुरुदेव ने मानवता की गहरी भावनाओं और भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ आदर्शों को अपनी रचनाओं के माध्यम से अभिव्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टैगोर ने समाज को नए विचार, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, हम उन्हें गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। उनकी विचारधारा आगे भी लोगों के मन को आलोकित करती रहे और हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन करती रहे। रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म बंगाली पंचांग के अनुसार 25 बोइशाख 1268 को हुआ था, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 7 मई 1861 की तारीख थी। गुरुदेव टैगोर एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता थे। उन्हें 1913 में उनकी काव्य कृति गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने भारत के राष्ट्रगान जन गण मन और बांग्लादेश के राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला की भी रचना की थी।

हत्या के आरोपी को नहीं मिलेगी विरासत

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कानून, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत वंचित

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति की हत्या करने या उकसाने के आरोपी को पीड़ित की संपत्ति विरासत में नहीं मिल सकती। यह नियम तब भी लागू होगा जब हत्या का मुकदमा चल रहा हो।

जस्टिस जे बी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। पीठ ने स्पष्ट किया कि संपत्ति विरासत में पाने की यह अयोग्यता वसीयत के माध्यम से और बिना वसीयत दोनों तरह के उत्तराधिकार पर लागू होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि हत्या के आरोपी व्यक्ति को हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 25 के तहत संपत्ति के अधिकार से वंचित किया जाएगा। इसके साथ ही, न्याय, निष्पक्षता और समानता के सिद्धांतों के आधार पर भी उसे यह अधिकार नहीं मिलेगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नागरिक कार्यवाही में सख्त सबूत अनिवार्य नहीं है। यदि संभावनाओं का पलड़ा अपराध की ओर इशारा करता है, तो भी यह नियम लागू होगा। पीठ ने विशेष रूप से हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 25 का उल्लेख किया। यह धारा हत्या करने या उकसाने वाले व्यक्ति को मृतक की संपत्ति विरासत में लेने से अयोग्य ठहराती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हत्या के आरोपी को संपत्ति के अधिकार से वंचित करना हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 25 के अनुरूप है। यह धारा स्पष्ट रूप से हत्यारे या हत्या के लिए उकसाने वाले को मृतक की संपत्ति का वारिस बनने से रोकती है। अदालत ने न्याय और निष्पक्षता के व्यापक सिद्धांतों पर भी जोर दिया। इसका मतलब है कि भले ही आपराधिक मुकदमा चल रहा हो, नागरिक कार्यवाही में उत्तराधिकार का दावा नहीं किया जा सकता।

भारत के नए सीडीएस

पाक-चीन मामलों के विशेषज्ञ हैं एनएस राजा सुब्रमणि

> अब तीनों सेनाओं की संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को देश का नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया है। वह 30 मई को कार्यकाल पूरा कर रहे जनरल अनिल चौहान की जगह लेंगे। रक्षा मामलों, खासकर पाकिस्तान और चीन से जुड़े रणनीतिक मुद्दों पर उनकी गहरी पकड़ मानी जाती है।

40 साल का लंबा अनुभव :

करीब चार दशक के सैन्य करियर में उन्होंने देश के कई संवेदनशील इलाकों में अहम जिम्मेदारियां संभालीं। असम में ऑपरेशन राइनो के तहत आतंकवाद विरोधी अभियानों का नेतृत्व किया।

जम्मू-कश्मीर में 168 इन्फैंट्री ब्रिगेड और मध्य सेक्टर में 17 माउंटेन डिवीजन की कमान भी संभाली। उन्होंने पश्चिमी मोर्चे पर भारतीय सेना के प्रमुख स्ट्राइक कोर समेत दो कोर की कमान संभाली और चीन सीमा से जुड़े क्षेत्रों में भी काम किया। इसी वजह से उन्हें पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं का गहरा जानकार माना जाता है।

बड़े पदों पर जिम्मेदारी :

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक उप सेना प्रमुख रहे। इससे पहले वह सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ भी रह चुके हैं। फिलहाल वह राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) में सैन्य सलाहकार के तौर पर कार्यरत हैं। उन्होंने कजाखस्तान में डिफेंस अटैची, सैन्य खुफिया विभाग में डिप्टी डायरेक्टर जनरल और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन में चीफ इंस्ट्रक्टर जैसी अहम जिम्मेदारियां भी निभाईं।

शिक्षा और विशेषज्ञता :

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने ब्रिटेन के जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज और नई दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से उच्च सैन्य शिक्षा हासिल की है। उनके पास किंग्स कॉलेज लंदन से मास्टर डिग्री और मद्रास यूनिवर्सिटी से डिफेंस स्टडीज में एमफिल की डिग्री भी है।

अब क्या होगी सबसे बड़ी जिम्मेदारी :

नए सीडीएस के तौर पर उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भारतीय सेना के थिएटराइजेशन मॉडल को लागू करना होगी। इसका मकसद थलसेना, वायुसेना और नौसेना के बीच बेहतर तालमेल बनाकर संयुक्त सैन्य कमांड तैयार करना है। देश के लिए उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम), सेना मेडल (एसएम) और विशिष्ट सेवा मेडल (वीएसएम) से सम्मानित किया जा चुका है।

> टीचिंग जॉब के उम्मीदवारों पर लाठीचार्ज

राहुल बोले-देश के युवा भाजपा के झूठ से तंग आ चुके हैं

पटना, 9 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस एमपी राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा सरकार पर बेरोजगार युवाओं की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने बिहार में प्रदर्शन कर रहे टीचर उम्मीदवारों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की आलोचना की।

कल पटना में टीचर उम्मीदवार जो अपने रोजगार के अधिकार के लिए शांति से विरोध कर रहे थे, उन्हें बिहार पुलिस ने फिर से बेरहमी से पीटा। बेरोजगार युवाओं को भाजपा का जवाब: लाठियां। बेरोजगारी आज भारत में सबसे बड़ी बीमारी है और इसका सबसे बुरा असर बिहार और उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रहा है।

'विजय की पार्टी ने हमारे विधायक के समर्थन का फर्जी पत्र राज्यपाल को दिया'

> टीटीवी दिनाकरन का टीवीके पर आरोप

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के चुनावी नतीजों के बाद वहां की राजनीति बदल चुकी है। अभिनेता से नेता बने विजय के शपथग्रहण पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को अभी तक विजय 117 विधायकों के नाम नहीं दे पाए हैं। इस बीच अम्मा मक्कल मुनेत्र कज़गम (एएमएमके) ने तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीक) के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया गया कि विजय की पार्टी ने तमिलनाडु में सरकार बनाने में एएमएमके के समर्थन को गलत तरीके से दिखाने के लिए एक फर्जी समर्थन पत्र का इस्तेमाल किया।

एएमएमके के पास एक विधायक :

शिकायत एएमएमके के अकेले एमएलए एस कामराज के समर्थन को लेकर दोनों पार्टियों के बीच बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई है। टीटीवी दिनाकरन ने आरोप लगाया कि टीवीक ने विधायक कामराज के लेटर की फर्जी कॉपी गवर्नर के साथ शेयर की थी और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की धमकी दी थी। इन आरोपों के बाद टीवीक ने कामराज का एक वीडियो जारी किया जिसमें वे विजय की पार्टी का समर्थन करते हुए एक सपोर्ट लेटर लिख रहे थे, जो सीधे एएमएमके चीफ दिनाकरन के पहले के दावे का खंडन करता है। सूत्रों के ज़रिए जारी वीडियो में कामराज कथित तौर पर पत्र लिखते हुए दिख रहे हैं और कह रहे हैं कि वह एएमएमके जनरल सेक्रेटरी दिनाकरन की मंज़ूरी से टीवीक को सपोर्ट दे रहे हैं। टीवीके ने दिनाकरन पर झूठी खबर और गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया, जब उन्होंने बाद में इस बात से इनकार किया कि विजय की पार्टी को आधिकारिक ऐसा कोई सपोर्ट दिया गया था। पार्टी ने वीडियो के साथ अपने बयान में कहा, ये एएमएमके विधायक कामराज के वीडियो विज़ुअल हैं, जिसमें वह अपनी मर्ज़ी से और खुशी-खुशी तमिलगा वेट्टरी कज़गम को अपना सपोर्ट देते हुए एक लेटर लिख रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वह एएमएमके जनरल सेक्रेटरी टीटीवी दिनाकरन की मंज़ूरी से तमिलगा वेट्टरी कज़गम को सपोर्ट दे रहे हैं।

देश में 70 साल में 20 लाख अपहरण

इनमें 11 लाख एक दशक में ही, एनसीआरबी अपराधों में हिस्सेदारी 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत में अपहरण और जबरन उठा ले जाने की घटनाएं पिछले एक दशक में अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। हाल ही में भोपाल में एक आईएएस एकेडमी की निदेशक के अपहरण और 1.89 करोड़ रुपये की फिरौती के मामले ने देश में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 1953 से 2024 के बीच देश में कुल 20 लाख से अधिक ऐसे मामले दर्ज किए गए। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इन सात दशकों के कुल मामलों का 54 प्रतिशत हिस्सा (11.24 लाख केस) केवल पिछले 11 वर्षों (2013-2024) में दर्ज हुआ है।

फिरौती के लिए अपहरण केवल 0.7 प्रतिशत ही :

आंकड़ों के अनुसार, कुल अपराधों में अपहरण की हिस्सेदारी 1953-62 में 1.01 प्रतिशत थी, जो 2013-24 के दौरान बढ़कर 3.04 प्रतिशत तक पहुंच गई है। अपहरण के पीछे सबसे बड़ा कारणों में विवाह के लिए महिलाओं का उठाना और सामान्य अपहरण है।

फिरौती के लिए किए जाने वाले संगठित अपहरण कुल मामलों का केवल 0.7 प्रतिशत ही हैं। राज्यों की तुलना करें तो उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद बिहार तीसरे स्थान पर रहा करता था, लेकिन 2024 के आंकड़ों में बिहार शीर्ष छह राज्यों में सबसे नीचे दर्ज किया गया है। भारत में बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराधों में करीब 10 में 9 मामलों में बच्चों से जुड़ा यौन रूप से अश्लील कंटेंट पब्लिश या ट्रांसमिट करने की बात सामने आई है। एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल अपराध घटने के बावजूद बच्चों के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। 2024 में बच्चों के खिलाफ अपराध के 1,87,702 मामले दर्ज हुए।

गिरफ्तारी का आदेश देने से हम बहुत हिचकते हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। अनिल अंबानी ग्रुप और उसकी कंपनियों से जुड़े कथित बड़े पैमाने पर बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि इसमें गहन जांच की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली एडीएजी कंपनियों के बैंक लोन से 30000 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी की सीबीआई और ईडी जांच की निगरानी कर रहा है। ऐसे में वह किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी का आदेश देने से बहुत हिचकेगा। याचिकाकर्ता आईएएस अधिकारी (रिटायर्ड) ई.ए.एस. सरमा ने वकील प्रशांत भूषण के जरिए कोर्ट में अहम टिप्पणी की है। रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सरमा ने वकील प्रशांत भूषण के जरिए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि भले ही बैंक लोन धोखाधड़ी घोटाले के मामलों में से एक में सीबीआई की चार्जशीट में अनिल अंबानी, उनके बेटे जय अनमोल अंबानी और यस बैंक के राणा कपूर का नाम है।

राजा रघुवंशी मर्डर-चारों आरोपियों की 4 पाइंट पर जमानत नामंजूर

इंदौर, 9 मई (एजेंसियां)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के चर्चित हत्याकांड के 4 प्रमुख आरोपियों को लंबे समय तक जेल में ही रहना पड़ सकता है। शिलॉन्ग सेशन कोर्ट ने मामले के मुख्य आरोपी राज कुशवाह समेत 4 आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इस फैसले का विस्तृत आदेश अगले दिन शुक्रवार को जारी किया गया। चारों आरोपियों ने अपनी याचिकाओं में सोनम रघुवंशी के समान आधार होने, ट्रायल में देरी और कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने के तर्क दिए थे।

यह भी दावा किया था कि उन्हें गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी नहीं दी गई। हालांकि, कोर्ट ने उनके सभी तर्क खारिज कर दिए। कानून के जानकारों का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद अब इन चारों आरोपियों को बेल मिलना मुश्किल है। ऐसे में वे लंबे समय तक जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। वहीं, मेघालय सरकार ने आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मामले में 12 मई को सुनवाई होगी।

मंत्री संजीव अरोड़ा पर ईडी का शिकंजा

दिल्ली, हरियाणा और गुजरात के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। चंडीगढ़ पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ स्थित आवास पर शनिवार सुबह ईडी की रेड हुई है। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला नेटवर्क, अवैध सट्टेबाजी और विदेश से काले धन की राउंड ट्रिपिंग से जुड़े मामलों में की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा और गुजरात के कई ठिकानों पर एक साथ रेड डाली गई है। इससे पहले पिछले महीने भी ईडी ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फ़ेमा) के तहत अरोड़ा के ठिकानों पर जांच की थी, जिसमें विदेशी लेनदेन में गड़बड़ियों के संकेत मिले थे। अब उसी जांच को आगे बढ़ाते हुए मनी लॉन्ड्रिंग एंगल खंगाला जा रहा है।

ईडी की टीम ने संजीव अरोड़ा के आवास और कारोबारी परिसरों के अलावा उनके करीबी सहयोगियों हेमंत सूद और चंद्रशेखर अग्रवाल के ठिकानों पर भी छापेमारी की है। हेमंत सूद

लुधियाना, गुरुग्राम और गुजरात के उपहार सिटी में फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट और स्टॉक ब्रोकिंग से जुड़ी कंपनी चलाते हैं, जबकि चंद्रशेखर अग्रवाल का नाम कथित क्रिकेट सट्टेबाजी और हवाला कारोबार से जोड़ा जा रहा है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, संजीव अरोड़ा की कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड (पहले रितेश प्रॉपर्टीज़ एंड इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड) बड़े रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सक्रिय है।

ईडी को शक है कि कंपनी ने अवैध तरीके से जमीन के लैंड यूज़ में बदलाव किए और फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर बिक्री दिखाकर शेयर कीमतें बढ़ाने का प्रयास किया। इनसाइडर ट्रेडिंग की भी आशंका जताई जा रही है। कंपनी के मौजूदा मैनेजिंग डायरेक्टर उनके बेटे काव्य अरोड़ा हैं और उनकी भूमिका भी जांच के दायरे में है। जांच में यह भी सामने आया है कि यूएई से कथित काले धन को हवाला और एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेश) रूट के जरिए भारत लाकर रियल एस्टेट कारोबार में लगाया गया। हेमंत सूद की कंपनी फाइंडॉक फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड पर आरोप है कि उसने हवाला और सट्टा नेटवर्क से जुड़े पैसों को वैध निवेश का रूप देने में मदद की।

वहीं, जालंधर के कारोबारी चंद्रशेखर अग्रवाल पर आरोप है कि उन्होंने क्रिकेट सट्टेबाजी से शुरुआत कर बाद में बड़ा हवाला नेटवर्क खड़ा किया। जांच में खिलाड़ी बुक नाम के ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म का भी जिक्र सामने आया है, जिसके जरिए कथित तौर पर हजारों लोगों से ठगी कर पैसा विदेश भेजा गया।

ईडी अब इस पहलू की भी जांच कर रही है कि क्या पंजाब में सक्रिय अवैध बैटिंग नेटवर्क को किसी तरह का राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ था। एजेंसी को शक है कि कुछ ऑपरेटर्स को सुरक्षा देने के बदले मुनाफा लिया जाता था, जिसे बाद में शेल कंपनियों और एंट्री ऑपरेटर्स के जरिए वैध निवेश में बदला गया।

जांच में फर्जी एक्सपोर्ट बिल, नकली जीएसटी कंपनियों के जरिए खरीद दिखाने और शेल कंपनियों के माध्यम से पैसों के लेनदेन की भी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल ईडी की कार्रवाई जारी है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़े नाम सामने आ सकते हैं।

लाश मिलने से फैली सनसनी, पत्थर से सिर कुचलकर हत्या

गुरुग्राम, 9 मई (एजेंसियां)। गुरुग्राम में सेक्टर-9 थाना क्षेत्र के बसई जंगलों में एक 55 वर्षीय व्यक्ति का लहूलुहान अवस्था में शव मिला है। किसी ने सिर पर पत्थर मारकर उसकी हत्या कर दी और शव को बसई जंगल में फेंक दिया। पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो पाई है। सेक्टर-9 थाना पुलिस ने बताया कि जंगल के पास से गुजर रहे कुछ लोगों ने शुक्रवार रात करीब नौ बजे कंट्रोल रूम में एक व्यक्ति का शव पड़ा होने की जानकारी दी थी।

बताया था कि बदबू आने से वह लोग वहां पहुंचे थे। सूचना पर थाना पुलिस, एफएसएल और सीन ऑफ क्राइम टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान व्यक्ति के पास से कोई भी ऐसे कागज नहीं मिले, जिससे उसकी पहचान की जा सके। उसके सिर पर किसी बड़े पत्थर से वार किया गया था। आशंका है कि किसी ने इसकी हत्या कर यहां पर शव फेंक दिया।

'बंगाल मणिपुर न बने'

शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण पर बोले कांग्रेस नेता उदित राज

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री पद के लिए शुभेंदु अधिकारी का नाम तय हो चुका है। उनके नाम की घोषणा के बाद सियासी गलियारों में तरह तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। आज शुभेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शुभेंदु बदले की भावना से काम न करें बंगाल के विकास के लिए काम करें तो बेहतर रहेगा।

उदित राज ने कहा, वो बीजेपी के पहले सीएम होने वाले हैं, लेकिन 4 मई के बाद जो दृश्य देखने को मिल रहा है उससे बड़ा भयानक भविष्य नजर आता है। जिस तरह से उनके पीए की हत्या हुई है। चर्चाएं है कि उनके 5 करीबियों की हत्या की जा चुकी है। दिल्ली कांग्रेस नेता ने आगे कहा, दूसरी बात ये कि उन्होंने ममता बनर्जी के साथ काम किया था। पार्टी में दूसरे नंबर के नेता थे। उनके पिताजी भी मंत्री रहे

ये उनके खामियों को भी जानते हैं। ऐसे में बदले की भावना से काम न करें। बंगाल का विकास नहीं हुआ है। बंगाल के विकास के लिए काम करें। जो वहां हिंसा है उसे रोकने का काम करें। हालांकि, उनसे उम्मीद नहीं है क्योंकि वो हिंदू-मुस्लिम तो करेंगे ही। बस ये मणिपुर न बन जाए।

आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी का भंड़ाफोड़

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। अरुण जेटली स्टेडियम के आसपास आईपीएल टिकट की कालाबाजारी का बड़ा मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने स्टेडियम के नजदीक स्थित एक पेट्रोल पंप पर छापा मारकर 54 टिकट बरामद किए गए। इन 54 आईपीएल टिकटों में से 34 आईपीएल मुफ़्त पास और 20 आईपीएल इनाम का टिकट शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक लंबे समय से इस पेट्रोल पंप के जरिये आईपीएल मैचों के टिकट ऊंचे दामों पर बेचे जा रहे थे। आईपीएल टिकट ब्लैक करने की शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने निगरानी बढ़ाई और पुख्ता सूचना के आधार पर रेड मारी।

छापेमारी के दौरान टिकट बरामद होने से पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि इसमें दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के कुछ कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है। पुलिस अब टिकट वितरण प्रक्रिया से जुड़े लोगों से पूछताछ की तैयारी कर रही है।

'भ्रष्ट व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने की परंपरा'

शुभेंदु अधिकारी बने सीएम तो बोले संजय राउत

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी को भारतीय जनता पार्टी ने अपना मुख्यमंत्री बनाया है। जिस पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे) पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय राउत ने तीखा हमला किया है। संजय राउत ने कहा कि बीजेपी ने इन्हीं के खिलाफ भ्रष्टाचार की मुहिम चलाई थी। भाजपा में बाहर से आने वाले भ्रष्ट व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने की परंपरा है उसे उन्होंने कायम रखा है। संजय राउत ने शुभेंदु अधिकारी को बंगाल का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी का अभिनंदन करना चाहिए, जो अपनी परंपरा कभी तोड़ते नहीं।

परंपरा कायम रखने में उनका हाथ कोई पकड़ नहीं पाएगा। कुछ साल पहले, इन्हीं शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ भाजपा के लोगों ने, पूरे बीजेपी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाई थी। इन्हीं अधिकारी के खिलाफ बहुत बड़ी मूवमेंट चलाई थी। शिवसेना नेता ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी को ऑन कैमरा रिश्वत लेते हुए उनको पकड़ा गया था और पूरे बीजेपी के ट्विटर हैंडल और सोशल मीडिया पर शुभेंदु अधिकारी ही चल रहा था महीनों-महीनों तक कि कितने भ्रष्ट व्यक्ति हैं। इस भ्रष्ट व्यक्ति के ऊपर ईडी की रेड्स हो गईं। फिर ये महान व्यक्ति बीजेपी में चला गया और आज उस राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया गया।

संजय राउत ने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी में एक भ्रष्ट व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने की जो परंपरा है, वो भी बाहर से आने वाले उस परंपरा को भारतीय जनता पार्टी ने कायम रखा है, इसके लिए उनका अभिनंदन। वहीं तमिलनाडु में डीएमके से गठबंधन तोड़कर कांग्रेस द्वारा विजय थलापति की टीवीके का समर्थन करने पर संजय राउत ने कहा कि राजनीति में ऐसा होता है, तमिलनाडु की राजनीति बहुत चंचल है।

जंगल में चल रहा था जुए का बड़ा खेल, पुलिस ने 18 आरोपियों को दबोचा

राउरकेला, 9 मई (एजेंसियां)। सुंदरगढ़ जिले में अवैध जुआ गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। सुंदरगढ़ सदर पुलिस ने गुराबसा के घने जंगल में चल रहे एक बड़े जुआ रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 18 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से जुआरियों के बीच हड़कंप मच गया और वे मौके से भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस की घेराबंदी ने उन्हें भागने का कोई मौका नहीं दिया।

सदर पुलिस को लंबे समय से यह सूचना मिल रही थी कि गुराबसा के जंगली इलाके में देर रात बड़े पैमाने पर जुए का खेल संचालित किया जा रहा है। स्थानीय पुलिस के पास मौजूद पुख्ता जानकारी के आधार पर उच्चाधिकारियों ने इस रैकेट को खत्म करने के लिए विशेष छापेमारी के निर्देश दिए थे।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल, हिरासत से आरोपी फरार होने में मध्य प्रदेश देश में अव्वल

भोपाल, 9 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में पुलिस हिरासत से आरोपियों के फरार होने के मामलों ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में पुलिस कस्टडी से आरोपी भागने के सबसे ज्यादा मामले मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में इस तरह की कुल 691 घटनाएं सामने आईं, जिनमें अकेले मध्य प्रदेश से 72 मामले दर्ज हुए। इस सूची में बिहार 58 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि राजस्थान और ओडिशा में 57-57 मामले सामने आए।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि आरोपी केवल पुलिस हिरासत से ही नहीं, बल्कि लॉकअप जैसी सुरक्षित जगहों से भी फरार होने में सफल रहे। प्रदेश में 6 आरोपी सीधे लॉकअप से भाग निकले, जबकि 83 आरोपी पुलिस निगरानी के दौरान चकमा देकर फरार हो गए। प्रदेश में कुल 89 फरारी की घटनाएं सामने आईं, जिनमें से 72 मामलों में औपचारिक एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने इनमें से 53 आरोपियों को दोबारा गिरफ्तार कर लिया, लेकिन 36 आरोपी अब भी गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं।

श्रावंती ग्रुप पर ईडी का शिकंजा

प्रमोटर डीवी राव समेत 3 गिरफ्तार, 284 करोड़ के फर्जीवाड़े का खुलासा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने श्रावंती ग्रुप के प्रमोटर दंडामुडी वेंकटेश्वर राव (डीवी। राव) और उनके सहयोगियों के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच में लगभग 284 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं और फर्जी लेनदेन का खुलासा किया है। मामले में ईडी ने डीवी राव, कंपनी की डायरेक्टर डी। शांति किरण और राव के भाई डी।

अवनींद्र कुमार को गिरफ्तार किया है। विशेष अदालत ने तीनों आरोपियों को 12 मई 2026 तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी के अनुसार, यह जांच गुरुग्राम के सेक्टर-40 थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 0360/2025 से शुरू हुई थी। आरोप है कि डीवी राव के नियंत्रण वाली कंपनी डीजेडब्लू इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने विभिन्न संस्थाओं से करीब 58 करोड़ रुपये का लोन धोखाधड़ी से हासिल किया। जांच में सामने आया कि लोन चुकाने के नाम पर आरटीजीएस प्रणाली का दुरुपयोग किया गया।

दस्तावेजों में असली ऋणदाताओं के नाम दिखाए गए लेकिन बैंक खातों की जानकारी कोलकाता स्थित फर्जी कंपनियों की दी गई थी। इसके जरिए रकम नेक्सस इंटरनेशनल, भवतारिणी सेल्स प्राइवेट लिमिटेड और गेबल ट्रेडिंग कंपनी जैसी शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर दी गई। ईडी की जांच के दौरान श्रावंती एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े एक अन्य मामले का भी खुलासा हुआ। एजेंसी के मुताबिक, श्रावंती एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड हर महीने लगभग 75 लाख रुपये "कंसल्टेंसी फीस" के नाम पर वर्सट टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड को भेज रही थी जबकि यह कंपनी केवल कागजों पर मौजूद थी।

इस माध्यम से करीब 89.36 करोड़ रुपये का फर्जी भुगतान किया गया। इसके अलावा, जांच में यह भी सामने आया कि श्रावंती एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने 100 से अधिक शेल कंपनियों के जरिए 139 करोड़ रुपये से ज्यादा की फर्जी खरीद दिखाई।

इन कंपनियों से कोई वास्तविक सामान या सेवाएं नहीं ली गईं बल्कि भुगतान की गई रकम कथित तौर पर नकद के रूप में डीवी। राव और उनके परिवार तक पहुंचाई गई। ईडी के अनुसार, श्रावंती एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड मामले में कुल 228 करोड़ रुपये की 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' की पहचान की गई है। जांच एजेंसी ने यह भी दावा किया कि श्रावंती एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बैंकों का भारी कर्ज नहीं चुकाने के कारण कंपनी एनपीए घोषित हुई, जिससे बैंकिंग सिस्टम को 1500 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। इस मामले में कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निवेश भी प्रभावित हुआ है।

इससे पहले ईडी ने छापेमारी के दौरान करीब 5 करोड़ रुपये के सोने-हीरे के गहने और कई लग्जरी गाड़ियां जब्त की थीं। साथ ही 228 करोड़ रुपये की संपत्तियां भी कुर्क की गई हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में स्थित आवासीय और औद्योगिक जमीन शामिल है।

भाजपा की मेयर प्रत्याशी अक्षिता सैनी के नामांकन पर विवाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा

अंबाला, 9 मई (एजेंसियां)। नगर निगम चुनावों की सरगर्मी के बीच अंबाला सिटी मेयर पद के लिए भाजपा प्रत्याशी अक्षिता सैनी के नामांकन को लेकर बड़ा कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस प्रत्याशी कुलविंदर कौर ने अक्षिता सैनी के नामांकन को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा अक्षिता के नामांकन को स्वीकार करने के फैसले को रद्द करने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता कुलविंदर कौर का आरोप है कि अक्षिता सैनी ने अपने चुनावी हलफनामे (फॉर्म 1-सी) में वैवाहिक स्थिति और पति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई है। याचिका के अनुसार, अक्षिता ने हलफनामे के पति वाले कॉलम में जानबूझकर लागू नहीं लिखा है, जबकि उन्होंने अपनी एक नाबालिग बेटी अनन्या सैनी का विवरण दिया है। इस मामले की सुनवाई मतदान के एक दिन बाद 11 मई को हाईकोर्ट में होगी।

छात्राओं से छेड़छाड़ करता था सरकारी स्कूल का शिक्षक, पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की जांच

गुरुग्राम, 9 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम जिले से एक शर्मसार कर देने वाली खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुग्राम के जैकबपुरा में स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाली कक्षा 9 की कई छात्राओं ने एक शिक्षक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। छात्राओं का कहना है कि आरोपी शिक्षक उनके ऊपर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी किया करता था। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला छात्राओं की शिकायत के बाद सामने आया है।

शिक्षक पर आरोप है कि वह छात्राओं के साथ गलत व्यवहार करता था और उनके ऊपर अनुचित टिप्पणियां करता था। मामले को गंभीरता से लेते हुए हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग यानी कि एचएससीपीसीआर ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने स्कूल की प्रिंसिपल को 14 मई को पेश होने के निर्देश दिए हैं। गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि जांच टीम छात्राओं के संपर्क में है और मामले की विस्तार से जांच की जा रही है।

कुल्लू में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, 1.37 लाख अफीम के पौधे नष्ट; 4 बीघा में चल रही थी अवैध खेती

कुल्लू, 9 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले के बंजार में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बठाहड़ क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़ करते हुए एसटीएफ ने 1 लाख 37 हजार से अधिक अफीम के पौधों को नष्ट किया है। पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, एसटीएफ कुल्लू को बंजार में अवैध अफीम की खेती होने की गुप्त सूचना मिली थी।

इसी सूचना के आधार पर एसटीएफ कुल्लू की दो विशेष टीमों का गठन किया गया और मौके पर दबिश दी गई। इस दौरान निजी भूमि पर बड़े स्तर पर अफीम की खेती पाई गई। इस क्षेत्र में करीब 4 बीघा निजी भूमि पर अवैध अफीम की खेती की जा रही थी। जांच के दौरान टीम ने मौके से लगभग 1,32,787 अफीम के पौधे बरामद किए हैं। सभी पौधों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस मामले में थाना बंजार में अवैध खेती से जुड़े आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

बीजेपी नेता को थप्पड़ जड़ने पर बवाल, दो पुलिसकर्मी निलंबित

इंदौर, 9 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में महिला ट्रैफिक पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी के एक नेता को कथित तौर पर थप्पड़ मार दिया था। जिसके बाद बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने एक व्यस्त चौराहे को जाम कर दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ा तो पुलिस प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक कॉन्स्टेबल शेखर और सूबेदार लक्ष्मी को सस्पेंड कर दिया।

वहीं टीआई ट्रैफिक राधा यादव को कार्यालय अटैच किया गया है। दरअसल, इंदौर में हेलमेट चेकिंग के दौरान ट्रैफिक पुलिस और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। महू नाका चौराहे पर यातायात पुलिस वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान विधानसभा-4 के प्रभारी वीरेंद्र शेंडगे और ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद और मारपीट तक पहुंच गई।

बीजेपी नेताओं का आरोप है कि ट्रैफिक पुलिस ने वीरेंद्र शेंडगे के साथ बदतमीजी और मारपीट की। घटना से नाराज विधायक मालिनी गौड़ के समर्थक और भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए और महू नाका चौराहे पर चक्का जाम कर ट्रैफिक रोक दिया। अब इस मामले में तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

कनाडा में पंजाब मूल के गैंगस्टरों पर बड़ा एक्शन, 7 युवकों की तस्वीरें सार्वजनिक; दो को किया गया डिपोर्ट

चंडीगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। कनाडा में पंजाब मूल के युवकों का नाम लगातार रंगदारी, गैंगवार और फायरिंग की घटनाओं में सामने आने के बाद वहां की सुरक्षा एजेंसियों ने सख्ती बढ़ा दी है। हाल ही में सरे पुलिस सर्विस (एसपीएस) द्वारा सात भारतीय मूल के युवकों की तस्वीरें सार्वजनिक किए जाने के बाद यह मामला फिर सुर्खियों में आ गया है। इनमें से अधिकतर पंजाब से जुड़े बताए जा रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि ये युवक रंगदारी, हथियारों के इस्तेमाल और संगठित अपराध से जुड़े मामलों में जांच के घेरे में हैं। एसपीएस की ओर से जारी सूची में हंसप्रीत सिंह, हर्षदीप सिंह, हरजोत सिंह, तरणवीर सिंह, लवबीर सिंह, दयाजीत बिलिंग और प्रभजोत सिंह के नाम शामिल हैं। पुलिस के अनुसार इनकी गतिविधियों को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी कारण जनता से जानकारी जुटाने के लिए तस्वीरें सार्वजनिक की गईं।

मामले में कनाडा बार्डर सर्विस एजेंसी (सीबीएसए) ने भी कार्रवाई करते हुए कुछ युवकों को डिपोर्ट किया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार लवबीर सिंह और प्रभजोत सिंह को कनाडा से बाहर भेजा जा चुका है।

भगोड़े नीरव मोदी ने चल दिया एक और बड़ा दांव

भारत प्रत्यर्पण का मामला अटका, आखिर क्या वजह

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भगोड़े नीरव मोदी ने भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए एक और चाल चली है। इस वजह से प्रत्यर्पण का मामला फिलहाल अटक गया है। ब्रिटेन ने भारत को बताया कि कुछ 'सीक्रेट प्रोसीडिंग्स' चलने के कारण फिलहाल नीरव मोदी को भारत नहीं भेजा जा सकता है। हालांकि लंदन ने अब तक इस प्रोसीडिंग्स की पूरी जानकारी भारत के साथ साझा नहीं किया है। माना जा रहा है कि यह मामला शरण से जुड़ा हो सकता है। भारत अब तक ब्रिटेन की अदालतों में नीरव मोदी के खिलाफ सभी प्रत्यर्पण मामलों में जीत हासिल कर चुका है। इसके बावजूद प्रत्यर्पण पर कानूनी अड़चन बनी हुई है। नीरव मोदी पहले भी 2018 में ब्रिटेन में शरण की मांग कर चुका था, लेकिन उसकी वह अर्जी पिछले साल खारिज हो चुकी है।

अब आशंका जताई जा रही है कि उसने मानवीय आधार पर नई शरण याचिका दायर की हो सकती है। नीरव मोदी ने ब्रिटेन की अदालतों में यह दलील दी थी कि अगर उसे भारत भेजा गया तो उससे पूछताछ के दौरान दुर्व्यवहार और यातना हो सकती है। उसने अपने पक्ष में संजय भंडारी मामले का हवाला भी दिया।

ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने फरवरी 2025 में संजय भंडारी के प्रत्यर्पण पर रोक लगाते हुए कहा था कि तिहाड़ जेल में उसे हिंसा और प्रताड़ना का खतरा हो सकता है। 25 मार्च को ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने नीरव मोदी की प्रत्यर्पण केस को दोबारा ओपेन करने की मांग खारिज कर दी थी। इसके बाद उसने यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय में भी राहत की अपील की है, जिस पर अभी सुनवाई होनी है। नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक से 6,498 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप है। यह मामला कुल 13,578 करोड़ के बैंक घोटाले से जुड़ा है।

वन्यजीव अभयारण्य में 20 साल बाद दिखा रॉयल बंगाल टाइगर

ईटानगर, 9 मई (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के डी। एरिंग मेमोरियल वन्यजीव अभयारण्य में लगभग दो दशकों में पहली बार एक रॉयल बंगाल टाइगर को देखा गया है। अधिकारियों ने पासीघाट के पास अभयारण्य के भीतर जमा किए गए कैमरा ट्रैप सबूतों के आधार पर इसकी पुष्टि की। अरुणाचल प्रदेश वन और वन्यजीव विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि वन्यजीव अभयारण्य में किए गए कैमरा ट्रैप सर्वे के जरिए बाघ के दिखने की घटना को कैमरे में कैद किया गया है।

इस सर्वे में 'अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट' (एटीआरईई) से तकनीकी सहायता ली गई थी। उन्होंने बताया कि डीईएमडब्ल्यूएस के अंदर बाघ के होने का आखिरी पुख्ता सबूत 2005 में मिला था, और उसके बाद 2007-08 तक सिर्फ ऐसी रिपोर्टें मिली थीं, जिनकी पुष्टि नहीं हो पाई थी। अधिकारी ने कहा कि कैमरा ट्रैप से मिलीं ताजा तस्वीरों से इस इलाके में बाघ की मौजूदगी पूरी तरह से साबित हो गई है। 2014 में वर्ल्ड वाइड फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) फॉर नेचर द्वारा प्रकाशित एक बेसलाइन सर्वे में एक निराशाजनक तस्वीर सामने आई थी।

इसमें बाघों के कोई पगमार्क या कैमरा ट्रैप से जुड़ा कोई सबूत नहीं मिला था, और उनके गायब होने की संभावित वजह शिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जा रहे शिकार को बताया गया था। आस-पास के बड़े इलाके में बाघों की हलचल फिर से शुरू होने के संकेत पहले से ही मिल रहे थे। हाल ही में, जनवरी 2026 में, असम के जोनाई वन रेंज के वनकर्मियों ने कोबू चापोरी में एक वयस्क रॉयल बंगाल टाइगर के पगमार्क देखे जाने की सूचना दी। कोबू चापोरी एक प्रस्तावित आरक्षित वन है, जो अभयारण्य से सटा हुआ है और असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर स्थित है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 10 मई, 2026 3

सुविचार: विचार जितने शुद्ध एवं श्रेष्ठ होंगे जीवन उतना ही दिव्य बन पायेगा।

बीज नियंत्रण में राज्यों को अधिक अधिकार दिए जाएं : तुम्मला

फसल परिवर्तन पर रिपोर्ट कृषि मंत्री को सौंपी गई

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में फसल परिवर्तन की आवश्यकता पर तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट किसान आयोग के अध्यक्ष कोदंड रेड्डी एवं सदस्यों ने कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव को सचिवालय में सौंप दी। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्तमान में राज्य के किसान मुख्य रूप से धान और कपास पर निर्भर हैं, जबकि बागवानी फसलों, दलहन, मोटे अनाज और तिलहन की खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है। आयोग ने सुझाव दिया कि फसल परिवर्तन के लिए यह उपयुक्त समय है। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में खरीफ और रबी सीजन मिलाकर लगभग 1.30 करोड़ एकड़ में धान की खेती होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले तीन वर्षों में कम से कम 13 लाख एकड़ भूमि को बागवानी, दलहन, मोटे अनाज और तिलहन फसलों की ओर मोड़ा जाए और इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। मंत्री ने कहा कि जिन फसलों की बाजार में मांग अधिक है, उन्हें बढ़ावा देने से किसानों को बेहतर मूल्य मिल सकेगा। उन्होंने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष 45 हजार एकड़ में नए सिरे से तेल पाम की खेती शुरू की गई है और अगले वर्ष इसे बढ़ाकर 1 लाख एकड़ तक ले जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए बीज अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता बताते हुए मंत्री ने कहा कि नकली बीजों से किसानों को होने वाले नुकसान की स्थिति में मुआवजे को लेकर स्पष्टता नहीं है। उन्होंने बीज नियंत्रण में राज्यों को अधिक अधिकार देने की मांग की। आगामी खरीफ सीजन में जून के पहले सप्ताह से रोपाई शुरू होने की संभावना को देखते हुए मंत्री ने निर्देश दिया कि मई अंत तक पर्याप्त यूरिया भंडार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र सरकार के साथ लगातार समन्वय रखने और आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली जाकर उच्च स्तर पर वार्ता करने को भी कहा। उन्होंने रामागुंडम उर्वरक संयंत्र से उत्पादित यूरिया में से 90 प्रतिशत हिस्सा तेलंगाना को आवंटित करने की मांग केंद्र से की। बैठक में बीज निगम के अध्यक्ष अन्वेष रेड्डी, कृषि विभाग के सचिव सुरेंद्र मोहन, कृषि निदेशक गोपी, उद्यान विभाग की निदेशक यास्मीन बाशा, मार्केटिंग निदेशक लक्ष्मीबाई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रविवार को सिकंदराबाद के परेड मैदान में होने वाली जनसभा को लेकर मलकाजगिरि पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। सभा की सुरक्षा के लिए लगभग दो हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। मलकाजगिरि पुलिस आयुक्त बी सुमति ने बताया कि कार्यक्रम स्थल, आसपास के क्षेत्रों, मार्गों और वाहन पार्किंग स्थलों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। सभा स्थल पर प्रवेश केवल निर्धारित द्वारों से ही दिया जाएगा तथा सभी लोगों की गहन सुरक्षा जांच की जाएगी। प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनाधिकृत प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा। उन्होंने बताया कि भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन स्थिति से निपटने, चिकित्सा सहायता और अग्नि सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। सिकंदराबाद परेड मैदान और उसके आसपास के क्षेत्रों, पहुंच मार्गों, वाहन जांच केंद्रों तथा पार्किंग स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जाएगी।

सभी सीसीटीवी कैमरों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां सूचना प्रौद्योगिकी और मैदानी टीमें वास्तविक समय में निगरानी करेंगी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि कार्यक्रम समाप्त होने तक बम निरोधक दस्तों द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जाएगा। त्वरित और समन्वित कार्रवाई के लिए उपनिरीक्षक स्तर और उससे ऊपर के सभी अधिकारियों को मजबूत संचार व्यवस्था तथा वीएचएफ सेट उपलब्ध कराए गए हैं।

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले बीसी संगठनों ने जातीय जनगणना पर मांगा आश्वासन

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल बीसी दल के अध्यक्ष दुंद्रा कुमारस्वामी ने केंद्र सरकार से पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए जातीय जनगणना कराने और प्रस्तावित डिजिटल जनगणना में ओबीसी कॉलम शामिल करने की स्पष्ट घोषणा करने की मांग की है। बीसी रिजर्वेशन साधना समन्वय जेएसी के बैनर तले आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय तभी संभव है, जब समाज की वास्तविक स्थिति को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर सार्वजनिक किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 मई को प्रस्तावित हैदराबाद दौरे का उल्लेख करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि बीसी समुदाय प्रधानमंत्री के दौरे का स्वागत करता है, लेकिन पिछले दस वर्षों में पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए केंद्र सरकार ने क्या कदम उठाए हैं, इस पर स्पष्टता भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी लगातार तेलंगाना के विकास को प्राथमिकता देने की बात करते रहे हैं, लेकिन सरकार को यह भी बताना चाहिए कि राज्य की बड़ी आबादी वाले बीसी समुदाय के कल्याण, प्रतिनिधित्व और उन्नति के लिए क्या विशेष कदम उठाए गए हैं। कुमारस्वामी ने डिजिटल जनगणना में ओबीसी कॉलम नहीं होने पर चिंता जताते हुए कहा कि बीसी संगठन दशकों से जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वसनीय जनसंख्या आंकड़ों के बिना पिछड़े वर्गों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक स्थिति का सही आकलन संभव नहीं है और न ही प्रभावी कल्याणकारी नीतियां बनाई जा सकती हैं।

बीआरएस विधायक गंगुला कमलाकर हिरासत में लिए गए

करीमनगर, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा करीमनगर विधायक शिविर कार्यालय पर किए गए कथित हमले के विरोध में भारत राष्ट्र समिति द्वारा शनिवार को करीमनगर बंद का आह्वान किया गया। इसी दौरान बीआरएस विधायक गंगुला कमलाकर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार गंगुला कमलाकर को सुबह से ही उनके आवास पर नजरबंद रखा गया था। बाद में जब वे बंद में शामिल होने के लिए घर से बाहर निकलने की तैयारी कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर नगर पुलिस प्रशिक्षण केंद्र पहुंचा दिया। इस कार्रवाई से नाराज बीआरएस कार्यकर्ताओं ने नगर अध्यक्ष चाल्ला हरिशंकर के नेतृत्व में कोर्ट चौक पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार का पुतला दहन किया।

डॉ. गिरीश कुमार संघी ने राज्यपाल को अग्रसेन जयंती समारोह में आमंत्रित किया

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व सांसद और वार्ता प्रकाशन समूह के सीएमडी डॉ. गिरीश कुमार संघी ने शनिवार को लोक भवन, हैदराबाद में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप सिंह शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। उन्हें शहर में बडे पैमाने पर मनाए जाने वाले महाराजा अग्रसेन की 5150वीं जयंती समारोह में आमंत्रित किया गया। यह समारोह 11 अक्टूबर को जुबली हिल्स स्थित महाराजा अग्रसेन प्रतिमा पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रतिनिधि गोपाल मोर, नरेंद्र गोयल, सुरेश अग्रवाल, केडी अग्रवाल और अन्य उपस्थित थे।

हैदराबाद में सभी डिपो पर स्थापित होंगे ईवी चार्जिंग स्टेशन

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हरित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में टीजीएसआरटीसी ने शहर में इलेक्ट्रिक वाहन अवसंरचना के विस्तार की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र के सभी डिपो में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार कैंटोनमेंट, मियापुर, रानीगंज, हयातनगर तथा एचसीयू डिपो में ईवी चार्जिंग सुविधाएं पहले से संचालित हो रही हैं, जबकि कुकटपल्ली में नया चार्जिंग स्टेशन शीघ्र शुरू होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त 13 अन्य स्थानों पर भी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना तैयार की गई है और अगले एक वर्ष के भीतर सभी कार्य पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रस्तावित स्थानों में जीडीमेटला, काचीगुडा, मिधानी, बंडलागुडा, मुशीराबाद, फारूकनगर, बरकतपुरा, मेहदीपट्टनम, इब्राहिमपट्टनम, मेडचल, उप्पल, चेंगिचेरला तथा जवाहरनगर शामिल हैं। यह पहल राज्य सरकार के उस निर्णय के अनुरूप है, जिसके तहत अगले दो वर्षों में ओआरआर सीमा क्षेत्र के भीतर केवल इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। आरटीसी अधिकारियों ने बताया कि इस परिवर्तन को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित की जा रही है। वर्तमान में हैदराबाद क्षेत्र में लगभग 490 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हो रही हैं तथा आने वाले महीनों में और अधिक बसें शुरू करने की योजना है।

महिलाओं के प्रति रोजमर्रा के भेदभाव को खत्म करना जरूरी : चारू सिन्हा

महिला सुरक्षा विंग की ओर से 'स्टैंड विद हर' पैनल चर्चा आयोजित

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य महिला सुरक्षा विंग की डीजी चारू सिन्हा ने कहा कि समाज में महिलाओं के प्रति होने वाला रोजमर्रा का लैंगिक भेदभाव उनकी मानसिक सुरक्षा पर गंभीर असर डाल रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले छोटे-छोटे तंज, असभ्य टिप्पणियां और भेदभावपूर्ण व्यवहार धीरे-धीरे सामान्य मान लिए गए हैं, जो चिंता का विषय है। हैदराबाद स्थित डॉ.बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी में स्थित वी-हब के मंच पर 'स्टैंड विद हर' अभियान के तहत शनिवार को 'एवरीडे सेक्सिज्म एंड इमोशनल सेफ्टी' विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों और गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया तथा महिलाओं के प्रति समाज में मौजूद भेदभावपूर्ण सोच पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर चारू सिन्हा ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं को अपराध नहीं माना जाता, यही सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि जब तक पुरुष अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं लाएंगे, तब तक महिलाओं को सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण नहीं मिल सकेगा। कॉरपोरेट क्षेत्र से आईं शैलजा जोश्युला ने कहा कि महिलाओं की पसंद और निर्णयों का सम्मान करना समाज को सीखना होगा।

पुराने और रूढ़िवादी विचारों को छोड़ने पर ही वास्तविक बदलाव संभव है। फिल्म निर्देशक शैलेश कोलानू ने कहा कि महिला पात्रों को प्रस्तुत करते समय संवेदनशीलता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज तभी बेहतर दिशा में आगे बढ़ेगा, जब लोग यह स्वीकार करेंगे कि उन्हें अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है। शरद चंद्र ने महिलाओं से अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने का आह्वान किया। वहीं मसूद हुसैनी ने कहा कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिलाएं जीवन में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होती हैं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार प्रेमा मालिनी ने किया। आयोजकों ने बताया कि 'स्टैंड विद हर' अभियान वर्षभर चलाया जाएगा, जिसके तहत हर महीने किसी सामाजिक मुद्दे पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सड़कों पर बाइक स्टंट करने वाले 6 आरोपियों को टास्क फोर्स ने पकड़ा

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय टास्क फोर्स की राजेंद्रनगर जोन इकाई ने अत्तापुर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक सड़कों पर खतरनाक बाइक स्टंट और लापरवाह ड्राइविंग करने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सड़क पर स्टंट, तेज गति से वाहन चलाना, ट्रिपल राइडिंग और खतरनाक तरीके से वाहन चलाकर आम जनता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहे थे। इन गतिविधियों से राहगीरों और अन्य वाहन चालकों में भय का माहौल बन रहा था। कार्रवाई के दौरान दो दोपहिया वाहन तथा छह मोबाइल फोन जब्त किए गए। बताया गया कि आरोपी अट्टापुर से आरामघर मार्ग पर स्टंट कर रहे थे, जिससे वाहन से चिंगारियां तक निकल रही थीं और यह अन्य यात्रियों के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर रहा था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में छात्र, निजी व्यवसाय से जुड़े युवा तथा विभिन्न कार्यों में लगे लोग शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि कुछ आरोपी पहले भी ऐसे मामलों में शामिल पाए गए हैं। पुलिस ने कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकती हैं। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय टास्क फोर्स ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को ऐसे खतरनाक कृत्यों से दूर रखें और पुलिस का सहयोग करें। साथ ही नागरिकों से भी अनुरोध किया गया है कि वे खतरनाक ड्राइविंग या स्टंट की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बीआरएस के करीमनगर बंद को मिला-जुला समर्थन

तनाव के बीच भारी पुलिस बल तैनात

करीमनगर, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय विधायक के कैंप कार्यालय पर कथित रूप से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले के विरोध में गंगुला कमलाकर के नेतृत्व में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा शनिवार को बुलाए गए करीमनगर बंद को मिला-जुला समर्थन मिला। बंद को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म रहा। भाजपा ने सवाल उठाया कि बीआरएस के बंद से आम जनता का क्या संबंध है और चेतावनी दी कि वह इस बंद का विरोध करेगी। वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस ने भाजपा और बीआरएस के बीच हुए विवाद को दोनों दलों का आंतरिक मामला बताया। इन विरोधाभासी बयानों के बीच शहर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। एहतियात के तौर पर पुलिस ने शहर के विभिन्न हिस्सों में भारी संख्या में बल तैनात किया और कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया।

बीआरएस विधायक गंगुला कमलाकर को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया। शनिवार सुबह से ही उनके घर के बाहर तैनात पुलिस ने बाद में उन्हें हिरासत में लेकर एलएमडी पुलिस स्टेशन भेज दिया। पूर्व मेयर रविंदर सिंह, बीआरएस शहर अध्यक्ष चल्ला हरिशंकर सहित कई नेताओं को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसी दौरान बंद में शामिल होने के लिए गंगाधारा मंडल के बुरुगुपल्ली से करीमनगर जा रहे सुंके रविशंकर को पुलिस ने रास्ते में रोक लिया। उन्हें हिरासत में लेकर वापस उनके घर भेज दिया गया और नजरबंद कर दिया गया। शहर के कई व्यापारिक और कारोबारी संगठनों ने स्वेच्छा से बंद का समर्थन किया। शहर के कई हिस्सों में दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

तेलंगाना आंदोलन के दौरान भी बाधित नहीं हुआ था आईटी कॉरिडोर

संदीप ने डीजीपी सीवी आनंद से की मुलाकात

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। क्रॉस-बॉर्डर इनोवेशन रणनीतिकार और यूएई गोल्डन वीजा सम्मानित संदीप कुमार मख्तला ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद से मुलाकात कर उन्हें तेलंगाना पुलिस प्रमुख का कार्यभार संभालने पर बधाई दी। मुलाकात के दौरान दोनों ने तेलंगाना आंदोलन के दौर की अपनी पुरानी यादों को साझा किया। उस समय सी.वी. आनंद साइबराबाद पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यरत थे, जबकि संदीप मख्तला हैदराबाद के आईटी कॉरिडोर से जुड़े आईटी और नवाचार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। चर्चा के दौरान इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया गया कि तेलंगाना आंदोलन के संवेदनशील दौर में भी हैदराबाद का आईटी कॉरिडोर बिना किसी व्यवधान के चलता रहा। इससे तेलंगाना की छवि एक स्थिर और जिम्मेदार निवेश गंतव्य के रूप में मजबूत हुई थी।

बैठक में संतुलित प्रशासन, जिम्मेदार जनभागीदारी और तकनीकी व कारोबारी क्षेत्र के भरोसे को बनाए रखने के महत्व पर भी चर्चा हुई। संदीप मख्तला ने साइबराबाद पुलिस आयुक्त के रूप में सी.वी. आनंद द्वारा अपनाई गई तकनीक आधारित पुलिसिंग, प्रगतिशील प्रशासनिक दृष्टिकोण और दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की। दोनों के बीच स्टार्टअप इकोसिस्टम की सुरक्षा, निवेशकों के विश्वास, साइबर सुरक्षा, नवाचार आधारित विकास तथा उभरते उद्यमियों और इनोवेटर्स के लिए मजबूत सहयोग तंत्र विकसित करने जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। संदीप मख्तला ने एक मिलियन इनोवेटर्स को उद्यमी बनाने के अपने व्यापक मिशन की जानकारी देते हुए मेंटरशिप, वैश्विक सहयोग और इकोसिस्टम निर्माण से जुड़े प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने हाल के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों, वैश्विक इनोवेशन आउटरीच अभियानों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पहलों की भी जानकारी साझा की। सी.वी. आनंद ने युवाओं, उद्यमियों और तकनीकी क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में संदीप मख्तला द्वारा किए जा रहे नवाचार आधारित प्रयासों और वैश्विक पहलों की सराहना की। बैठक सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई, जिसमें तेलंगाना की तकनीकी प्रगति, साइबर जागरूकता, नवाचार इकोसिस्टम और भविष्य उन्मुख प्रशासन पर चर्चा केंद्रित रही।

खुले घरों से मोबाइल चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद पुलिस ने शनिवार को दो ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो गर्मियों के दौरान खुले दरवाजों वाले घरों को निशाना बनाकर मोबाइल फोन चोरी करते थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलाराजू और पाटिल संदीप के रूप में हुई है। आरोप है कि दोनों रात के समय उन घरों में प्रवेश करते थे, जहां लोग दरवाजे खुले छोड़कर सो रहे होते थे, और वहां से मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो जाते थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बलाराजू आदतन अपराधी है तथा उसके खिलाफ पहले से 29 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 22 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एससीसीएल ने 9 नई खनन परियोजनाओं में लाई तेजी

रोजगार निरंतरता सुनिश्चित करने पर सरकार का फोकस

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के लिए 9 नई कोयला खनन परियोजनाओं के विकास की व्यापक योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, मौजूदा खदानों के बंद होने से होने वाली उत्पादन कमी की भरपाई करना और कर्मचारियों के रोजगार को बनाए रखना है। सरकार ने एससीसीएल को सभी प्रारंभिक कार्यों में तेजी लाने और आवश्यक वैधानिक मंजूरियां जल्द प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत एससीसीएल ने नौ परियोजनाओं के विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर केंद्रीय कोयला, वन एवं पर्यावरण मंत्रालयों को स्वीकृति के लिए भेजे हैं।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्का इन परियोजनाओं की प्रगति और मंजूरी प्रक्रिया की लगातार मीक्षा कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठकें कर राज्य की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए शीघ्र मंजूरी देने पर जोर दिया है। तीन परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। ओडिशा सरकार के समन्वय से ओडिशा स्थित नाइनी ब्लॉक में कोयला उत्पादन शुरू हो चुका है। वहीं कोत्तागुडेम स्थित वीके कोल माइंस में भी अधिकांश वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और उत्पादन शुरू करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। एससीसीएल की चार खदानें वर्ष 2027-28 तक बंद होने की संभावना है, जिससे सालाना लगभग 12.51 मिलियन टन कोयला उत्पादन में कमी आने का अनुमान है। सरकार का मानना है कि प्रस्तावित नौ परियोजनाएं इस कमी को पूरा करेंगी और अगले दो दशकों तक निर्बाध कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करेंगी।

इन परियोजनाओं में नई ओपन-कास्ट खदानों का विकास, मौजूदा खदानों का विस्तार और पहले बंद की जा चुकी भूमिगत खदानों से शेष कोयला भंडार का दोहन शामिल है। राज्य सरकार के निर्देशों के तहत एससीसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, I Kumari, W/o, No. 14659139H, Hav, Vasudevu Ichapuram, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from I Kumari to Ichapuram Kumari vide Affidavit No BU 311427 dt. 07.05.2026, before Spl Judicial Magistrate, at L B Nagar.

I, JC 779215K, Sub, Ganga Ram Bishnoi , R/o, Dist: Jodhpur, Rajasthan, changed my Daughter's name from Rekha to Rekha Bishnoi, vide Affidavit No. 466653 dt. 08.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भाजपा नेता पर हमला : सात हमलवरों ने घेरा, ताबड़तोड़ फायरिंग

सीने में लगी 32 बोर की गोली को डॉक्टर ने निकाला

मथुरा, 9 मई (एजेंसियां)। वृंदावन में भाजपा नेता पम्मी गोस्वामी को गोली मारने के मामले में पुलिस ने सात हमलावरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उनका अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। चिकित्सकों ने उनका ऑपरेशन कर गोली निकाल दी है। उनके सीने से 32 बोर गोली निकली है। हमलावरों की तलाश में दो थानों की पुलिस जुटी है।

वनखंडी क्षेत्र स्थित व्यास घेरा निवासी प्रमेंद्र गोस्वामी उर्फ पम्मी भाजपा के नगर महामंत्री हैं। वह बृहस्पतिवार देर रात पानीगांव स्थित अपने रिश्तेदार के प्रॉपर्टी के कार्यालय से स्कूटी पर सवार होकर व्यास घेरा स्थित घर आ रहे थे। उन्हें पानी गांव के नए पुल पर मोटरसाइकिल पर सवार आधा दर्जन हमलावरों ने घेर लिया। गाली गलौज करते हुए भाजपा नेता से मारपीट की और फिर गोली मार दी। गोली सीने में दाहिनी ओर लगी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर गए। हमलावर वहां से भाग गए। सूचना पर परिजन और चचेरे भाई अनमोल गोस्वामी मौके पर पहुंचे और उन्हें जिला संयुक्त चिकित्सालय ले गए।

यहां प्राथमिक उपचार के बाद परिजन ने उन्हें सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया है। उधर सीओ सदर पीतम पाल सिंह और वृंदावन एवं यमुना पार थाने की पुलिस पहुंच गई। उन्होंने भाजपा नेता की स्कूटी कब्जे में लेकर हमलावरों की तलाश तेज कर दी। सीने में मिले कार्बन से प्रतीत हो रहा है कि गोली पिस्टल से बहुत ही करीब से मारी गई है। जो कि सीने के बाहर कार्बन छोड़ते हुए सीने में फंस गई। शुक्रवार दोपहर को घायल प्रमेंद्र गोस्वामी के छोटे भाई दयाल कृष्ण गोस्वामी ने सात हमलावरों के विरुद्ध वृंदावन में थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटनास्थल पानी गांव के नए पुल के बीच होने के कारण यमुना पार थाना क्षेत्र का है लेकिन सीओ सदर के निर्देश पर वृंदावन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

प्रमेंद्र गोस्वामी उर्फ पम्मी के चचेरे भाई अनमोल गोस्वामी ने बताया कि सिम्स अस्पताल में डॉक्टरों ने शुक्रवार दोपहर को ऑपरेशन किया है।

सीने में फंसी गोली निकाल ली गई है। ऑपरेशन के बाद वह बेहोशी की हालत में है, लेकिन खतरे से बाहर हैं। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने पम्मी के बयान ले लिए हैं। वृंदावन पुलिस पम्मी पर नजर बनाए हुए हैं। सीओ सदर पीतम पाल सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया जमीनी विवाद प्रतीत हो रहा है। विवाद के कारण हमलावरों ने पम्मी के सीने में गोली मारी है। हमलावरों की तलाश में वृंदावन पुलिस की दो टीमें एवं यमुना पार पुलिस को भी लगाया गया है। सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

बेटी की बारात दरवाजे पर थी, पिता-चाचा की मौत

अमेठी, 9 मई (एजेंसियां)। अमेठी में बेटी की शादी से ठीक पहले पिता और चाचा की सड़क हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार रात 8 बजे हादसा उस वक्त हुआ, जब बारात घर के दरवाजे पर खड़ी थी। बैंड पर बाराती दूल्हे के साथ नाच-गा रहे थे। द्वारपूजा और जयमाल की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान, पंडित जी ने द्वारपूजा के लिए पिता से फल मांगे। घर में फल नहीं थे।

परिवार के बाकी लोग काम में व्यस्त थे। ऐसे में पिता गौतम कुमार ने अपने रिश्ते के भाई आशाराम को बुलाया। कहा- बाइक निकालो, मार्केट से 5 मिनट में फल लेकर आते हैं। बाइक लेकर दोनों घर से 500 मीटर दूर ही पहुंचे थे कि एक दूसरी बाइक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों कई फीट दूर गिरे।

पटना आईआईटी कैंपस में तेलंगाना के छात्र का शव मिलने से हड़कंप

> मौत के कारणों का पता लगा रही पुलिस

पटना, 9 मई (एजेंसियां)। पटना जिले के बिहटा के अमहारा थाना क्षेत्र स्थित आईआईटी पटना परिसर में मृतक छात्र की पहचान हर्षित पटनायक के रूप में हुई है, जो तेलंगाना का निवासी बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन की टीम और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम मौके पर पहुंच गई।

बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह आईआईटी परिसर के बॉयज हॉस्टल के बगल स्थित मैदान में लोगों ने एक युवक का शव देखा, जिसके बाद प्रशासन को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि छात्र की मौत कैसे हुई, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शुक्रवार शाम इलाके में बारिश और तेज हवा चली थी। इसके कारण परिसर के कई हिस्सों में पानी जमा हो गया था और कुछ जगहों पर बिजली के तार भी गिरे हुए थे। आशंका जताई जा रही है कि छात्र सुबह हॉस्टल से टहलने या खेलने के लिए बाहर निकला था, उसी दौरान यह हादसा हुआ। वहीं, घटना की पुष्टि करते हुए पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि आईआईटी प्रशासन से परिसर में एक युवक का शव मिलने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

पटना आईआईटी ने क्या कहा?

आईआईटी पटना की ओर से बताया गया कि हमें अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हैदराबाद निवासी सदासिवुनी हर्षित पटनायक (2201EE89) का कलाम हॉस्टल के पास एक दुर्घटना में निधन हो गया है। हर्षित ने आईआईटी पटना में अपने तीन वर्ष पूरे कर लिए थे और वर्तमान में ड्यूल डिग्री कार्यक्रम के तहत आईआईएम बॉम्बे में अध्ययनरत थे। हमारी जानकारी के अनुसार, वह अपने सहपाठियों के फेयरवेल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आईआईटी पटना आए हुए थे। इस दुखद घटना से हम सभी स्तब्ध और बेहद दुखी हैं। दुर्घटना के वास्तविक कारणों की फिलहाल जांच की जा रही है।

निशांत कुमार के बचाव में उतरे भाजपा के नेता

गिरिराज सिंह बोले-तेजस्वी क्या ही परिवारवाद के आरोप लगाएंगे

पटना, 9 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार के मंत्री निशांत कुमार पर 'परिवारवाद' के आरोपों को लेकर राजद नेता तेजस्वी यादव को करारा जवाब दिया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी का निर्णय और जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए निशांत कुमार मंत्री बने हैं और तेजस्वी यादव का अपना परिवार भ्रष्टाचार के दलदल में फंसा है। निशांत कुमार पर लगे आरोपों को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, तेजस्वी यादव क्या ही परिवारवाद के आरोप लगाएंगे, जिनका पूरा परिवार भ्रष्टाचार के दलदल में फंसा हुआ है।

वे नीतीश कुमार पर क्या आरोप लगा सकते हैं? नीतीश कुमार ने कभी भी भ्रष्टाचारियों को संरक्षण नहीं दिया और न ही अपराधियों का साथ दिया। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल यादव ने तेजस्वी यादव को जवाब देते हुए कहा, यह वंशवादी राजनीति नहीं है। निशांत कुमार ने कभी राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। इतने सालों से उनके पिता मुख्यमंत्री के रूप में सेवा कर रहे हैं, लेकिन उनका बेटा होने के बावजूद क्या आपने कभी उन्हें राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पालते हुए या ऐसी गतिविधियों में शामिल होते हुए देखा है? उन्होंने कहा, पार्टी का निर्णय और जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए निशांत कुमार मंत्री बने हैं। वे पढ़े-लिखे हैं और उन्हें स्वास्थ्य विभाग के रूप में एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे। हर गरीब तक स्वास्थ्य की सुविधा पहुंचाने का काम करेंगे। मंत्री दिलीप जायसवाल ने भी तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार किया है। जायसवाल ने कहा, किसी के बारे में कुछ भी बोल देना ये नासमझी है। लगता है कि तेजस्वी यादव कभी निशांत कुमार से मिले नहीं है। मेरी 3-4 बार निशांत कुमार से मुलाकात हुई।

मैंने बात की, उनका अपना एक व्यक्तिगत अनुभव है और वे गंभीरता के साथ बात करते हैं। वहीं, मंत्री लेसी सिंह ने कहा, तेजस्वी यादव अपने खुद के अनुभव के आधार पर बोल रहे हैं। जरूर उनके विभाग को भी अधिकारी ही चला रहे होंगे। उनके पास कहने के लिए कुछ भी ठोस विषय नहीं है। इसलिए वे लगातार बे-मतलब के बयान देते रहते हैं।

प्रदर्शन करने वाले पांच हजार शिक्षक अभ्यर्थियों पर केस, चार गिरफ्तार

पटना, 9 मई (एजेंसियां)। पटना में चौथे चरण की परीक्षा को लेकर सड़क पर आंदोलन करने वाले अभ्यर्थियों पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। गांधी मैदान थाना की ओर से बताया गया कि पांच हजार अज्ञात और चार नामजद अभियुक्तों पर प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है।

छात्र नेता दिलीप कुमार समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। कुछ अभ्यर्थियों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इन अभ्यर्थियों पर विधि व्यवस्था प्रभावित करने, यातायात बाधित करने और पुलिसकर्मियों के साथ गलत ढंग से पेश आने का आरोप लगा है। वहीं अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार हमारी आवाज दबाने के लिए ऐसा कह रही है।

सपा में फिर सामने आई अंदरूनी खींचतान

टिकट की मांग पर भड़के नसीमुद्दीन, खाना छोड़ बीच कार्यक्रम से निकले

मुरादाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी में सब कुछ ठीक होने का दावा करने वाले नेता मंच से उतरते ही अपनी ही पार्टी की अंदरूनी खींचतान में घिर गए।

रामगंगा विहार स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी उस समय नाराज होकर कार्यक्रम छोड़ गए, जब समर्थकों ने उनके सामने 2027 के विधानसभा चुनाव में मुरादाबाद सीट से सलीम अख्तर को टिकट दिलाने की मांग रख दी। रतनपुर कलां में प्रस्तावित पीडीए महापंचायत को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टी में किसी भी तरह के मतभेद से इन्कार किया था। उन्होंने कहा था कि सपा में मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं। सभी नेताओं का लक्ष्य 2027 में पार्टी को भारी जीत दिलाना है। लेकिन प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होने के कुछ ही मिनट बाद बैंक्वेट हॉल का माहौल बदल गया। सूत्रों के अनुसार भोजन के दौरान सलीम अख्तर समर्थकों ने नसीमुद्दीन सिद्दीकी के सामने मुरादाबाद विधानसभा सीट पर टिकट की पैरवी करने की मांग रख दी।

यह सुनते ही सिद्दीकी का पारा चढ़ गया। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि... मैं टिकट दिलाने वाला कौन होता हूं, मुझे पार्टी में आए अभी कितना समय हुआ है। इतना कहकर वह खाने की टेबल से उठ गए और बाहर की ओर बढ़ गए। मौके पर मौजूद विधायक नवाब जान, सलीम अख्तर और अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी और हाथ झटकते हुए कार्यक्रम से निकल गए। खास बात यह रही कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के अधिकांश जनप्रतिनिधि नदारद रहे। सिर्फ विधायक नवाब जान और कुछ पदाधिकारी ही मौजूद थे, जबकि सांसद और अन्य विधायक कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। सिद्दीकी ने संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता और देहात विधायक हाजी नासिर कुरैशी की पत्नी की तबीयत खराब होने का तर्क दिया। घटनाक्रम ने सपा की अंदरूनी कलह को फिर उजागर कर दिया। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हैं। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने मिशन 2027 के तहत भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। रामगंगा विहार स्थित बैंक्वेट हॉल में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि सपा पीडीए के दम पर 2027 में सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने दावा किया कि सपा सरकार बनने पर महिलाओं को 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी।

भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और अपराध चरम पर हैं। गैस सिलिंडर से लेकर रसोई तक सब महंगा हो चुका है। बुलडोजर कार्रवाई के मुद्दे पर नसीमुद्दीन ने कहा कि जो भी सरकार के खिलाफ बोलता है, उसके घर बुलडोजर चलवा दिया जाता है।

हैवान बना बाप : भाइयों को फंसाने के लिए बेटे को ही मार डाला

पिता से बचने को बच्चे ने आखिरी सांस तक किया संघर्ष

ग्रेटर नोएडा, 9 मई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में 13 वर्षीय मासूम सुधांशु की हत्या ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। घटना के बाद पुलिस ने जब आरोपी की कार की जांच की तो डैशबोर्ड पर बच्चे के पैरों की मिट्टी लगी मिली। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत से पहले मासूम ने बचने के लिए पूरी ताकत से संघर्ष किया था, लेकिन नशे में धुत पिता की हैवानियत के आगे उसकी एक न चली।

बच्चा घर के बाहर नंगे पैर खेल रहा था, तभी आरोपी पिता उसे बहलाकर कार में बैठाकर ले गया था। पुलिस के अनुसार, कार में ही रस्सी से सुधांशु का गला कसा गया। आरोपी ने रात करीब आठ बजे के बाद अपना मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर लिया था, ताकि उसकी लोकेशन ट्रेस न हो सके। आरोपी ने हत्या के बाद घर लौटकर पत्नी और भाइयों से ऐसे पूछताछ की जैसे उसे कुछ पता ही न हो। जिस संपत्ति के लिए आरोपी ने अपने बेटे की हत्या की, उसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है।

यह था पूरा मामला

ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव से रिश्तों को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। अपने भाइयों को फंसाने के लिए पिता ने बेटे (13) की गला दबाकर हत्या कर दी। गांव के बाहर तालाब में शव को फेंक दिया। वारदात के बाद आरोपी प्रदीप भाटी परिवार और ग्रामीणों के साथ बेटे की तलाश का नाटक करता रहा। कासना कोतवाली पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया। पुलिस के शिकंजे में आते ही आरोपी ने ब्लेड से गला काटकर आत्महत्या की कोशिश की। आरोपी प्रदीप का पुत्र सुधांशु आठवीं का छात्र था। रात करीब नौ बजे वह घर से निकला था। देर रात तक नहीं लौटने पर परिजन ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली।

बृहस्पतिवार को चाचा मोहित ने कोतवाली में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई। उसी दिन शाम करीब सात बजे तालाब के पास खेल रहे बच्चों ने पानी में शव का उतराता देखा। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। शव की पहचान होने पर सुधांशु के परिजन में कोहराम मच गया।

जनरल स्टोर में लगी आग, दो बच्चों समेत तीन की जलकर मौत

मोतिहारी, 9 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के ढाका प्रखंड स्थित बड़हरवा फतेह मोहम्मद गांव में एक दो मंजिला होलसेल जनरल स्टोर में शुक्रवार की देर रात अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया और मकान में रखे सारे सामान जलने लगे। हादसे में दो मासूम बच्चों के अलावा दुकान के एक स्टाफ सहित तीन लोगों की आग में झुलसने से मौत हो गई।

रायबरेली के रेल कोच फैक्टरी पहुंचीं राज्यपाल

डिब्बों के निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता की ली जानकारी

रायबरेली, 9 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को रायबरेली स्थित आधुनिक रेल कोच फैक्टरी का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके जानकारी ली। इस दौरान सुरक्षा कारणों से किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को फैक्टरी के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्यपाल ने बैठक में विशेष रूप से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों सहित अन्य महत्वपूर्ण यात्री डिब्बों के निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता पर गहन जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उत्पादन प्रक्रियाओं, उपयोग की जा रही तकनीकों और भविष्य की योजनाओं के बारे में अधिकारियों से विस्तार से पूछताछ की। इस दौरे का उद्देश्य उच्च-गुणवत्ता वाले रेल कोचों के निर्माण में फैक्टरी की क्षमता का आकलन करना और उत्पादन को और बेहतर बनाने के सुझाव देना रहा। इसके साथ ही उन्होंने चिंतन शिविर में भी हिस्सा लिया। बैठक के बाद राज्यपाल के फैक्टरी के शेल शाप का भी निरीक्षण करने की योजना है। शेल शाप वह महत्वपूर्ण इकाई होती है, जहां ट्रेन के डिब्बों के बाहरी ढांचे का निर्माण किया जाता है। इस हिस्से का निरीक्षण यह समझने में मदद करेगा कि फैक्टरी किस प्रकार के उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करके डिब्बों के मुख्य ढांचे को तैयार कर रही है।

चंद्रनाथ हत्याकांड : यूपी से जुड़े तार

बदायूं पहुंची पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम, फिर संभल में दी दबिश

बदायूं, 9 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भाजपा के घोषित मुख्यमंत्री चेहरे और वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) की हत्या के मामले की जांच अब उत्तर प्रदेश तक पहुंच गई है। इसी सिलसिले में आरोपियों की तलाश करते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम शुक्रवार देर रात बदायूं पहुंची। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जांच के दौरान आरोपियों के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल संभल जिले के गुन्नौर क्षेत्र में मिलने के बाद बंगाल पुलिस वहां दबिश देने के लिए रवाना हुई थी।

बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम को तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर गुन्नौर पहुंचना था, लेकिन पुराने प्रशासनिक रिकॉर्ड और जानकारी के चलते टीम भ्रमवश बदायूं पहुंच गई। दरअसल, गुन्नौर क्षेत्र पहले बदायूं जिले का हिस्सा हुआ करता था। बाद में संभल जिला बनने के बाद यह क्षेत्र उसमें शामिल कर दिया गया। इसी कारण पुलिस टीम सीधे बदायूं पहुंच गई।

बदायूं एसएसपी से की मुलाकात

सूत्रों के अनुसार देर रात पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अंकिता शर्मा से मुलाकात की और पूरे मामले की जानकारी साझा की। टीम ने हत्या मामले से जुड़े कुछ तकनीकी इनपुट और कॉल डिटेल संबंधी जानकारी भी स्थानीय पुलिस अधिकारियों को दी। इसके बाद आवश्यक जानकारी लेने और मार्ग स्पष्ट होने पर टीम संभल जिले के लिए रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में हुए इस चर्चित हत्याकांड के बाद वहां की पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में कई राज्यों में दबिश दे रही है।

सलीम वास्तिक की तरह पहचान छिपाकर रह रहा था छात्र नेता हत्याकांड का शूटर रॉबिन

14 साल बाद हापुड़ से गिरफ्तारी

हापुड़, 9 मई (एजेंसियां)। गाजियाबाद और हापुड़ एक बार फिर अपराधियों के छिपने के सुरक्षित ठिकाने के रूप में चर्चा में हैं। हाल ही में 26 साल पुराने अपहरण और हत्या मामले में फरार आरोपी सलीम वास्तिक की गिरफ्तारी के बाद अब राजस्थान पुलिस ने धौलपुर छात्र नेता हत्याकांड के मुख्य आरोपी और कुख्यात शार्प शूटर रॉबिन सिंह को हापुड़ से गिरफ्तार किया है। वर्ष 2012 में हुए चर्चित छात्र नेता नरेश कुशवाहा हत्याकांड में वांछित रॉबिन सिंह पिछले 14 वर्षों से पुलिस को चकमा दे रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार राज्य और ठिकाने बदल रहा था। इतना ही नहीं, पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि वह अपनी पहचान मिटाने के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाने और नाम बदलने की तैयारी में था।

साइबर थाने में एफआईआर कराकर भूल जाइए!

बिहार के 99.8 फीसदी केस पेंडिंग, एनसीआरबी से खुली पोल

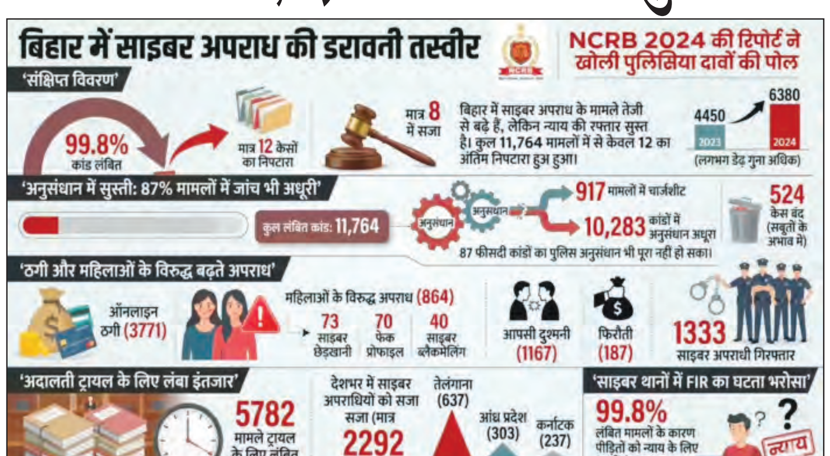

पटना, 9 मई (एजेंसियां)। बिहार में साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद हैं लेकिन पुलिसिया अनुसंधान और कानूनी कार्रवाई की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। एनसीआरबी की 2024 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में साइबर अपराध के मामलों में लगभग डेढ़ गुना इजाफा हुआ है। साल 2023 के 4450 मामलों के मुकाबले 2024 में 6380 नए कांड दर्ज हुए। चौंकाने वाली बात ये है कि लंबित पड़े 11,764 मामलों में से पुलिस महज 12 केसों का ही अंतिम रूप से निबटारा कर पाई है। इनमें से भी केवल 8 अपराधियों को ही सजा मिल सकी है, जो दिखता है कि साइबर ठगों के खिलाफ सिस्टम कितना बेबस है।

रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि बिहार पुलिस साइबर ठगी के मामलों की जांच करने में पिछड़ रही है। कुल उपलब्ध 11,764 मामलों में से 87 फीसदी कांडों का अनुसंधान तक पूरा नहीं हो सका है। पुलिस ने केवल 917 मामलों में चार्जशीट दाखिल की, जबकि 524 केस सबूतों के अभाव में बंद कर दिए गए। फिलहाल 10,283 कांड पुलिस फाइलों में ही दबे हुए हैं, जिससे अपराधियों में कानून का भय खत्म हो रहा है।

साइबर ठगी के बढ़ते अपराध

बिहार में साइबर अपराध के अलग-अलग पैटर्न देखने को मिले हैं।

दर्ज मामलों में सबसे ज्यादा 3771 केस ऑनलाइन धोखाधड़ी से संबंधित रहे।

महिलाओं के खिलाफ 864 साइबर अपराध दर्ज हुए, जिनमें ब्लैकमेलिंग (40), छेड़खानी (73) और फेक प्रोफाइल (70) अहम है।

आपसी दुश्मनी के 1167, फिरौती के 187 और यौन शोषण के 96 मामले भी सामने आए।

पुलिस ने इस साल कुल 1333 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया लेकिन सजा का दर नगण्य है।

अदालती ट्रायल के लिए लंबा इंतजार

बिहार में साइबर अपराध से जुड़े 5,782 मामले अदालती ट्रायल के लिए लंबित पड़े हैं। देशभर के आंकड़ों को देखें तो करीब 98 हजार मामले ट्रायल के इंतजार में हैं। 2024 में पुलिस ने केवल 917 नए मामलों को ट्रायल के लिए भेजा। जबकि 4,865 मामले साल 2023 से ही लंबित चले आ रहे थे। राष्ट्रीय स्तर पर भी साइबर केसों के निपटारे की दर केवल 9 प्रतिशत के आसपास रही है, जिसमें तेलंगाना (637 सजा) सबसे आगे रहा।

भारत की ऐतिहासिक छलांग

12 हजार किमी तक मार करने वाली आईसीबीएम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। डीआरडीओ ने ओडिशा तट से परमाणु-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का पहला परीक्षण किया। टीओआई के अनुसार, यह परीक्षण-लॉन्च अग्नि-6 मिसाइल जैसा नहीं दिखता है, लेकिन आज जिस मिसाइल का परीक्षण किया गया है वह आईसीबीएम श्रेणी की है। हालांकि, डीआरडीओ ने अभी तक आधिकारिक तौर पर मिसाइल परीक्षण की घोषणा नहीं की है। केवल चार देशों अमेरिका, रूस, चीन और उत्तर कोरिया के पास आईसीबीएम तकनीक है और उन्होंने 12,000 किमी से अधिक की रेंज वाले आईसीबीएम तैनात किए हैं।

फ्रांस और ब्रिटेन के पास ऑपरेशनल परमाणु-हथियार संपन्न पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (एसएलबीएम) तकनीक है। यदि भारत आईसीबीएम तकनीक हासिल कर लेता है, तो अमेरिका सहित दुनिया का कई देश मिसाइल की मारक क्षमता में आ जाएगा। यह लॉन्च डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत

के एक रक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान अग्नि-6 के बारे में दिए गए उस बयान के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जैसे ही सरकार अनुमति देती है, हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

सभी तकनीकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। पिछले बुधवार को, भाजपा ने भी एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अग्नि-6 के लॉन्च पर एक बड़ा संकेत दिया था, अग्नि-6: भारत एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर! 10,000 प्लस किमी की मारक क्षमता और एमआईआरवी तकनीक के साथ, अग्नि-6 इतिहास रचने के लिए तैयार है। यह मिसाइल भारत की सुरक्षा को अभेद्य बनाएगी और हमें दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों की लीग में स्थापित करेगी। शक्तिशाली भारत, सुरक्षित भारत! भाजपा ने एक वीडियो भी अपलोड किया था जिसमें बताया गया था कि अब तक केवल पांच देशों अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन के पास अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों की शक्ति है। अब, भारत भी इसी लीग में अपनी स्थिति मजबूत करने जा रहा है। लंबी दूरी की मारक क्षमता के साथ, भारत की पहुंच अब केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि और अधिक वैश्विक होने जा रही है।

परमाणु-सक्षम आईसीबीएम तकनीक होने का मतलब परमाणु हमले का जवाब देने की क्षमता है, जिससे दुनिया के किसी भी देश को पहले हमला करने से रोका जा सकता है। यह जटिल रॉकेट प्रोपल्शन, गाइडेंस सिस्टम और री-एंट्री तकनीक में महारत को भी प्रदर्शित करता है। टीओआई के अनुसार, भारत ने ग्लाइड हथियार प्रणाली तकनीक विकसित की है जो एक अनगाइडेड वॉरहेड को गाइडेड हथियार में बदल सकती है, जिससे भारत उन देशों के समूह में शामिल हो गया है जिनके पास उन्नत स्टैंड-ऑफ हथियार क्षमताएं हैं।

ससुराल में दामाद की जिंदा जलाकर हत्या

बेंगलुरु, 9 मई (एजेंसियां)। बेंगलुरु के उपनगर अनेकल में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद में एक युवक पर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया गया। इलाज के दौरान 19 दिनों के बाद उसकी मौत हो गई। मरने से पहले दिए गए बयान में युवक ने अपनी पत्नी, ससुर, सास और साले को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए ससुर और साले को गिरफ्तार कर लिया है। पत्नी और बच्चों को वापस घर ले जाने पहुंचे 25 वर्षीय युवक पर उसके ससुराल वालों ने कथित तौर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

गंभीर रूप से झुलसे युवक ने 19 दिनों तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद दम तोड़ दिया। मरने से पहले उसे मजिस्ट्रेट के सामने बयान दिया था कि इसके लिए उसने अपनी पत्नी, ससुर, सास और साला जिम्मेदार हैं। मृतक की पहचान अनेकल तालुक के चुडेनहल्ली निवासी वी. नवीन के रूप में हुई है। नवीन नारियल का व्यापार करता था।

नर्मदा का जलस्तर कम तालाब भी आधे खाली

इंदौर, 9 मई (एजेंसियां)। इंदौर में 15 जून के आस-पास मानसून सक्रिय होता है, लेकिन उससे पहले शहरवासियों को 30 कठिन दिनों का सामना करना पड़ सकता है। शहर के 60 प्रतिशत से अधिक बोरिंग्स में पानी का स्तर गिर चुका है और कई बोरिंग पूरी तरह सूख गई हैं। स्थानीय तालाबों का जलस्तर आधे से ज्यादा खाली हो गया है। शहर की मुख्य जल आपूर्ति नर्मदा नदी पर निर्भर है, लेकिन इसका जलस्तर समुद्र तल से 147 मीटर तक गिर चुका है। इंदौर में प्रतिदिन कुल 430 एमएलडी पानी की मांग है, लेकिन वर्तमान में केवल 320 एमएलडी पानी उपलब्ध हो पा रहा है।

नर्मदा और यशवंत सागर से मिल रही आपूर्ति 350 एमएलडी है। यशवंत सागर तालाब, जिसकी कुल क्षमता 19 फीट है, आधा खाली हो चुका है और यह तालाब शहर को प्रतिदिन 30 एमएलडी पानी उपलब्ध कराता है। गोमा की फेल, पंचम की फेल, लाला का बगीचा, चंदन नगर, अशर्फी नगर, धीरज नगर, कृष्णबाग कॉलोनी सहित कई गलियों में लोग दिनभर खाली बर्तन और केन में पानी भरने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

एलजी ने उमर सरकार को दिए बिल्डिंग बायलॉज बदलने के अधिकार

जेएमसी-एसएमसी कमिश्नर 2 साल के लिए प्रशासक नियुक्त

श्रीनगर, 9 मई (एजेंसियां)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की ओर से प्रदेश सरकार को जम्मू-कश्मीर एकीकृत भवन उपनियम 2021 सहित अन्य नगर निगम नियमावली में संशोधन का अधिकार प्रदान किया गया है। इसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करना और नगर निगमों के कार्यों को सुचारू रूप से चलाना है। इस संदर्भ में आवश्यक अधिसूचना जारी की गई है। इसके साथ ही जम्मू नगर निगम (जेएमसी) और श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) के आयुक्तों को अगले दो वर्षों के लिए प्रशासक नियुक्त किया गया है।

सरकार का कहना है कि यह कदम प्रशासनिक कठिनाइयों को दूर करने और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतर होगा। सरकार द्वारा जारी जम्मू-कश्मीर नगर निगम (कठिनाइयों का निवारण) आदेश, 2026 के अनुसार जम्मू-कश्मीर नगर निगम अधिनियम, 2000 की धारा 427 के तहत सरकार को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। इस धारा के अंतर्गत यदि अधिनियम को लागू करने में किसी प्रकार की प्रशासनिक या कानूनी कठिनाई सामने आती है तो सरकार आवश्यक संशोधन, परिवर्तन अथवा नए प्रावधान लागू कर सकती है।

अधिसूचना में बताया गया है कि धारा 395 और 397 के तहत नगर निगमों को जलापूर्ति, ड्रेनेज, सड़क निर्माण, भवन निर्माण, सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, बाजार, व्यापार और शहरी विकास से जुड़े बायलाज बनाने का अधिकार है। हालांकि, इन नियमों को लागू करने के लिए सरकार की मंजूरी और राजपत्र में प्रकाशन अनिवार्य होता है। वर्तमान समय में जम्मू और श्रीनगर नगर निगमों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है तथा कोई निर्वाचित निकाय मौजूद नहीं है। अधिसूचना में बताया गया है कि धारा 395 और 397 के तहत नगर निगमों को जलापूर्ति, ड्रेनेज, सड़क निर्माण, भवन निर्माण, सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, बाजार, व्यापार और शहरी विकास से जुड़े बायलाज बनाने का अधिकार है। हालांकि, इन नियमों को लागू करने के लिए सरकार की मंजूरी और राजपत्र में प्रकाशन अनिवार्य होता है। वर्तमान समय में जम्मू और श्रीनगर नगर निगमों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है तथा कोई निर्वाचित निकाय मौजूद नहीं है।

चंपावत दुष्कर्म षड्यंत्र: कमल, अर्चिता और कांग्रेस सचिव पर गंभीर धाराओं में एफआईआर

चंपावत, 9 मई (एजेंसियां)। नाबालिग संग सामूहिक दुष्कर्म षड्यंत्र के मामले में पुलिस ने मास्टर माइंड पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल रावत और उसकी महिला मित्र पर दुष्कर्म का षणयंत्र रचने, पास्को सहित अन्य धाराओं में तथा कांग्रेस के प्रदेश सचिव आनंद सिंह माहरा पर गोपनीयता भंग करने व इंटरनेट मीडिया पर लड़की की पहचान उजागर करने के मामले में प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है। साथ ही कमल और अर्चिता की कोर्ट में पेशी के बाद पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। सल्ली गांव में एक 16 वर्षीय 10वीं की छात्रा संग सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया था। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने विनोद रावत, नवीन रावत व पूरन रावत पर के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की थी। जांच में मामला फर्जी पाया गया। यह भी प्रकाश में आया कि शिकायतकर्ता संग कोतवाली में तहरीर लिखने गए पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल रावत ने रंजिशन यह षड्यंत्र रचा।

जबकि कोई दुष्कर्म जैसी घटना नहीं हुई थी। इस षड्यंत्र में शामिल होने के लिए नाबालिग छात्रा को उसके पिता का उपचार कराने का प्रलोभन दिया था। पुलिस को झूठी सूचना देने पर तथा सुबह घटना के समय कोतवाली में पहुंचकर नाबालिग का नाम इंटरनेट मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने के आरोपों में कांग्रेस के प्रदेश सचिव आनंद सिंह माहरा पर बीएनएस की धारा 127 (2) 217(6) 331 (4) 351 (2) 61 (2) और 22/23 पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी पंजीकृत किया है।

'व्हाट्सएप पर उर्दू कविता शेयर करना अपराध नहीं'

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने टीचर के खिलाफ एफआईआर की रद्द

जबलपुर, 9 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ ने एक स्कूल शिक्षक के खिलाफ दर्ज उस एफआईआर को रद्द कर दिया है, जिसमें उन पर व्हाट्सएप स्टेटस के जरिए धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने इस स्टेटस को महिला विरोधी करार दिया था, जिसमें शिक्षक बे-हया शीर्षक वाली उर्दू कविता पढ़ते हुए नजर आ रहे थे। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के चिचोली कस्बे के रहने वाले फैजान अंसारी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(2) के तहत शिक्षक के लिए अशोभनीय आचरण का आरोप लगाया गया था। हालांकि, उन्होंने अपनी पोस्ट में सीधे तौर पर किसी धर्म को निशाना बनाते हुए कोई टिप्पणी नहीं की थी।

एफआईआर को चुनौती देते हुए अंसारी ने कहा कि उन्होंने पिछले साल 22 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था और उसी शाम उन्हें चिचोली पुलिस स्टेशन बुला लिया गया। याचिकाकर्ता ने बताया कि उनका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया और कथित तौर पर उन्हें परेशान किया गया। अंसारी के वकील ने अदालत में कहा कि उनके मुवक्किल ने बिना किसी व्यक्तिगत टिप्पणी या उकसावे के यह कविता पढ़ी थी, जो कि एक प्रसिद्ध नज्म है। ऐसे में मैंस रीया का तत्व निकालने का कोई औचित्य नहीं बनता। उन्होंने तर्क दिया कि एफआईआर अस्पष्ट, व्यापक और व्यक्तिपरक आरोपों के आधार पर दर्ज की गई थी। वकील ने कहा कि हिंसा भड़काने या सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने वाली किसी भी ठोस सामग्री के अभाव में, यह आपराधिक मुकदमे का आधार नहीं बन सकता।

वहीं, सरकारी वकील ने कहा कि यह याचिका समय से पहले लाई गई है और इस स्तर पर सुनवाई योग्य नहीं है। वकील ने दलील दी कि पुलिस को अदालत के हस्तक्षेप के बिना, कानून के अनुसार अपनी जांच पूरी करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसी तरह के दो पिछले मामलों में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए, जस्टिस बीपी. शर्मा ने फैसला सुनाया कि नज्म को समग्र रूप से पढ़ने पर इसे एफआईआर में लगाए गए आरोपों के अनुसार आपत्तिजनक मानने की कोई गुंजाइश नहीं बचती है।

हाई कोर्ट ने बैंक को लगाई फटकार, 5 हजार के संदिग्ध लेनदेन पर खाता कर दिया बंद

चंडीगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने बैंक खातों को फ्रीज करने की मनमानी प्रवृत्ति पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि केवल संदिग्ध लेनदेन की छोटी राशि के आधार पर पूरे खाते को सील करना कानूनसम्मत नहीं है, खासकर तब जब खाताधारक किसी एफआईआर में नामजद न हो और मजिस्ट्रेट का वैधानिक आदेश भी मौजूद न हो। जस्टिस जगमोहन बंसल की पीठ ने त्रिपत जीत सिंह की याचिका स्वीकार करते हुए एचडीएफसी बैंक को उनका बैंक खाता एक सप्ताह के भीतर डी-फ्रीज करने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि उनका बैंक खाता बिना किसी पूर्व सूचना के फ्रीज कर दिया गया। बैंक ने यह कार्रवाई कथित तौर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के निर्देश पर की थी। उनके खाते में मात्र 5,000 रुपये की एक संदिग्ध एंट्री आई थी, लेकिन न तो उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज था और न ही किसी वित्तीय धोखाधड़ी में उनकी संलिप्तता का आरोप था। सबसे महत्वपूर्ण यह कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 107 के तहत किसी मजिस्ट्रेट का खाता अटैचमेंट आदेश भी नहीं था। सुनवाई में बैंक की ओर से भी स्वीकार किया गया कि बैंक ने केवल एजेंसियों के निर्देशों पर कार्रवाई की और उसके पास मजिस्ट्रेट का कोई आदेश नहीं है।

गुमनाम रहकर दर्ज करा सकते हैं ऑनलाइन उत्पीड़न की शिकायत

देहरादून, 9 मई (एजेंसियां)। डिजिटल दौर में ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कई बार पीड़ित अपनी पहचान उजागर होने के डर या शर्म से शिकायत दर्ज नहीं करा पाते। ऐसे लोगों के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर गुमनाम शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पोर्टल पर विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों से जुड़े साइबर अपराधों की शिकायत बिना पहचान बताए दर्ज की जा सकती है। इसके लिए, पीड़ित को सबसे पहले वेबसाइट पर जाकर वुमेन/चिल्ड्रन रिलेटेड क्राइम सेक्शन खोलना होगा। इसके बाद रजिस्टर एनोनिमसली विकल्प चुनकर शिकायत प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

जल्द दिखेगी चीतों की रफ्तार, केन्या से लाए जाएंगे 4 चीते

अहमदाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वाले जंगली जानवर चीते को गुजरात लाने का लंबा इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने इनमें से चार शानदार वन्यजीवों को कच्छ के बन्नी में स्थानांतरित करने को हरी झंडी दे दी है। अधिकारियों का कहना है कि केंद्र सरकार के अंतिम फैसले के बाद दो नर और दो मादा चीते केन्या से लाया जाएगा। जो जुलाई या अगस्त में यहां पहुंच जाएंगे। इस कदम को एक ऐतिहासिक वन्यजीव घटना के रूप में देखा जा रहा है, जिससे मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क के बाद गुजरात चीतों का दूसरा घर बन जाएगा।

पहली खेप के आने के एक साल के भीतर कुल 12 चीतों को बन्नी लाने की योजना है, जो एक महत्वाकांक्षी रीवाइल्डिंग अभियान का मंच तैयार करेगा। राज्य का वन विभाग इनके पुनर्वास और संरक्षण के प्रयासों पर जमीन पर उतरकर काम शुरू करने की उम्मीद कर रहा है, और अपने इन विदेशी मेहमानों को सवाना जैसा वातावरण

देने के लिए युद्ध स्तर पर क्षेत्र तैयार कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार गुजरात में उनके आगमन की तारीख तय करेगी। हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा। गुजरात के चीतों को केन्या से लाया जाएगा, जो मध्य प्रदेश के नामीबियाई चीतों से अलग एक नई आनुवंशिक और पारिस्थितिक वंशावली लाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चीते पहले भुज पहुंचेंगे। फिर उन्हें बन्नी सुविधा केंद्र में ले जाया जाएगा, जो भारत का पहला चीता संरक्षण प्रजनन केंद्र है। यहां, उन्हें विशेष रूप से बनाए गए बाड़े में छोड़े जाने से पहले लगभग एक महीने तक क्वारंटाइन में रखा जाएगा। कुल 500 हेक्टेयर का मुख्य बाड़ा एक समृद्ध केन्याई सवाना जैसे खुले प्राकृतिक आवास के रूप में डिजाइन किया गया है ताकि चीतों के अनुकूलन और प्रजनन दोनों में मदद मिल सके। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दूसरी ओर नामीबियाई चीते निजी खेतों और सूखे विरल क्षेत्रों में घूमते हैं। बन्नी सबसे अच्छा आवास विकल्प है।

चीतों के इस इलाके में पर्याप्त जगह है, जो तेज रफ्तार और आवाजाही के लिए बनी इस प्रजाति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस उच्च जोखिम वाले संरक्षण प्रयोग में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय के रूप में, चीतों को भागने से रोकने और अन्य बड़े मांसाहारी जानवरों को अंदर आने तथा संभावित मुठभेड़ों को टालने के लिए लगभग 9,830 मीटर की सीमा पर एक मजबूत चेन-लिंक फेंसिंग लगाई गई है।

17 साल की सेवा नहीं जोड़ने पर हाई कोर्ट सख्त, पीएसपीसीएल को लगाई फटकार; विधवा को देना होगा पूरा लाभ

चंडीगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने ने पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को बड़ा झटका देते हुए साफ कहा है कि किसी कर्मचारी की लंबी वर्कचार्ज सेवा को नजरअंदाज कर पेंशन से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि विभाग नियमितीकरण के समय ऐसी सेवा को मान्यता देता है तो पेंशन तय करते समय उसे बाहर नहीं किया जा सकता। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने सोमा देवी की याचिका स्वीकार करते हुए पीएसपीसीएल के 25 अक्टूबर 2016 और 11 सितंबर 2017 के उन आदेशों को रद्द कर दिया, जिनके जरिए उनके दिवंगत पति पूर्ण सिंह को 10 वर्ष की योग्यता सेवा पूरी न होने का हवाला देकर पेंशन और रिटायरल लाभों से वंचित किया गया था। अदालत ने आदेश दिया कि पूर्ण सिंह की नियुक्ति तिथि 25 मई 1987 मानी जाए और उनकी पूरी वर्कचार्ज सेवा को पेंशन योग्य सेवा में शामिल किया जाए।

इसी आधार पर उन्हें 1 जनवरी 2004 से पहले नियुक्त कर्मचारी मानते हुए पुरानी पेंशन योजना (एनपीएस) तहत सभी लाभ दिए जाएं। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को दो महीने में संशोधित आदेश जारी करने और तीन महीने में विधवा को पेंशन, अन्य रिटायरल लाभ तथा याचिका दायर करने की तारीख से भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित राशि देने के निर्देश दिए। मामले के अनुसार पूर्ण सिंह को 22 मई 1987 को वर्कचार्ज आधार पर नियुक्त किया गया था। लगभग 17 वर्ष 4 माह सेवा देने के बाद 30 सितंबर 2004 को उन्हें असिस्टेंट लाइनमैन के रूप में नियमित किया गया। बाद में उन्होंने 9 अक्टूबर 2010 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। पीएसपीसीएल ने यह कहते हुए पेंशन देने से इनकार कर दिया कि नियमित सेवा केवल 6 वर्ष 10 माह रही और 1 जनवरी 2004 के बाद नियमित होने के कारण वे नई पेंशन योजना (एनपीएस) के दायरे में आते हैं।

बेअदबी कानून वापस नहीं लेंगे: संगरूर में सीएम मान की दो टूक, कहा-भाजपा के मानहानि नोटिस की कोई परवाह नहीं

चंडीगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने साफ कर दिया है कि बेअदबी कानून किसी भी कीमत पर वापस नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को बेअदबी कानून परवान है लेकिन बादल परिवार को नहीं है। संगरूर में पत्रकारवार्ता के दौरान सीएम मान ने कहा कि शपथ से पहले बंगाल जलने लगा है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा बम धमाके, ईडी रेड से चुनाव की तैयारी करती है। भाजपा के मानहानि के नोटिसों की हमें कोई परवाह नहीं है। मान ने कहा कि मोदी सरकार पंजाब के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने मोदी सरकार को चेतावनी दी कि ऐसे हथकंडे बंद करें वरना पंजाबी कड़ा जवाब देंगे। सीएम ने कहा कि नफरत की पैदावार पंजाब में नहीं हो सकती।

यहां आपसी भाईचारा मजबूत है, भाजपा के मंसूबे सफल नहीं होंगे। मान ने चेतावनी देते हुए कहा कि पंजाब के भाईचारे को तोड़ने के भाजपा के मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे और पंजाब के साथ किए जा रहे अन्याय का पंजाबी कड़ा जवाब देंगे।

जेब में नकदी कम, मोबाइल फोन बना बटुआ डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने कम की नकदी पर निर्भरता

शिमला, 9 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश का आर्थिक व्यवहार तेजी से बदल रहा है। कभी जेब में छुट्टे पैसे और छोटे नोट रखना रोजमर्रा की जरूरत माना जाता था, लेकिन अब मोबाइल फोन ही नया बटुआ बनता जा रहा है। डिजिटल भुगतान व्यवस्था के तेजी से बढ़ते दायरे ने नकदी पर निर्भरता कम कर दी है। यही वजह है कि प्रदेश में एटीएम से नकदी निकालने का औसत लगातार घट रहा है। एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट और नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के अनुसार हिमाचल प्रदेश में यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली ने लोगों की आदतों को तेजी से बदला है।

छोटे-छोटे भुगतान अब सीधे मोबाइल से हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश में प्रति एटीएम मासिक औसत नकदी वितरण वित्त वर्ष 2023 में 1.21 करोड़ रुपये था। यह वित्त वर्ष 2024 में घटकर 1.12 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2026 के शुरुआती महीनों में करीब 1.03 करोड़ रुपये रह गया। बैंकिंग सेक्टर के अधिकारी इसे सिर्फ बैंकिंग आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलती आर्थिक संस्कृति का संकेत मान रहे हैं।

एसबीआई रिसर्च की ताजा इकोरैप रिपोर्ट के मुताबिक हिमाचल प्रदेश में मार्च 2026 तक 100 रुपये के नोटों के चलन में बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 200 रुपये के नोटों की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। मार्च 2025 के मुकाबले में मार्च 2026 में प्रदेश में 100 रुपये के नोट की मांग में 0.3 फीसदी का इजाफा हुआ है। हालांकि प्रदेश में 500 के नोटों के मूल्य में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

200 रुपये की हिस्सेदारी में 0.4 फीसदी की कमी आई है। देशभर के आंकड़ों की तुलना करें तो मध्य प्रदेश में 500 के नोटों के मूल्य में सबसे ज्यादा 8.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हिमाचल की स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है, जहां जनता अभी भी 500 के नोट पर ज्यादा निर्भर है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के प्रभारी दीपक कुमार का कहना है कि हिमाचल में भुगतान की यह नई संस्कृति आने वाले वर्षों में और मजबूत होगी।

दो बच्चों के साथ नहर में कूदी महिला, बचाने के लिए पति भी कूदा, चारों की मौत

खेड़ा, 9 मई (एजेंसियां)। गुजरात के खेड़ा में एक परिवार के सभी चार लोगों की नहर में डुबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कपड़वंज के फतेयाबाद के पास से गुजरने वाली नर्मदा नहर में विवाहिता ने अपनी दो बेटियों के साथ मौत की छलांग लगाई। विवाहिता का पति तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा और उन्हें बचाने के लिए वह भी नहर में कूद पड़ा। हालांकि, वह सफल नहीं हुआ। पति, पत्नी और दोनों बेटियां नहर के गहरे पानी में डूब गए। सूचना मिलते ही कपड़वंज फायर ब्रिगेड और आतरसुंबा पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई।

अब तक दोनों बेटियों और मां के शव बाहर निकाल लिए गए हैं। पिता की तलाश अभी भी जारी है, फिलहाल उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। मौके पर मौजूद चश्मदीद धर्मेंद्र चौहान ने कहा कि यहां जो महिला गिरी थी, वह अलरेडी वावाना मुवाडा की रहने वाली थी। वह अपने दो बेटियों के साथ नहर में गिर गई थी। सुम्बा पुलिस यहां आई और उन्होंने उसकी दो बेटियों और महिला के शवों को बाहर निकाला। कुल तीन लोगों के शव बाहर निकाले गए हैं।

'बंगाल में बीजेपी की जीत का श्रेय'

शुभेंदु अधिकारी की शपथ से पहले सुनेत्रा पवार का बयान

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने पर महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम और अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने भारतीय जनता पार्टी को बधाई दी है। उन्होंने इस जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रेय देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में एनडीए आगे बढ़ रहा है। जिसे लेकर हम सभी बहुत खुश हैं और बंगाल में बीजेपी की जीत की खुशियां मना रहे हैं।

सुनेत्रा पवार ने बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने पर बधाई देते हुए कहा कि ये पहली बार है जब पश्चिम बंगाल में एनडीए की सरकार बन रही है, ये बहुत खुशी की बात है, बीजेपी की बड़े मताधिकार के साथ ये सरकार बनी है। हम भी इस त्योहार को मना रहे हैं।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हम सब बहुत खुश हैं और खुशियां मना रहे हैं। बड़ी बात ये है कि बीजेपी राज्य में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बना रही है, जिससे पार्टी के नेता बेहद उत्साहित है। बीजेपी विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में सभी विधायकों ने एकमत से शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुन लिया है। जिसके बाद आज वो मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन समेत सभी बीजेपी और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेताओं को न्योता दिया गया है।

बता दें कि पश्चिम बंगाल 294 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी को 207 सीटों पर जीत मिली है। जबकि तृणमूल कांग्रेस को 80 और कांग्रेस के खाते में 2 सीटें आई हैं। इस चुनाव में बीजेपी और टीएमसी के बीच मुख्य मुकाबला था, जिसमें भाजपा ने सत्ताधारी दल को बुरी तरह शिकस्त दी है।

भारत का गुप्त मिसाइल परीक्षण

चीन और पाकिस्तान की बढ़ी बेचैनी

बीजिंग/इस्लामाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। डीआरडीओ ने शुक्रवार शाम ओडिशा के तट से एक परमाणु-सक्षम इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का पहला परीक्षण किया है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने एक रक्षा सूत्र के हवाले से बताया है हालांकि यह परीक्षण-लॉन्च अग्नि-6 मिसाइल जैसा नहीं लगता लेकिन आज जिस मिसाइल का परीक्षण किया गया है वह आईसीबीएम श्रेणी की है। डीआरडीओ ने अभी तक इस मिसाइल परीक्षण की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। कुछ दिन पहले ही टीओआई ने बताया था कि डीआरडीओ आईसीबीएम क्लास की एक मिसाइल का परीक्षण करने जा रहा है। फिलहाल ये कौन सी मिसाइल है इसको लेकर रहस्य बना हुआ है लेकिन चर्चा की जा रही है कि ये अग्नि-6 मिसाइल है।

पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा चलाने वाली मलेशियाई डिफेंस वेबसाइट 'डिफेंस सिक्योरिटी एशिया' ने इस टेस्ट को लेकर कहा है कि इसने पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक समीकरणों को तेजी से बदल दिया है क्योंकि यह परीक्षण

चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते परमाणु आधुनिकीकरण की होड़ और उभरती हाइपरसोनिक स्ट्राइक क्षमताओं के बीच हुआ था। खासकर पाकिस्तान का डर इस बात को लेकर है कि दुनिया में सिर्फ चार देशों अमेरिका, रूस, चीन और उत्तर कोरिया के पास ही आईसीबीएम टेक्नोलॉजी है और इन देशों ने 12,000 किलोमीटर से ज्यादा रेंज वाली आईसीबीएम मिसाइलें तैनात की हुई हैं। भारत अगर इस क्षमता में महारत हासिल कर लेता है तो उसके पास अमेरिका तक में हमला करने की क्षमता हासिल हो जाएगी और पाकिस्तान के पास ये टेक्नोलॉजी नहीं है।

यहां आपके लिए ये जानना है कि ईरान ने जिन बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है भारत के पास उससे कई गुणा ज्यादा क्षमता वाली मिसाइलें हैं। भारत की बैलिस्टिक मिसाइलों की दुनिया के किसी भी देश के लिए इंटरसेप्ट करना लगभग असंभव है। इसीलिए ईरान के एक साथ दर्जनों मिसाइलें लांच करने की जरूरत होती है लेकिन भारत को सिर्फ एक ही मिसाइल लांच करना है जो अपने टारगेट को 100 फीसदी हिट करेगा। भारत ने इस टेस्ट के लिए 3500 किलोमीटर का नोटम जारी किया था जिसका मतलब है ये मिसाइल एक रणनीतिक मिसाइल हो सकती है। कई ओपन-सोर्स एनालिस्ट्स ने इस घटना को अग्नि-5 के संभावित डेवलपमेंट या फिर अग्नि-6 टेक्नोलॉजी के शुरुआती प्रदर्शन से जोड़कर देखा है।

बांग्लादेश में कई लोगों ने अपने मोबाइल पर आकाश में मिसाइल को रिकॉर्ड किया है। उन वीडियोज को देखने पर पता चलता है कि इसकी स्पीड हाइपरसोनिक री-एंट्री प्रोफाइल या मैक 5 से ज्यादा हो सकती है। इसके अलावा मिसाइल को पैंतरेबाजी करते हुए देखा गया जिसका मतलब मिसाइल की क्षमता को दिखाता है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स का ये भी मानना है कि ऐसी मिसाइलें काफी ज्यादा तबाही मचाती हैं और काफी ज्यादा महंगी भी होती हैं जिसका मतलब है कि भारत की मिसाइल डॉक्ट्रिन उच्च दबाव वाले युद्ध के दौरान सटीक हमला करने से प्रेरित है। पाकिस्तान के खिलाफ आईसीबीएम मिसाइलों की जरूरत नहीं है लेकिन इस मिसाइल के टेस्ट का मतलब है कि मकसद चीन के रणनीतिक लक्ष्य हो सकते हैं।

कार के कुचलने से 3 दोस्तों की मौत

बालोद, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद में तेज रफ्तार कार (CG 04 QB 5621) और बाइक की आमने-सामने टक्कर में 3 दोस्तों की मौत हो गई है। हादसे में एक का पैर कटकर अलग हो गया, दूसरे का हाथ कटा और तीसरे का पैर टूट गया है। बाइक सवार तीनों युवक के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। कार और बाइक के भी परखच्चे उड़ गए।

मृतकों की पहचान सिरसिदा निवासी तरुण यादव (20), राहुल सेवता (20) और नरेंद्र भुआर्य (21) निवासी मुड़खुसरा के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के खैरीडीह गांव की है।

शुक्रवार रात करीब 10 बजे सिरसिदा निवासी तरुण यादव अपने दोस्त राहुल और नरेंद्र भुआर्य के साथ बाइक से डौंडीलोहारा जा रहे थे। इसी दौरान राजनांदगांव की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें सामने से जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में तरुण का हाथ शरीर से अलग हो गया।

बांग्लादेश संग संबंधों का नया अध्याय खोलेंगे शुभेंदु अधिकारी

शेख हसीना की पार्टी ने पश्चिम बंगाल के नये सीएम को दी बधाई

ढाका/कोलकाता, 9 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी ने पश्चिम बंगाल के नये मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को शपथ ग्रहण के बाद बधाई दी है। अवामी लीग ने एक ट्वीट में कहा बांग्लादेश अवामी लीग ने शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। बांग्लादेश अवामी लीग ने भारत में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में निर्णायक जीत हासिल करने और मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने पर जननेता सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

बांग्लादेश अवामी लीग की केंद्रीय कार्यसमिति की ओर से जारी एक संदेश में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल की जनता का जनादेश शुभेंदु अधिकारी के सशक्त नेतृत्व की एक अनूठी पहचान है। बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के बीच साझा इतिहास, भाषा और सांस्कृतिक संबंधों को देखते हुए

पार्टी ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि यह नया अध्याय इन संबंधों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

शेख हसीना की पार्टी ने शुभेंदु अधिकारी को दी बधाई

अवामी लीग के बयान में आगे कहा गया पड़ोसी देशों के रूप में बांग्लादेश और भारत के बीच सच्ची मित्रता और सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। पश्चिम बंगाल की नव-निर्वाचित सरकार के कार्यकाल के दौरान इस द्विपक्षीय संबंध और आपसी विकास की गति के और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है। बांग्लादेश अवामी लीग ने शुभेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के लिए सफलता और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की साथ ही पश्चिम बंगाल की शांति और समृद्धि की भी कामना की।

आपको बता दें कि राज्यपाल आर.एन. रवि की तरफ से आयोजित शपथ ग्रहण समारोह कोलकाता के मशहूर ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 11 बजे शुरू हुआ। यह परेड ग्राउंड लंबे समय से बड़ी-बड़ी रैलियों के जरिए बंगाल के राजनीतिक मंच को परिभाषित करता रहा है।

हंता वायरस के खौफ में दुनिया

कैसे शुरू हुआ और दुनिया के किन देशों में अब तक पहुंचा

वॉशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। कोविड महामारी के बाद एक बार दुनिया में एक नए वायरस का डर फैल रहा है। इस वायरस का नाम है- हंता वायरस। वायरस का मौजूदा प्रकोप दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ा रहा है। हाल ही में सामने आए कुछ मामलों ने इस वायरस को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इसमें अटलांटिक की यात्रा पर निकले क्रूज शिप में हुआ संक्रमण भी शामिल है। हंटावायरस का प्रलयकारी रूप उन बीमारियों से अलग है, जिसकी हमें आदत है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की महामारी और वैश्विक महामारी प्रबंधन की निदेशक डॉ. मारिया वान केरकोव ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ किया कि यह न तो कोविड है और न ही इन्फ्लूएंजा। यह बिल्कुल अलग तरीके से फैलता है। इस समय अटलांटिक में मौजूद डच झंडे वाला क्रूज शिप एमवी होंडियस दुनिया भर में चर्चा में बना हुआ है। क्रूज पर वायरस के फैलने से तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग संक्रमित हो गए। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने जोर देकर कहा है कि इसका जोखिम कम ही रहेगा, क्योंकि हंटावायरस एक व्यक्ति से दूसरे में आसानी से नहीं फैलता है।

कई देशों के लगभग 150 पर्यटकों को लेकर अर्जेंटीना से रवाना हुए जहाज पर पहला मामला 2 मई को सामने आया, जब जहाज पर सवार रहे एक व्यक्ति की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई। संक्रमण का पहला शिकार एक 70 वर्षीय डच नागरिक थे, जो 1 अप्रैल को यात्रा शुरू होने के कुछ समय बाद ही बीमार पड़ गए थे। उन्होंने बुखार, सिरदर्द और दस्त की शिकायत की थी। उनकी जहाज पर ही मौत हो गई थी। यह जहाज अंटार्कटिका और सुदूर दक्षिण अटलांटिक द्वीपों से होकर गुजरा। 24 अप्रैल को सेंट हेलेना में उनका शव निकाला गया, जहां उनकी पत्नी समेत 29 यात्री उतरे। बाद में उतनी पत्नी की दक्षिण अफ्रीका में मौत हो गई।

रायपुर-दुर्ग में तेज बारिश, अंधेरा छाया

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। यूपी से ओडिशा तक बनी ट्रफ लाइन के असर से छत्तीसगढ़ में मौसम बदला हुआ है। शनिवार शाम राजधानी रायपुर और दुर्ग जिले के भिलाई में तेज बारिश हुई। इस दौरान कई इलाकों में अंधेरा भी छाया रहा। मौसम विभाग ने गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की है। प्रदेश में अगले 2 दिनों तक कुछ जगहों पर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। हालांकि 11 मई के बाद आंधी-तूफान की गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने के संकेत हैं। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार को प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव दर्ज नहीं किया गया।

किम जोंग उन की हत्या हुई तो उत्तर कोरिया तुरंत करेगा परमाणु हमला

संविधान में प्रावधान, ईरान जैसे हमले का डर

प्योंगयांग, 9 मई (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या से उत्तर कोरिया कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन सहमे हुए हैं। इस खतरे से निपटने के लिए अब उत्तर कोरिया के संविधान में प्रावधान किया गया है कि अगर किम जोंग उन की हत्या हुई तो तुरंत स्वचालित तरीके से जवाब में परमाणु हमला कर दिया जाएगा। उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों और अमेरिका तक हमला करने वाली मिसाइलों से लैस है। इसी वजह से उत्तर कोरिया के ऐलान से पड़ोसी देश डरे हुए हैं। उत्तर कोरिया के संविधान में 22 मार्च को यह बदलाव किया गया था लेकिन गुरुवार को पहली बार इसका ऐलान किया गया है। माना जा रहा है कि किम जोंग डर है कि अमेरिका ऐसे ही हमले में उनकी हत्या कर सकता है, इसीलिए उन्होंने परमाणु बम का कार्ड खेला है।

उत्तर कोरिया के संविधान के परमाणु नीति के आर्टिकल 3 में कहा गया है, 'दुश्मन सेना के

हमले से अगर देश के परमाणु बलों के कमांड एंड कंट्रोल पर खतरा आता है तो परमाणु हमले को स्वचालित और तत्काल अंजाम दे दिया जाएगा।' उत्तर कोरिया के इस ऐलान के बाद अब किम जोंग उन और उनके करीबी लोगों की हत्या करना अब आसान नहीं होगा। इससे पहले अमेरिका और इजरायल ने भीषण हमले करके ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई को उनके घर में ही मार दिया था। सन की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया की सीमाएं बंद हैं और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। बहुत ही कम लोगों को उत्तर कोरिया में प्रवेश की अनुमति मिलती है। ऐसे में उत्तर कोरिया के अंदर से खुफिया सूचना को एकत्र करना बहुत ही कठिन है। उत्तर कोरिया ने यह संवैधानिक प्रावधान ऐसे समय पर किया है जब उसने हाल ही में अपनी दक्षिणी सीमा पर एक नए तरह की घातक तोप को तैनात किया है। इस कदम से दक्षिण कोरिया की राजधानी अब उत्तर कोरिया के सीधे फायरिंग रेंज में आ गई है।

किम जोंग उन लगातार ऐसे कदम उठा रहे हैं जिससे दक्षिण कोरिया को डराया जा सके। किम जोंग उन ने शुक्रवार को इस नए हथियार के उत्पादन को देखा। इसकी रेंज करीब 60 किमी तक बताई जा रही है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि यह एक 155 एमएम की स्वचालित तोप है। किम ने इस तोप को लेकर कहा, 'यह जमीनी अभियान में हमारी सेना को काफी बदलाव और बढ़त देगा।' दक्षिण कोरिया कई बार शांति की बात कर चुका है लेकिन उत्तर कोरिया उसे अभी भी उसे अपना मुख्य दुश्मन मानता है।

हाल ही में उत्तर कोरिया ने अपने संविधान से दक्षिण कोरिया के एकीकरण शब्द का हटाया है। किम जोंग उन ने उत्तर कोरिया को 1940 के दशक के बाद पहली बार एक अलग देश के रूप में पेश किया है।

ताजा अनुमान के मुताबिक उत्तर कोरिया के पास कम से कम 50 परमाणु बम है। उत्तर कोरिया के पास इतना रेडियो धर्मी पदार्थ है जिससे वह 70 से 90 परमाणु बम आसानी से बना सकता है।

सियार ने तीन माह के मासूम को मार डाला

देर रात सियार ने घर में घुस किया हमला, तीन साल की बच्ची जख्मी, ग्रामीणों में दहशत

पाकुड़, 9 मई (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के लखीनारायणपुर गांव में एक सियार ने तीन माह के बच्ची को मार डाला। यह घटना शनिवार सुबह मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तारानगर पंचायत में हुई। सियार के इस हमले में एक तीन वर्षीय बच्ची भी घायल हो गई, जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल है। रामचंद्रपुर निवासी मुसफेरा बीबी (पति समरुल शेख) अपने बच्चों के साथ मायके लखीनारायणपुर आई हुई थीं। शुक्रवार को बच्ची सो रही थी, तभी एक सियार घर में घुस आया। उसने तीन माह के मासूम बच्चे को उठाकर अपना शिकार बना लिया। जानवर ने बच्ची को बुरी तरह नोच डाला, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद सियार ने घर में मौजूद दूसरी बच्ची को भी निशाना बनाने की कोशिश की। करीब तीन वर्षीय बच्ची की चीख-पुकार सुनकर परिजन जाग गए। उनके शोर मचाने पर सियार वहां से भाग निकला, जिससे दूसरे बच्चे की जान बच गई। घायल बच्ची को तत्काल पाकुड़ सदर अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई है। इस घटना के बाद गांव में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण रात होते ही अपने बच्चों को लेकर सहमे हुए हैं।

ग्रामीणों को आशंका है कि जंगली जानवर दोबारा गांव में प्रवेश कर किसी अन्य बच्चे को निशाना बना सकता है। उन्होंने वन विभाग और प्रशासन से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने तथा जंगली

जानवर को पकड़ने की मांग की है।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि गांव के निकट एक कब्रिस्तान के पास लगभग 300 से 400 सियार मौजूद हैं और रात्रि में यह सभी गांव में घूमते रहते हैं। कुछ माह पूर्व एक बकरी को भी सियार ने अपना शिकार बना लिया था। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिजनों से पूछताछ की। परिजनों ने मृत बच्चे के अवशेष पुलिस को दिखाए।

पुतिन ने विक्ट्री डे परेड में दिखाए तेवर, नाटो पर बरसे

यूक्रेन युद्ध को बताया 'जायज'

मॉस्को, 9 मई (एजेंसियां)। रूस ने शनिवार को अपना सालाना विक्ट्री डे (विजय दिवस) मनाया है। इस दौरान मॉस्को के मशहूर रेड स्क्वायर पर भव्य सैन्य परेड हुई, जिसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल हुए। पुतिन ने रेड स्क्वायर पर विक्ट्री डे भाषण में यूक्रेन में अपने युद्ध को सही ठहराया और नाटो को जमकर निशाने पर लिया। पुतिन ने यूक्रेन के रवैये पर सवाल खड़े किए, जिसके खिलाफ वह फरवरी, 2022 से युद्ध लड़ रहे हैं।

रूसी सैन्य कर्मियों के सामने बोलते हुए पुतिन ने कहा कि वह यूक्रेन के खिलाफ 'न्यायसंगत' युद्ध लड़ रहे हैं, जो एक आक्रामक ताकत है। यूक्रेन को नाटो से लगातार हथियार और समर्थन मिल रहा है। पुतिन की ये टिप्पणी रूस के सबसे बड़े समारोहों में से एक में आई है। यह विक्ट्री डे नाजी जर्मनी पर

सोवियत संघ की जीत की याद दिलाता है। रूसी यूक्रेन में एक न्यायसंगत युद्ध लड़ रहे हैं, जो एक आक्रामक ताकत है।

यूक्रेन को नाटो के पूरे गुट से लगातार हथियार और समर्थन दिया जा रहा है।

इस युद्ध में हमें सोवियत संघ के लिए नाजी जर्मनी से लड़ने वालों को याद करना चाहिए। यह हमारे सैनिकों को प्रेरित करता है।

रूस इस विक्ट्री डे से ठीक पहले यूक्रेन के साथ तीन दिन के संघर्ष विराम पर सहमत हुआ है। इस सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को की है। इस विक्ट्री डे में रूस ने बहुत कम हथियारों को प्रदर्शित किया है।

कई साल में पहली बार मॉस्को के विक्ट्री डे परेड में बख्तरबंद वाहन या बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल नहीं की गईं।

पुतिन ने अपने भाषण की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के दौरान सोवियत संघ के सैनिकों के बलिदानों को याद करके की। इसके बाद यूक्रेन में चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जीतने वाली पीढ़ी का महान कारनामा आज विशेष सैन्य अभियान के लक्ष्यों को पूरा कर रहे सैनिकों को प्रेरित करता है।

व्लादिमीर पुतिन ने अपने भाषण में कहा कि हम नाटो के पूरे गुट की ओर से सशस्त्र और समर्थित एक आक्रामक बल का सामना कर रहे हैं। इसके बावजूद हमारे नायक आगे बढ़ते हैं। इसका श्रेय देश के लोगों और सैनिकों को जाता है। उन्होंने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सैन्य रणनीति कैसे बदलती है, देश का भविष्य लोग बनाते हैं।

पुतिन के भाषण के तुरंत बाद सैन्य ब्रास बैंड ने संगीत बजाया और तोपों से लगातार गोले दागे गए। इस दौरान पुतिन के पीछे बेलारूसी नेता अलेक्जेंडर लुकाशेंको रहे।

इस कार्यक्रम में लाओस के राष्ट्रपति थोंग्लौन सिसोउलिथ और मलेशिया के राजा, सुल्तान इब्राहिम भी उपस्थित थे। पिछले साल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस परेड में शामिल हुए थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में 9 मई से 11 मई तक तीन दिनों के सीजफायर का ऐलान किया है।

अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पथराव, दो जवान घायल

बोकारो, 9 मई (एजेंसियां)। बोकारो में हवाई अड्डा विस्तार के लिए चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान शनिवार को तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। सेक्टर 12ए काली मंदिर के आगे कार्रवाई करने पहुंची बीएसएल सिक्योरिटी विभाग की टीम पर कब्जाधारियों ने अचानक पथराव कर दिया।

इस घटना में सुरक्षा जवान बबलू कुमार और अकरम अंसारी घायल हो गए, जिन्हें तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, बोकारो हवाई अड्डे के विस्तार और बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए पिछले कई दिनों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी है।

प्रशासन और बीएसएल सुरक्षा विभाग लगातार अवैध कब्जों को हटा रहे हैं ताकि एयरपोर्ट विस्तार कार्य में कोई बाधा न आए।

अमेरिका ने यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी कीं

चांद पर रहस्यमयी वस्तुएं दिखने का दावा, अंतरिक्ष यात्री बोले- बाहर आतिशबाजी जैसा नजारा

वॉशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में शुक्रवार को लंबे समय से चर्चा में रही यूएफओ फाइलों की पहली खेप जारी कर दी गई। ट्रम्प प्रशासन ने सैकड़ों नए वीडियो, फोटो और पुराने सरकारी रिकॉर्ड सार्वजनिक किए। इन फाइलों में सबसे ज्यादा चर्चा नासा के अपोलो मिशन से जुड़ी तस्वीरों और अंतरिक्ष यात्रियों की बातचीत को लेकर हो रही है।

जारी दस्तावेजों में नासा के अपोलो 12 और अपोलो 17 मिशन से जुड़ी तस्वीरें और बातचीत के रिकॉर्ड भी शामिल हैं। एक तस्वीर में चांद की सतह के ऊपर आसमान में तीन रहस्यमयी बिंदु दिखाई देने का दावा किया गया है।

सबसे दिलचस्प हिस्सा अपोलो 17 मिशन का ट्रांसक्रिप्ट माना जा रहा है। इसमें अंतरिक्ष यात्री उड़ान के दौरान अंतरिक्ष यान के पास चमकती चीजें दिखने की बात करते सुनाई दे रहे हैं।

एक ऑपरेटर ने मिशन कंट्रोल से कहा, "कुछ चमकते कण या टुकड़े हमारे पास से गुजरते दिख रहे हैं।" इसके जवाब में दूसरे ऑपरेटर ने कहा, "मेरी खिड़की के बाहर कई चमकती चीजें दिख रही हैं। ऐसा लग रहा है जैसे आतिशबाजी हो रही हो।"

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कुछ महीने पहले रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को यूएफओ और कथित एलियन गतिविधियों से जुड़े रिकॉर्ड जारी करने का आदेश दिया था।

फाइलें जारी होने के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने सरकार की एजेंसियों को एलियन लाइफ, यूएफओ और यूएपी से जुड़ी जानकारी जनता के सामने रखने को कहा था। इन फाइलों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूएफओ और एलियन जीवन को लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि अमेरिकी सरकार पहले भी साफ कर चुकी है कि उसे अब तक एलियन जीवन या एलियन टेक्नोलॉजी का कोई पक्का सबूत नहीं मिला है।

पेंटागन की पिछली रिपोर्टों में भी कहा गया था कि कई यूएफओ वीडियो और तस्वीरें बाद में सैन्य तकनीक या प्राकृतिक घटनाएं निकली थीं।

अमेरिका ने वेनेजुएला का हाईली एनरिच्ड यूरेनियम निकाला

वॉशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने वेनेजुएला से 13.5 किलो हाईली एनरिच्ड यूरेनियम हटाया है। यह यूरेनियम कई साल से वहां के एक पुराने रिसर्च रिएक्टर में रखा था। अमेरिका ने शुक्रवार को बताया कि यूरेनियम को काराकास के पास मौजूद साइट से हटाया गया और फिर सुरक्षित तरीके से अमेरिका भेजा गया।

यह ऑपरेशन अमेरिका, वेनेजुएला, ब्रिटेन और आईएईए ने मिलकर किया। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी के मुताबिक यूरेनियम को जमीन और समुद्र के रास्ते अमेरिका पहुंचाया गया। इसे अब

साउथ कैरोलाइना के सवाना रिवर परमाणु साइट में प्रोसेस किया जाएगा। अमेरिकी एजेंसी नेशनल न्यूक्लियर सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएनएसए) ने कहा कि यह ऑपरेशन दक्षिण अमेरिका और यूएस की सुरक्षा के लिए अहम है। एजेंसी के मुताबिक वेनेजुएला का आरवी-1 रिसर्च रिएक्टर कई दशक तक न्यूक्लियर रिसर्च के लिए इस्तेमाल होता था। 1991 में रिसर्च बंद होने के बाद भी वहां हाईली एनरिच्ड यूरेनियम रखा रहा। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यह काम छह हफ्तों से भी कम समय में पूरा हुआ।

यूरेनियम को खास कंटेनर में पैक किया गया। इसके बाद करीब 100 मील सड़क के रास्ते बंदरगाह तक ले जाया गया। वहां से ब्रिटेन की न्यूक्लियर ट्रांसपोर्ट सॉल्यूशंस कंपनी के जहाज से अमेरिका भेजा गया। एनएनएसए के डिप्टी एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. मैट नेपोली भी इस मिशन की निगरानी के लिए वेनेजुएला पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि टीम के अनुभव की वजह से यह ऑपरेशन सफल रहा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी ऑपरेशन की पुष्टि की। एजेंसी ने कहा कि यह जटिल और संवेदनशील ऑपरेशन था।

एनएनएसए के मुताबिक 1996 से अब तक एजेंसी दुनिया के कई देशों से 7,350 किलो से ज्यादा हाईली एनरिच्ड यूरेनियम और प्लूटोनियम हटाने या सुरक्षित करने का काम कर चुकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन लंबे समय से ईरान के पास मौजूद हाईली एनरिच्ड यूरेनियम को लेकर दबाव बना रहा है।

कल मंगल का राशि परिवर्तन

20 जून तक मंगल रहेगा मेष राशि में, सभी 12 राशियों के लिए कैसा रहेगा आने वाला समय

मंगल 11 मई को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेगा। मंगल मेष राशि का स्वामी है। अपनी ही राशि में आने से मंगल का प्रभाव बढ़ेगा। मंगल को भूमि पुत्र माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल की स्थिति अच्छी नहीं है, उन्हें वैवाहिक जीवन में सुख-शांति नहीं मिलती है। मंगल की अशुभ स्थिति की वजह से भूमि-भवन से जुड़े कामों में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मंगल के दोष दूर करने के लिए शिवलिंग पर लाल फूल, लाल गुलाल, लाल मसूर की दाल चढ़ानी चाहिए। मंगल के मंत्र ऊँ भौं भौमाय नमः का जप करना चाहिए।

मेष राशि:
मंगल इसी राशि में प्रवेश कर रहा है, ये ग्रह आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाएगा। शारीरिक रूप से बहुत ऊर्जावान महसूस करेंगे और अधूरे कार्यों को तेजी से निपटा पाएंगे। स्वभाव में थोड़ी आक्रामकता या जिद बढ़ सकती है, इससे वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। धैर्य से काम लेंगे, तो बेहतर रहेगा।

वृषभ राशि:
इस राशि के लिए मंगल बारहवें भाव में आ जाएगा। इस कारण खर्चों में बढ़ोतरी होगी। इस समय सुख-सुविधाओं पर अधिक व्यय अधिक हो सकता है और स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है, विशेषकर आंखों या नींद से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। जो लोग विदेश से जुड़ा व्यापार करते हैं या वहां जाने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय उनके लिए अनुकूल रहेगा।

मिथुन राशि:
मंगल इस राशि से ग्यारहवें भाव में रहेगा, यह स्थिति आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो सकती है। आय के स्रोतों में वृद्धि होने के योग हैं। लंबे समय से रुका हुआ धन मिल सकता है। बड़े भाई-बहनों और मित्रों का सहयोग मिलेगा। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें सुखद परिणाम मिल सकते हैं।

कर्क राशि:
दसवें भाव यानी कर्म भाव में मंगल का प्रवेश होने से करियर में लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग बनेंगे। हालांकि, काम की अधिकता के कारण आप परिवार को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे, इससे घर में कुछ असंतोष रह सकता है।

सिंह राशि:
मंगल का गोचर इस राशि के नौवें भाव में होगा, जो भाग्य और धर्म का स्थान है। किस्मत का साथ मिलने से आपके बिगड़े हुए काम बनने लगेंगे और लंबी दूरी की यात्राएं हो सकती हैं। पिता के साथ रिश्तों में सुधार होगा और उनके सहयोग से कोई संपत्ति का विवाद सुलझ सकता है।

कन्या राशि:
आपकी राशि के लिए मंगल आठवें भाव में रहेगा, यह आयु और आकस्मिक घटनाओं का भाव है। यह समय स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ा संवेदनशील हो सकता है, इसलिए वाहन चलाने और खान-पान में सावधानी बरतें। हालांकि, शोध कार्य या ज्योतिष जैसे विषयों में रुचि रखने वालों के लिए यह गहराई से सीखने का समय है।

तुला राशि:
मंगल इस राशि के सातवें भाव में रहेगा। इस कारण वैवाहिक जीवन और व्यापारिक साझेदारी पर मंगल का सीधा असर होगा। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, इसलिए अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं, लेकिन पार्टनर के साथ पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है।

वृश्चिक राशि:
मंगल छठे भाव में रहेगा, जो शत्रुओं और रोगों को दूर करेगा। आपके विरोधी इस समय परास्त होंगे। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है, तो निर्णय आपके पक्ष में आने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह समय कड़ी मेहनत करने का है।

धनु राशि:
इस राशि के पांचवें भाव में मंगल होने से शिक्षा, प्रेम और संतान के मामले में बदलाव होंगे। विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति एकाग्रता और जुनून देखने को मिलेगा। प्रेम संबंध में उत्साह रहेगा, लेकिन छोटी-छोटी बातों पर तकरार से बचना होगा। निवेश के लिहाज से यह समय जोखिम भरा हो सकता है, सतर्क रहना होगा।

मकर राशि:
मंगल चौथे भाव यानी सुख स्थान पर रहेगा। नया घर खरीदने या घर के नवीनीकरण की योजना बन सकती है। हालांकि, माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रह सकती है और पारिवारिक वातावरण में शांति बनाए रखने के लिए आपको अधिक प्रयास करने होंगे।

कुंभ राशि:
इस राशि के तीसरे भाव में मंगल के आने से साहस और पराक्रम में बढ़ोतरी होगी। छोटे भाई-बहनों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे और आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं। संचार और मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए यह बेहतर समय है।

मीन राशि:
इस राशि के दूसरे यानी धन भाव में मंगल रहेगा, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन खर्च भी बढ़ सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करते समय व्यवहार मधुर रखें, क्योंकि कड़वी वाणी रिश्तों में तनाव पैदा कर सकती है। निवेश के अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन कोई भी वित्तीय फैसला लेने से पहले विशेषज्ञों की सलाह जरूर लें।

ऑफिस डेस्क पर इन चीजों को रखना नहीं है शुभ

ऑफिस डेस्क पर न रखें ये सामान

वास्तुशास्त्र के अनुसार, अपने ऑफिस डेस्क के ऊपर कभी भी खाने की प्लेट नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से इसका प्रभाव हमारी मानसिक स्पष्टता पर पड़ता है। जिससे निर्णय लेने में भी उलझनों का सामना करना पड़ सकता है।

अगर आपने अपने ऑफिस डेस्क पर कैक्टस जैसे कांटेदार पौधे रखे हैं, तो उन्हें वहां से तुरंत हटा दें। वास्तुशास्त्र के अनुसार, इस प्रकार के पौधे नकारात्मक ऊर्जा को अपनी ओर आकर्षित करते हैं जिससे आसपास की नेगेटिविटी भी बढ़ने लगती है।

दफ्तर के डेस्क पर भूलकर भी ऐसी फाइलें, पेपर या वायर नहीं रखनी चाहिए जो आपकी जरूरत की न हों। इस प्रकार की चीजें डेस्क पर रखने से इसका प्रभाव जातक के कार्यक्षमता पर पड़ता है।

अपने ऑफिस डेस्क के सेंटर यानी बीच वाले हिस्सा को हमेशा पूरी तरह खाली रखना चाहिए। वहां किसी भी प्रकार का सामान रखना उचित नहीं माना जाता है।

ऑफिस डेस्क पर इन चीजों को रखना है शुभ

अपने आसपास का वातावरण सकारात्मक बनाए रखने के लिए आप वास्तु अनुसार कुछ चीजों को अपने डेस्क पर रख सकते हैं। जिससे मानसिक शांति मिलती है और साथ ही, ये कार्य क्षमता को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

अपने ऑफिस डेस्क पर आप कछुआ रख सकते हैं। जिसे

वास्तु अनुसार बहुत शुभ माना जाता है।

ऑफिस के डेस्क पर हाथी की छोटी मूर्ति रखना भी बेहद शुभ माना जाता है। यह करियर में तरक्की और एकाग्रता में वृद्धि करने में सहायक होता है।

अपने ऑफिस टेबल के दक्षिण कोने में आप कंप्यूटर या लैपटॉप रख सकते हैं। साथ ही, पॉजिटिविटी बढ़ाने वाले छोटे साइज के पौधे भी डेस्क पर रखे जा सकते हैं।

ऑफिस डेस्क से जुड़े वास्तु टिप्स

वास्तुशास्त्र के अनुसार, अपने ऑफिस डेस्क को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। वहां चीजों को फैलाकर रखना शुभ नहीं माना जाता है।

अगर संभव हो, तो अच्छे परिणामों के लिए ऑफिस डेस्क या टेबल को हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। अगर इस स्थान पर ऑफिस डेस्क न लगा सकें तो पश्चिम दीवार की ओर रखें।

वास्तु के अनुसार, ऑफिस डेस्क 'L' शेप में होना शुभ नहीं माना जाता है। साथ ही, बीम के नीचे भी डेस्क होना अच्छा नहीं माना जाता है।

ऑफिस डेस्क के पीछे लकड़ी की दीवार नहीं होनी चाहिए। साथ ही, कोई दरवाजा या खिड़की नहीं होनी चाहिए।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, ऑफिस टेबल का आयत या वर्ग आकार में होना शुभ माना जाता है।

दुखी पति-पत्नी को संत की सीख

यदि हम नकारात्मक विचारों को छोड़ दें, तो वैवाहिक जीवन में शांति, सफलता और खुशी आने लगती है

एक लोक कथा है। पुराने समय में एक गांव में एक दंपत्ति बहुत मेहनती थे, लेकिन उनके जीवन में परेशानियां जैसे खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थीं। पत्नी-पत्नी आर्थिक तंगी, बीमारी, तो कभी आपसी तनाव की वजह से परेशान थे। धीरे-धीरे वे दोनों इतने निराश हो गए कि उन्हें लगने लगा कि शायद सुख उनके भाग्य में है ही नहीं।

रोज सुबह की शुरुआत चिंता से होती और हर रात शिकायतों के साथ खत्म होती। वे गांव-गांव जाकर मंदिरों में माथा टेकते, पूजा-पाठ करते, व्रत रखते, लेकिन मन की शांति उन्हें कहीं नहीं मिल रही थी। उनके चेहरे पर हमेशा उदासी छाई रहती थी।

एक दिन गांव के एक बुजुर्ग ने इस दंपत्ति को क्षेत्र के प्रसिद्ध संत के बारे में बताया। कहा जाता था कि संत केवल लोगों की समस्याओं को दूर करने का सही मार्ग दिखाते हैं। अपने दुख दूर करने की उम्मीद लेकर पति-पत्नी उस संत के पास पहुंच गए।

दोनों ने संत के सामने बैठकर अपने दुखों की कहानी सुनाई। संत शांत भाव से उनकी बातें सुनते रहे। कुछ देर बाद वे अचानक उठे और अपने कमरे की ओर चले गए। वहां जाकर उन्होंने एक खंभे को कसकर पकड़ लिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगे, "बचाओ! ये खंभा मुझे छोड़ नहीं रहा है!"संत की आवाज सुनकर आश्रम के लोग दौड़कर आए। सभी आश्चर्यचकित थे। गांव वालों ने कहा, "गुरुजी, खंभा आपको नहीं पकड़े हुए है। आपने ही खंभे को पकड़ रखा है।" संत मुस्कुराए और बोले, "यही बात मैं तुम सबको समझाना चाहता हूं। जीवन में दुख और चिंता भी ऐसे ही हैं। अक्सर दुख हमें नहीं पकड़ता, बल्कि हम ही दुख को पकड़कर बैठे रहते हैं। पुरानी गलतियों, नकारात्मक सोच और डर को छोड़ने के बजाय हम उन्हें बार-बार याद करते हैं। जब तक हम इन आदतों को नहीं छोड़ेंगे, तब तक सुख हमारे जीवन में प्रवेश नहीं कर पाएगा।"

दुखी पति-पत्नी को संत की बातें समझ आ गईं। उन्हें एहसास हुआ कि हम हर समय केवल दुखों के बारे में सोचते रहते हैं। उसी दिन उन्होंने संकल्प लिया कि अब वे शिकायत नहीं, बल्कि समाधान पर ध्यान देंगे। धीरे-धीरे उन्होंने सकारात्मक सोच अपनाई, छोटी-छोटी खुशियों को महत्व देना शुरू किया और अपने जीवन में बदलाव महसूस किया।

कुछ महीनों बाद वही दंपति गांव में खुशहाल और शांत जीवन के लिए पहचाने जाने लगे। उन्होंने समझ लिया था कि सुख बाहर नहीं, हमारे विचारों और दृष्टिकोण में छिपा होता है।

प्रसंग की सीख

नकारात्मक सोच को पहचानें

जीवन में सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि कौन-सी बातें हमें दुखी बना रही हैं। कई बार परिस्थितियां नहीं, बल्कि हमारा सोचने का तरीका हमें परेशान करता है। हर समय शिकायत करना, डरना या दूसरों से तुलना करना मानसिक तनाव बढ़ाता है। इसलिए अपने विचारों पर ध्यान दें और नकारात्मक सोच को बदलें।

समस्या नहीं, समाधान पर ध्यान दें

जो लोग हर समय केवल समस्या के बारे में सोचते रहते हैं, वे कभी आगे नहीं बढ़ पाते। जीवन प्रबंधन का पहला नियम है कि समस्या को स्वीकार करें और उसके समाधान पर काम करें। यदि आर्थिक परेशानी है तो नई योजना बनाएं, यदि रिश्तों में तनाव है तो बातचीत करें। समाधान की दिशा में छोटा कदम भी बड़ा बदलाव ला सकता है।

पुरानी बातों को छोड़ना सीखें

बीती हुई गलतियों और दुखद घटनाओं को बार-बार याद करने से वर्तमान खराब हो जाता है। जीवन आगे बढ़ने का नाम है। जो बातें बदल नहीं सकतीं, उन्हें स्वीकार करना ही समझदारी है। मन को हल्का रखने के लिए क्षमा करना और भूलना बहुत जरूरी है।

सकारात्मक लोगों का साथ रखें

हम जिस वातावरण में रहते हैं, उसका असर हमारे विचारों पर होता है। हमेशा शिकायत करने वाले लोगों के साथ रहने से मन भी नकारात्मक हो जाता है। ऐसे लोगों के साथ समय बिताएं जो प्रेरित करते हैं, उत्साह बढ़ाते हों और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हों।

छोटी खुशियों का आनंद लें

अक्सर लोग बड़ी सफलता मिलने के बाद खुश होने की सोचते हैं, लेकिन असली खुशी छोटी-छोटी बातों में छिपी होती है। परिवार के साथ समय बिताना, प्रकृति का आनंद लेना, किसी की मदद करना या अपने पसंदीदा काम करना मन को शांति देता है।

खुद पर विश्वास रखें

कई बार कठिन परिस्थितियों में व्यक्ति खुद को कमजोर समझने लगता है। याद रखें कि हर समस्या का सामना करने की शक्ति हमारे अंदर होती है। आत्मविश्वास ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। खुद पर भरोसा रखें और हर दिन नई शुरुआत करें।

आभार व्यक्त करने की आदत डालें

जो हमारे पास नहीं है, उस पर दुखी होने के बजाय जो मिला है उसके लिए आभारी बनें। प्रतिदिन ईश्वर, परिवार और जीवन के प्रति धन्यवाद व्यक्त करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और तनाव कम होता है।

जीवन को सरल बनाएं

अनावश्यक इच्छाएं जीवन को जटिल बना देती हैं। सरल जीवन और संतुलित सोच व्यक्ति को मानसिक शांति देती है। जरूरत और लालच के बीच अंतर समझना जीवन प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुख और दुख का सबसे बड़ा कारण हमारा दृष्टिकोण होता है। यदि हम नकारात्मक आदतों और विचारों को छोड़ दें, तो जीवन में शांति, सफलता और खुशी अपने आप आने लगती है।

राजस्थान का वो रहस्यमयी मंदिर, जहां आज भी बसती है मीरा बाई की कृष्ण भक्ति

चित्तौड़गढ़. राजस्थान की धरती वीरों, संतों और भक्तों की कहानियों से भरी हुई है। इन्हीं कहानियों में एक नाम कृष्ण भक्त मीरा बाई का भी है, जिनकी भक्ति आज भी लोगों को भावुक कर देती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि राजस्थान में एक ऐसी जगह आज भी मौजूद है, जहां मीरा बाई ने लंबे समय तक भगवान कृष्ण की भक्ति में समय बिताया था। यह ऐतिहासिक स्थान चित्तौड़गढ़ किले परिसर में स्थित मीरा मंदिर के नाम से जाना जाता है।

इतिहासकारों के अनुसार मीरा बाई का विवाह मेवाड़ के राजकुमार भोजराज से हुआ था। विवाह के बाद वे चित्तौड़ आईं, लेकिन उनका मन हमेशा भगवान कृष्ण की भक्ति में ही रमा रहा। राजपरिवार की परंपराओं और विरोध के बावजूद उन्होंने भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा। कहा जाता है कि राजमहल से अलग उन्हें यह स्थान दिया गया था, जहां वे भजन-कीर्तन किया करती थीं।

मीरा की भक्ति का साक्षी बना यह मंदिर

आज यह स्थान मीरा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर में आज भी वह प्राचीन माहौल महसूस किया जा सकता है, जहां कभी मीरा बाई ने अपने प्रसिद्ध भजन गाए थे। यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक मीरा की भक्ति और इतिहास को करीब से महसूस करते हैं। मंदिर की वास्तुकला भी लोगों को खासा आकर्षित करती है। पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी और प्राचीन शैली इस जगह को अलग पहचान देती है।

माना जाता है कि यह मंदिर 16वीं शताब्दी के आसपास का है और वर्षों बाद भी इसकी ऐतिहासिक पहचान बरकरार है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक चित्तौड़गढ़ किले के साथ इस मंदिर को देखने जरूर पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और मीरा बाई के भजन गाकर उन्हें याद करते हैं।

आज भी गूंजती है मीरा की भक्ति

खासतौर पर कृष्ण जन्माष्टमी और धार्मिक आयोजनों के दौरान यहां भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। राजस्थान की यह ऐतिहासिक जगह सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि भक्ति, प्रेम और समर्पण की जीवित मिसाल मानी जाती है। मीरा बाई की कृष्ण भक्ति की कहानी आज भी इस स्थान की दीवारों में गूंजती हुई महसूस होती है।

सेविंग खत्म होने के पीछे छिपा ज्योतिषीय संदेश

सेविंग खत्म होने के पीछे छिपा ज्योतिषीय संदेश

ज्योतिष के अनुसार जब कुंडली में द्वितीय और एकादश भाव प्रभावित होते हैं, तो व्यक्ति की आय और बचत पर असर पड़ता है। कई बार शनि या राहु की दृष्टि भी अचानक खर्च बढ़ा देती है। लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहती, बल्कि यह एक "करमिक क्लीनिंग" की तरह होती है, जो नए धन प्रवाह के लिए रास्ता बनाती है।

अचानक बढ़ते खर्च

अगर बिना वजह खर्च बढ़ रहे हैं, तो यह हो सकता है कि पुरानी आर्थिक ऊर्जा समाप्त हो रही है और नई ऊर्जा प्रवेश कर रही है। जैसे पुराने कपड़े हटाकर नई अलमारी तैयार होती है।

2। रुका हुआ पैसा वापस आना ज्योतिष में इसे बेहद शुभ माना जाता है। अगर पुराने फंसे हुए पैसे अचानक वापस आने लगें, तो यह धन योग के मजबूत होने का है।

नए अवसरों का दिखना

नौकरी, बिजनेस या साइड इनकम के नए अवसर सामने आना बताते हैं कि ग्रह अनुकूल हो रहे हैं। अक्सर गुरु का प्रभाव ऐसे समय में बढ़ता है।

सपनों में पानी या सोना दिखना

कई लोग ऐसे समय में सपनों में पानी, नदी या सोना देखते हैं। यह मानसिक होते हैं जो आने वाले धन लाभ की ओर इशारा करते हैं।

मन में अचानक आत्मविश्वास बढ़ना

जब आर्थिक दबाव के बावजूद मन शांत और सकारात्मक रहने लगे, तो यह होता है कि भाग्य परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है।

ज्योतिषीय दृष्टि से इसका वास्तविक अर्थ

विशेषज्ञ मानते हैं कि जब जीवन में अस्थायी आर्थिक दबाव आता है, तो यह एक तरह का "ऊर्जा शुद्धिकरण" होता है। पुराने कर्मों का प्रभाव खत्म होता है और नए अवसरों का मार्ग खुलता है। ऐसे समय में धैर्य रखना बेहद जरूरी है क्योंकि यही समय भविष्य की आर्थिक मजबूती की नींव रखता है। सेविंग खत्म होना हमेशा नुकसान का नहीं होता। कई बार यह ब्रह्मांडीय बदलाव का हिस्सा होता है, जो बड़े धन लाभ की ओर इशारा करता है। सही समझ और धैर्य से ऐसे समय को अवसर में बदला जा सकता है।

मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय हैं ये खास पौधे

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के के लिए ये पौधे बहुत ही लकी माने जाते हैं। इन पौधों को सही दिशा में लगाने से घर में धन-दौलत की वर्षा होती है। इसके साथ ही पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, इनमें से कुछ खास पौधे को धन की देवी माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता जाता है। ये पौधे मां लक्ष्मी को अति प्रिय हैं। इन्हें सही दिशा में लगाने से न केवल घर की सुंदरता में चार चांद लगेगा बल्कि आर्थिक समस्याएं भी दूर होंगी। तो आइए जानते हैं कि वो लकी पौधे कौनसे हैं।

अपराजिता

नीले फूलों वाली अपराजिता की बेल भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। विष्णुप्रिया होने के चलते नीली अपराजिता की बेल माता लक्ष्मी को भी आकर्षित करती है। जिस घर में अपराजिता का पौधा रहता है वहां देवी लक्ष्मी का वास होता है। इस घर के उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। ऐसा करने से इसके शुभ परिणाम मिलते हैं।

तुलसी

हिंदू धर्म में तुलसी को अति पावन और पूजनीय माना गया है। जिस घर में तुलसी का पौधा रहता है वहां कभी भी नकारात्मकता नहीं रहती है। रोजाना तुलसी की पूजा-करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आती है। घर का भंडार सदैव धन-धान्य से भरा रहता है। तुलसी के पौधे को हमेशा घर के उत्तर या उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में लगाएं।

मनी प्लांट

कहते हैं कि मनी प्लांट को घर में लगाने से आर्थिक लाभ मिलता है। यह पौधा धन को आकर्षित करता है। वास्तु के अनुसार, इसे जैसे-जैसे ऊपर की ओर बढ़ाया जाता है, घर की बरकत भी वैसे ही बढ़ती है। इसे घर के दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) में लगाना सबसे शुभ होता है। वहीं ध्यान रखें कि ध्यान रखें कि मनी प्लांट की बेलें कभी जमीन को न छुएं।

शमी का पौधा

शमी का पौधा शनि देव और भगवान शिव को प्रिय है। शमी के पौधे को घर के मुख्य द्वार पर लगाएं। घर से बाहर निकलते समय आपके दाहिने हाथ की तरफ यह पौधा होना चाहिए। माना जाता है कि शमी का पौधा लगाने से व्यापार में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और मुनाफा मिलना शुरू हो जाता है।

जेड प्लांट

जेड प्लांट को घर के मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिने तरफ रखें। यह पौधा भी धन को आकर्षित करता है। इसके अलावा जेड प्लांट को ऑफिस डेस्ट पर रखने के लिए भी शुभ माना गया है। डेस्ट पर उत्तर दिशा में रखें।

बैंबू का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बैंबू यानी बांस का पौधा लकी माना जाता है। इसे घर के लिविंग रूप के पूर्व या उत्तर-पूर्व के कोने में रखना चाहिए। बैंबू का पौधा घर में रखने से सुख-समृद्धि बनी रहती है।

आस्था का प्रतीक : सरयू नदी

अतुल कुमार

इस बार गर्मी अपने पुराने रिकार्डों को तोड रही है . तापमान 46 या 47 डिग्री होना आमबात हो गयी है. पेडों की कटाई जारी है लगता है वृक्षों के महत्व को भुला दिया गया है . सरोवरों की भूमि पर ऊंची - ऊंची अट्टालिकाएं खडी हो रही हैं जिनके मोटे सौदे हो रहे हैं . वास्तव में लाइफ़ स्टाइल को नुमायशी बनाने और बताने के चक्कर में प्रकृति संरक्षण को भुला दिया गया है . गर्मी से बचाव के रूप में पेडों तथा नदियों के बजाए ए सी ,कूलरों और अन्य यंत्रों को विकल्प के रूप में अपनाया जा रहा है . यही स्थिति शरबतों की है . कैरी का पना ,नींबू शरबत ,नारियल पानी और पारंपरिक रसों को छोड ,कूल ड्रिंक्स व अन्य आधुनिक पेयों को बाज़ार जम कर बेच रहा है . इनको प्रमोट करने के लिये सारे संसाधनों का इस्तेमाल हो रहा है लेकिन गन्ने के जूस को बढावा देने की कहीं कोई कोशिश नहीं दीखती . किस पेय को पीना है इसका फैसला भी बाज़ारवाद कर रहा है इसको ले भारी भरकम विज्ञापन अटे होते हैं . जबकि पारंपरिक पेय पाकेट फ्रेंडली होते हैं .

इस पूरे क्रम में वनों ,नदियों और उद्यानों की महत्ता कम हो रही है .लोग इनके इंपार्टेंस को भूल रहे हैं . जो नदियां कभी प्रकृति का आभूषण होती , जिसमें स्नान करने को पावन माना जाता और जिनकी पूजा अर्चना होती उसे भुलाया जा रहा है . नदियों के महत्व पर किसी कवि ने खूब लिखा " पहाडों की गोद से निकल ,सबको सपनों की

दुनिया में ले जाती नदी /खेतों को सींच कर जीवन देती ,धरती की प्यास बुझाती ,जीवन की गाथा जल में समाई /नदी की धार ,सजीव प्रकृति की परछाई // जिस प्रकार एक मां निःस्वार्थ भाव से अपने बच्चों का पालन पोषण करती हैं उसी प्रकार नदियां भी मानव जाति पर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देती हैं .नदियां साक्षात ईश्वर स्वरूप हैं .जो जीवनदायिनी माता हैं .

इन्हीं पावन नदियों में एक सरयू नदी है . यह पवित्र और ऐतिहासिक नदियों में से है . जिसका उल्लेख " रामायण " " महाभारत " और अन्य पुराणों में मिलता है . यह नदी भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का अटूट हिस्सा है . शास्त्रों के अनुसार सरयू नदी भगवान विष्णु के नेत्रों से उत्पन्न हुई इसलिये इसे नैना जी भी कहा जाता है . इसको पृथ्वी पर लाने का श्रेय ब्रह्मऋषि वशिष्ठ को दिया जाता है इसलिये इसको वशिष्ठी भी कहा जाता है .त्रेता युग से ही अयोध्या की जीवन रेखा मानी गयी . पुराणों के अनुसार भगवान राम के जन्म के पहले से ही यह अस्तित्व में थी . यह शारदा नदी की सबसे बडी सहायक नदी है जो सुरमूल से निकलती है और पंचेश्वर में महाकाली से मिल जाती है . सरयू पवित्र गंगा का ही दूसरा रूप है .

इसे पवित्रता का प्रतीक माना गया अयोध्या में राम की पैडी ,हनुमान गढी और कनक भवन जैसे स्थल सरयू के तट पर स्थित हैं जो इसे प्रमुख तीर्थ स्थल बनाते हैं .लगभग 350 कि मी की यह नदी उत्तर प्रदेश के कई ज़िलों के लिये जल का मुख्य स्रोत है. यह गंगा की सात सहायक नदियों में से एक है . " रामायण " में इसके तट पर राम के जन्म ,उनके विवाह के बाद आगमन और वनवास से लौटने के प्रसंगों का सजीव चित्रण है . महाकवि कालिदास ने " रघुवंशम " में सरयू का मनोरम वर्णन किया है . यह केवल एक नदी नहीं ,बल्कि भारतीय साहित्य में आस्था ,पवित्रता , और प्रभु राम की गाथा की संवाहिका है .

पौराणिक गाथानुसार राजा दशरथ ने सरयू नदी से अपने वृद्ध माता –पिता के लिये जल भरते समय भूलवश श्रवण कुमार को मार डाला था .दुखी माता पिता ने श्राप दिया कि उन्हें भी पुत्र से बिछुडने का दुख सहना पडेगा . राजकुमार राम का जन्म , राम -लक्ष्मण और सीता के चैदह वर्ष के वनवास ,रावण का वध कर विजय प्राप्ति ,राम राज्य की स्थापना और अंत में वैकुंठ की यात्रा – सरयू नदी ने यह सब देखा .राम चरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने सरयू की महिमा का बखान करते हुए लिखा कि ₹ अवध पुरी मम पुरी सुहावनि /उत्तर दिशा वह सरयू पावनि // इन पंक्तियों के माध्यम से तुलसी दास जी ने सरयू को अयोध्या की प्रमुख पहचान के रूप में प्रस्तुत किया . महर्षि पाणिनी ने अपनी पुस्तक अष्टाध्यायी में सरयू की महत्ता का उल्लेख किया है वहीं लोक भाषा में इसकी महत्ता पर कहा जाता है कि सरयू में नित दूध बहुत है ,मूरख जाने पानी अर्थात पावन सरयू नदी में निरंतर दूध के समान अमृत बह रहा है ,जिसे नादान लोग पानी समझते हैं.

सरयू नदी को भगवान राम की प्रिय नदी माना जाता है जिसका उल्लेख " रामायण " में कई बार हुआ है . वेद –पुराणों के अनुसार श्री सरयू जी का दर्शन,स्पर्श ,स्नान , और जलपान पापों को हरता है यह नदी बडी ही पवित्र है .जिसकी महिमा अनंत है .यह बारहमासी नदी है .अपने पवित्र जल के साथ –साथ औषधीय गुणों के लिये भी जानी जाती है . मान्यतानुसार इसमें स्नान करने से आत्म शुद्धी होती है .राम नवमी और दीपावली के अवसर पर लाखों श्रद्धालु इसके घाटों पर स्नान तथा दीपदान करते हैं .इसके रमणीय तटों का वाल्मीकि रामायण में विस्तृत विवरण मिलता है . ऐसा माना जाता है कि इस नदी के जल से चर्म रोग खत्म होते हैं ." सरयू " का शाब्दिक अर्थ है " वह जो प्रवाहित हो रहा है " इसके घाट लाखों लोगों के लिये रोज़गार के माध्यम हैं

यह आस्था ,इतिहास और संस्कृति का अभिन्न भाग है किसी कवि ने इसकी महत्ता पर खूब लिखा " कल – कल करती बहती शुचि सरयू जल धारा ,राम लला की नगरी को लगे सबसे प्यारा / बूंद –बूंद में बसा यहां युग –युग का उजियारा ,पाप नाशिनी ,पुण्य वाहिनी शीतल धारा / ऋषियों की तप स्थली महाप्रुरुषों का संगम सरयू के तट पर बसता है साक्षात राम – ब्रह्म / सरयू मैया हे मां ! तुमको बारंबार प्रणाम ,हरिहर. का गुण गान करती तुम ही धाम /भक्ति , शक्ति ज्ञान की धारा तुम ही उबारे //

काव्य कुंज

मेरी मां

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

मेरी मां है बहुत ही प्यारी
सूरत इनकी लगती न्यारी,
मैं हूं मां की एक लिखाई
लिखूं मैं कैसे इनकी बड़ाई ।
इनकी ममता का ना कोई जोड़
इनके प्रेम का ना कोई तोड़
करुणा से ये बहुत भरी हैं
धरा पे रब के रूप खड़ी हैं।
इनमें होता रब का वास
जो लगता है बिल्कुल खास,
दुआ में इनके बहुत ही बल है
हम बच्चे रहते तभी सबल हैं ।
इनको सबकी फिकर है रहती
हंस के सारे दुःख ये सहती
अपनी पीड़ा कभी ना कहती
शांत चित्त से सब कुछ सहती ।
मां की शक्ति अदभुत होती
जो बच्चों को हिम्मत्त देती
हम बच्चे इनसे ही पलते
तुलना इनकी ना हम करते ।
मां ! तू सच में है अनमोल
जो समझे बच्चों के बोल
मां तेरा ना कोई मोल
तू तो बड़ी निराली है
जो रब से भी प्यारी है ।
मां! तेरा प्यार अनोखा है
तेरी बात अनोखी है
तेरा साथ अनोखा है
जिसमें कहीं ना धोखा है ।
माँ! तुमसे ही हम सब हैं
तुम हो तो ना कोई गम हैं
मां ! तेरी दुआ से ही मेरे
सारे रिश्ते संग - संग हैं।।

झिझकता रहता हूं मुस्कुराने से

संजीव ठाकुर,
रायपुर

छलक ना जाए गम इसी बहाने से
यूं ही झिझकता रहता मुस्कुराने से ।
रोज हिचकियां बहुत आती होगी
मैं कर रहा हूं याद इक जमाने से।
दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं आज
जिसे परहेज न हो हमें गले लगाने से।
यहां पर मिलते हैं कद्र-दान बहुतेरे
टूटा दिल कहां जाए इस मयखाने से।
उसने कब समझा मेरे जज्बातों को
कब से लगा है वो मुझे आजमाने में।
हवा का रुख बदला हुआ है शहर में
पसीने से तर हूं अपना वजूद बचाने में।
तरक्की से परेशान है लोग दूसरों की
संजीव जमाने से लगा हूं पैर जमाने में।

मैं मजदूर हूं

गजानन पाण्डेय

मैं मजदूर , काम ढूंढता हूं
तुम्हारे सपनों में , रंग भरता हूं
तुम्हारे समाज का
मैं भी एक हिस्सा हूं
अपने लिए जगह खोजता हूं।
गर्मी हो या हो बारिश
मेरे लिए बराबर है
दिन - रात लगकर
तुम्हारे हिस्से की खुशी ढूंढता हूं ।
न घर है मेरा ,
इसका न मुझे ग़म है
थोड़ी सी दिल में जगह चाहता हूं।

नारायण मिल जायेंगे

कुमुद बाला,
हैदराबाद

दो पलड़ों में सुख और दुःख वे अपना धरम निभायेंगे
कौन उठेगा मोती चुगने जग में उसके करम बतायेंगे
प्रेम की महिमा जान ले बंदे यह समय कहीं ना चुक जाये
इस जीवन की कौन घड़ी में जाने नारायण मिल जायेंगे
प्रेम की चाकी जब चलती है उसमें प्रेम न क्यों तलाशे
करुणा की नदियां के अंदर डूब बताशे क्यों न तराशे
जग तीरथ है अपने भीतर बाहर दुनिया भर के तमाशे
प्रेम प्रभु का बरस रहा चख अमृत क्यों जिह्वा को तराशे
श्वांसों की चलती कश्ती में हम माटी का कर्ज़ चुकायेंगे
इस जीवन की कौन घड़ी में जाने नारायण मिल जायेंगे
शिव नर्मदा का हर कंकड़ है शिव ही बस शिव हरि पुकारे
मुस्कानों में अंसुवन में शिव हर क्षण शिव हरि हरि पुकारे
दर्शन करना है गर शिव का खोल तू अपनी मन की आँखें
लिख मन दर्पण में हरि का नाम व्यर्थ ही खुद के बाग उजाड़े
बगिया भी तेरी फूल भी तेरे खुशबू से जग महकायेंगे
इस जीवन की कौन घड़ी में जाने नारायण मिल जायेंगे
यह नियति भेद नहीं करती जो लेती है वापस वह देती है
जो बोओगे वह काटोगे दुनिया अपने कर्मों की खेती है
यदि कर्म तेरे हैं पावन मंगल
यह भव सागर तू तर जायेगा
क्योंकि तेरी यह भक्ति
निर्मल किस्मत तुझे देती मोती है
तेरा हाथ पकड़ने भेस बदल
कर हरि मिलने आ जायेंगे
इस जीवन की कौन घड़ी में
जाने नारायण मिल जायेंगे।।

दिल अपना और प्रीत पराई

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

सच कहते लोग दिल अपना और प्रीत पराई।
दिल न माने बात मन की,किसी की याद समाई।।
दिल की बात करें तो दर्द भी कोई ओर दे जाए,
दिल न जाने क्यों,दूसरे की ओर खिंचा चला जाए,
कातिल नजरों से घायल बेचारा दिल हो जाए,
लाख समझाया दिल को ,दिल काबू में न आए,
बसे जब प्रीत किसी की,रातों की नींद गंवाई।
सच कहते लोग दिल
अपना और प्रीत पराई।
सरहद पर जवान तैनाती,
दिल से देश सेवा की प्रीत,
अपने तन की करे न चिंता,
गाता देश प्रेम का गीत,
समाजसेवी का दिल रोता
जब किसी पे होए अन्याय,
दिल गलियों में बजता , पराई प्रीत का संगीत ,
दिल अपना न रहे,क्यों किसी की चिंता सताई ।
सच कहते लोग दिल अपना और प्रीत पराई।।
दिल धड़के किसी के लिए ,लोग कहें उसे दीवाना,
प्रीत पराई नापने को नहीं बना कोई दिल पैमाना,
दिल अपना प्रीत पराई, प्रीत खुमार चढ़े कुछ ज्यादा,
गहराइयों में बसने वाले को कैसे समझे ये ज़माना,
पराये दर्द को अपना बना,पराई प्रीत अपनी बनाई।
सच कहते लोग दिल अपना और प्रीत पराई।।

मखमली बिछौना

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

बहुत याद आता है,
मां की गोद का वो मखमली बिछौना,
ढूंढे से भी नहीं मिला फिर ऐसा खजाना,
और साथ जिसके होता था,
सौंधी सी महक लिए आंचल का ओढ़ना ।
दुनिया जहान की दौलत थी हासिल तब,
कायनात और जन्नत भी मेहरबां थी तब ।
हर गम और तकलीफ को भूल जाते थे,
क्यूंकि मां की गोद में,
हमारे आंसू की हर बूंद भी,
सीप में रखे मोती सी बन जाती थी ।
कब गृहस्थी की आपाधापी में उलझ गए ?
मां और नानी - दादी भी बन गए,
पर अपनी मां के शीतल आंचल की छांव,
और मखमली गोद को भुला न सके।
गर मां का आंचल अम्बर और आकाश है,
तो मां की गोद मखमली धरती का अहसास है ।।
सृष्टि की अनुपम अद्वितीय कृति है मां,
श्रेष्ठता में प्रथम वरीयता है मां,
ईश्वर भी नतमस्तक हों जिनके आगे,
ऐसी सशक्त धुरी है मां ।।

याद आएगी हर रोज

दर्शन सिंह
हैदराबाद

याद आएगी हर रोज
मगर आवाज़ न दूंगा
लिखूंगा तेरे ही लिए हर गज़ल
मगर तेरा नाम ना लूंगा
हो कर अपनी मुस्कुराहटों पर सवार
हंसी सा खनक जाते हम
दिल की धड़कन में गूंज
सरगम सा बज जाते हम
तब गहरी आंखों में डूब
नशे में झूम जाते हम
अनकही बातों में खो जाते हम
चलो छोड़ो
यादें हैं यादें रहेगी
भले ही मुरझा जाए फूल
अपने पास ही रखूंगा याद..
शरमाई नशीली नजरों से सहला
सुरुर में बहक जाते हम
जिस्मों पर झीना परदा कर
सांधे से महक जाते हम
अटूट चाहत में हो सराबोर
दिल की आग में तप
सावन सा बरस जाते हम
क्या कहा जाए
जहां भी हो खुश रहो
जो भी हो
आंसुओं को पलकों में
छिपा कर रखूंगा याद...

प्रजाति

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

प्यारे जानवरों को पानी पिलाते थे
दूसरे प्राणियों का हिस्सा भोजन
करने से पहले निकालते थे
सूर्यास्त के बाद पौधों को
छूने नहीं देते थे
जरूरतमंदों की दिल खोलकर मदद करते थे
अजनबियों से पहचान बना लिया करते थे
छत पर पक्षियों के लिए दाना बिखेरते थे
पता पूछने पर घर तक पहुंचा देते थे
निश्चित समय पर सोते और जागते थे
सादे और प्राकृतिक भोजन मे विश्वास करते थे
समाज में इज्जत और नैतिकता को महत्त्व देते थे
जीने का का अंदाज ही अलग था
इस प्रजाति में कुछ खास था
इस प्रजाति में कुछ खास था ।

मेरी मां

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

मां है सृष्टि का आधार।
मां बिन चले न संसार।
मां ईश्वर का ही रूप है,
मां से मिलता है आकार।
मां हरेक घर की बुनियाद है।
मुझे तो सिर्फ़ मां ही याद है।
हरेक बात भूल जाता है इंसान,
मां से सबकी दुनिया आबाद है।
मां बच्चों को बड़ा कर देती।
पड़ा लिखा कर खड़ा कर देती।
एक मां दस बच्चे पाल देती,
वही बेटे मां को नहीं देते रोटी।
मां त्याग करती जाती।
तन्हाई में रोती रहती।
उसे कोई नहीं पूछता,
मां सबकी फिक्र है करती।
ईश्वर घर घर नहीं जा सकते।
तभी उसने मां को बनाया।
स्वयं जन्म लेने के लिए भी,
ईश्वर ने मां को ही बुलाया।
धरती माता,गौ ,भारत माता।
हमारी अनगिनत मां है।
लक्ष्मी दुर्गा सरस्वती गायत्री,
हमारी तो प्रकृति भी मां है।
नदियों को माता मानते।
उनका जल निर्मल रखते।
गंगा मैया,दुनिया में महशूर,
यमुना माता गोकुल का नूर।
सरयू अयोध्या का सम्मान।
गोदावरी आंध्र का अभिमान।
इन माताओं का पानी,
देता जीवन और खेत में पानी।

माँ ईश्वर का एक रूप

मोनिका डागा,
चेन्नई

माँ जब-जब हँसती है,
बड़ी ही प्यारी लगती है,
जादू भरी उसकी मुस्कान,
हर गम मेरा हर लेती है ।
माँ जब भी मुस्कुराती है,
घर में खुशियाँ छा जाती है,
स्नेहिल उसकी मुस्कान,
मन को ठंडक पहुँचाती है ।
माँ का आशीर्वाद झलके,
खुशी में भीगती पलकें,
वरदान उसकी मुस्कान,
₹आनंद₹ अशेष छलकें ।
माँ भले ही कुछ ना कहे,
पर सदा मुस्कुराती रहे,
मधुरिम उसकी मुस्कान,
अनवरत अविरल बहे ।
माँ ईश्वर का एक रूप,
बरसाती प्यार अनूप,
जन्नत उसकी मुस्कान,
सुंदरतम सलोनी धूप ।

गुलमोहर

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

बैसाख का महीना,
तनिक सूरज के ढलते ढलते
मैं चली उपवन के उस ओर
पावं बढ़ाती हल्के हल्के ।।
फिर रही निहारती अपलक मैं,
गुलमोहर की डालों को
लाल दहकते फूलों की
खिली खिली मोहकता को ।।
न जाने किस वनमाली ने
उसका अभिनव श्रृंगार किया
लाल लाल पहना कर चूनर
दुल्हन सा उसको सजा दिया ।।
अमलतास का स्वर्णिम झूमर भी,
कानों में है पहना दिया
स्वयं मुग्धा नायिका बनी वो
मन ही मन में विहंस रही थी
पवन की मीठी अठखेली से
वह पुलकित मन से थिरक रही थी ।।
उसके सिंदूरी साए में,
मैं सम्मोहित हो बैठ गई
सृष्टि की इस रचना को
किन किन शब्दों में बाँधू मै,
सृष्टा की इस जादूगरी को
कितना आज सराहूँ मैं ।।

वन्दे मातरम का सम्मान

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

वन्दे मातरम् की गूंज उठी,
भारत माँ की शान,
राष्ट्रगान-सा दर्जा पाकर,
हर दिल की पहचान।
माटी की खुशबू इसमें,
नदियों का 'मधुर' गान,
वीरों के बलिदानों से,
महकता इसका सम्मान।
जब-जब ये गाते जाए,
'देशभक्ति' उमड़ पड़ती,
भारतमाता के चरणों में,
श्रद्धा खुद ही झुकती।
राष्ट्रगान संग इसका,
'सम्मान' और बढ़ जाएगा,
हर भारतीय के मन में,
'देशप्रेम' दीप जलाएगा।
वन्दे मातरम् शब्द नहीं,
जन-2 की अभिलाषा,
ये भारत की गौरव गाथा, माँ भारती की भाषा।
'150 वर्ष' पूर्ण होने पर नए भारत को दें दिशा,
संस्कृति मंत्रालय से यह सम्मान की थी आशा।

दूरी

डॉ टी महादेव राव

नहीं नाप सकते
सभी दूरियां मील के पत्थरों से
कहां-कहां का टिकट मांगोगे
जब मंजिल का पता नहीं है
हंसते दो होठों के बीच
देखते दो आंखों के मध्य
जान पहचान के चार बातों के दरमियान
लेन-देन करते शरीरों के बीच
कौन सी दूरी किस रंग में है
तुम्हें भी नहीं मालूम
मैं भी नहीं जानता
अंतरिक्ष को करीब ला सकने की आसानी से
आत्माओं को दूर कर लिए हैं
समुद्र है या मरुस्थल
घना जंगल या हिमालय
दूरी का रूप जाने बिना
अपने आप को किस अस्त्र सा
बनाकर दूरी को ध्वंस करोगे
हाथ मिलाए कंधे मिलाकर
नींद मिलाई सपने मिलाकर
दूरियों की हिफाजत से पहरेदारी में
जाति धर्म रंग सीमाएं
ये मात्र दूरियां नहीं हैं
तुम्हें भी मालूम मुझे भी मालूम
चमड़े की थैली में
खून भरने जितना सरल नहीं
दिलों के बीच की दूरी को मिटाना
भौतिक हो या आत्मिक या आध्यात्मिक
दूरी की बात कहीं पर
तुम्हारा मुझे और मेरा तुम्हें
देखना सच्चाई तो नहीं है
इतने पास में भी हमारी अपरिचित
अनजानी दूरी कोई है
नए महाद्वीप नहीं
अब दूरियों की खोज होनी चाहिए
आओ मैं तुम्हें अपने कांधे पर बिठाकर
मैं तुम्हारे कांधे पर बैठकर
चलो चलते हैं

घर से चिट्ठी

बी. पी. आचार्य

पिताजी ने आज
सेवानिवृत्ति के कागज़ातों पर
हस्ताक्षर कर दिए,
और लिखा है, कि वह चाहते हैं
शांति से एकांत में चले जाना
और एक किताब लिखना ।
वह किस विषय पर लिखेंगे?
अपने उन सपनों पर,
जिनके
धुंधले पड़ जाने का डर है,
जिन्हें वह मुझमें
फिर से जीने की कोशिश करते हैं!
बेटे, तुम्हारी नौकरी कैसी है?
आशा है कि तुम ठीक होगे,
वह लिखते हैं,
अखाड़े के किनारे से
पीछे मुड़कर देखते हुए।
अपनी मोतियाबिंद से ग्रस्त आँखों के साथ,
और खुद को यह भरोसा दिलाते हुए
कि जंग अभी जारी है.....
और सपने अभी मरे नहीं हैं!

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्णम
रविवार, 10 मई, 2026

जब जनसेवा ही मूल मंत्र बन जाए

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी राजनीति मानी जाती रही है। कभी राजनीति का अर्थ लोककल्याण, सेवा, नैतिकता और जनविश्वास हुआ करता था। नेताओं को समाज का मार्गदर्शक माना जाता था और राजनीतिक जीवन त्याग, संघर्ष तथा सिद्धांतों का प्रतीक समझा जाता था। लेकिन समय के साथ राजनीति का चरित्र तेजी से बदला है। आज राजनीति विचार और सेवा की जगह सत्ता, स्वार्थ और अवसरवाद के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती है। यही कारण है कि जनता और राजनीति के बीच विश्वास का संकट लगातार गहराता जा रहा है।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौर की राजनीति का आधार राष्ट्रहित और जनसेवा था। महात्मा गांधी, सरदार पटेल, डॉ. राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का साधन माना। उस समय राजनीतिक मतभेद होते थे, लेकिन वैचारिक प्रतिबद्धता और नैतिक सीमाएं भी थीं। विरोधियों के प्रति सम्मान था और जनता के हित सर्वोपरि माने जाते थे। लेकिन आज राजनीति का केंद्र बदल चुका है। अब विचारधारा से अधिक महत्व चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने को दिया जाने लगा है। दल-बदल, आरोप-प्रत्यारोप, जातीय समीकरण और व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं राजनीति की नई पहचान बनती जा रही हैं। जिस राजनीति का उद्देश्य समाज को दिशा देना था, वही आज कई बार समाज को विभाजित करने का माध्यम बन जाती है। चुनावी लाभ के लिए धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्रीय भावनाओं का उपयोग आम हो चुका है।

सबसे चिंताजनक स्थिति दल-बदल की राजनीति को लेकर है। लोकतंत्र में जनता किसी नेता को एक विचारधारा और पार्टी के आधार पर चुनती है, लेकिन आज कई नेता चुनाव जीतने के बाद सुविधानुसार पाला बदल लेते हैं। यह केवल राजनीतिक नैतिकता का प्रश्न नहीं, बल्कि मतदाता के विश्वास के साथ भी धोखा है। विडंबना यह है कि दल-बदल विरोधी कानून होने के बावजूद राजनीतिक अवसरवाद पर प्रभावी रोक नहीं लग सकी है। सत्ता के समीकरण बदलते ही नेताओं की विचारधारा भी बदल जाती है।

आज राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का स्तर भी लगातार गिर रहा है। स्वस्थ बहस और नीति आधारित चर्चा की जगह व्यक्तिगत हमले और कटु बयानबाजी ने ले ली है। संसद और विधानसभाएं, जिन्हें लोकतांत्रिक विमर्श का सबसे बड़ा मंच माना जाता था, कई बार शोर-शराबे और टकराव का केंद्र बन जाती हैं। इससे लोकतंत्र की गरिमा कमजोर होती है और जनता के भीतर राजनीति के प्रति निराशा बढ़ती है।

राजनीति में बढ़ता धनबल और बाहुबल भी गंभीर चिंता का विषय है। चुनाव लड़ना अब इतना महंगा हो चुका है कि आम और ईमानदार व्यक्ति के लिए राजनीति में टिक पाना कठिन होता जा रहा है। कई बार योग्य और जनसेवा के प्रति समर्पित लोग संसाधनों की कमी के कारण पीछे रह जाते हैं, जबकि प्रभावशाली और धनवान लोग सत्ता तक पहुंच जाते हैं। इससे राजनीति में नैतिकता और पारदर्शिता कमजोर होती है।

सोशल मीडिया और डिजिटल राजनीति ने भी राजनीतिक संस्कृति को नई दिशा दी है। सूचना के तेज प्रवाह ने जनता को अधिक जागरूक बनाया है, लेकिन इसके साथ फर्जी प्रचार, ट्रोल संस्कृति और भ्रम फैलाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। कई बार राजनीतिक दल वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाकर भावनात्मक और प्रचार आधारित राजनीति को बढ़ावा देते हैं। इससे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि संकट जैसे गंभीर मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। हालांकि, राजनीति का पूरा परिदृश्य नकारात्मक भी नहीं है। देश में आज भी कई ऐसे नेता और कार्यकर्ता हैं जो ईमानदारी और जनसेवा की भावना के साथ काम कर रहे हैं। कई राज्यों में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में सकारात्मक पहलें भी हुई हैं। लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि जनता अंततः सही और गलत का फैसला करती है। जब-जब राजनीति में अहंकार और अवसरवाद बढ़ा है, जनता ने चुनाव के माध्यम से उसका जवाब भी दिया है।

आज आवश्यकता राजनीति को फिर से मूल्यों और जनसेवा से जोड़ने की है। राजनीतिक दलों को केवल चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टि पर काम करना होगा। युवाओं को राजनीति में भागीदारी के लिए प्रेरित करना होगा ताकि नई सोच और स्वच्छ नेतृत्व सामने आ सके। राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करना भी जरूरी है। साथ ही, जनता की भी बड़ी जिम्मेदारी है। यदि मतदाता जाति, धर्म और तात्कालिक लालच से ऊपर उठकर ईमानदार और सक्षम नेतृत्व को चुनेंगे, तभी राजनीति की दिशा बदलेगी। लोकतंत्र केवल नेताओं से नहीं चलता, बल्कि जागरूक नागरिकों से भी मजबूत होता है।

दरअसल, राजनीति अपने आप में बुरी नहीं होती। राजनीति ही समाज और राष्ट्र को दिशा देती है। लेकिन जब राजनीति से नैतिकता, सेवा और संवेदनशीलता समाप्त होने लगती है, तब लोकतंत्र कमजोर पड़ने लगता है। आज देश को ऐसी राजनीति की जरूरत है जो सत्ता नहीं, समाज को केंद्र में रखे; जो विभाजन नहीं, विश्वास पैदा करे; और जो केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि देश को बेहतर बनाने के लिए काम करे।

भारी विरोध के बावजूद भाजपा कैसे जीतेगी पंजाब में ?

अशोक भाटिया

पं. बंगाल, असम, पुडुचेरी में भारी जीत के बाद भाजपा के हौंसले बुलंद है और जीत का झंडा पंजाब में लहराने का मन बना रही भाजपा के लिए पंजाब टेढ़ी खीर से कम नहीं। 2027 में पंजाब में विधानसभा चुनाव है और ऐसे में भाजपा पंजाब का किला भेदने की हर कोशिश में जुटी है लेकिन क्या भाजपा से नाराज चल रहा पंजाब का एक बड़ा गुट,पार्टी को माफ करेगा,क्या इस बार बंगाल की तरह भाजपा पंजाब में भी कमल खिलाएगी ? क्या आम आदमी पार्टी और कांग्रेस भाजपा के रणनीति का शिकार होंगे ? सवाल कई है

दरअसल इस समय भाजपा नेतृत्व इसे अगले संभावित "डोमिनो" के रूप में देख रहा है—ऐसा राज्य जहां राजनीतिक अस्थिरता और विपक्षी दलों की कमजोरी उसे नई संभावनाएं दे सकती है। इसी सोच के तहत भाजपा ने एक बड़ा रणनीतिक फैसला लिया है। पार्टी ने संकेत दे दिए हैं कि वह 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी, यानी किसी क्षेत्रीय सहयोगी के सहारे नहीं।

डोमिनो प्रभाव एक ऐसी श्रृंखला प्रतिक्रिया है, जहां एक घटना या क्रिया अपने समान अन्य घटनाओं की एक श्रृंखला को जन्म देती है, ठीक वैसे ही जैसे एक के बाद एक रखे गए डोमिनो टाइल्स के गिरने से पूरी कतार गिर जाती है। यह अवधारणा बताती है कि कैसे एक छोटा सा बदलाव या शुरुआती घटना बहुत बड़े और व्यापक परिणाम पैदा कर सकती है। वैसे देखा जाय तो पंजाब में भाजपा की मौजूदगी नई नहीं है। आज़ादी के बाद से ही पार्टी (और उससे पहले भारतीय जनसंघ) राज्य की राजनीति में सक्रिय रही है। लेकिन लंबे समय तक उसका प्रभाव मुख्यतः शहरी हिंदू वोटरों और व्यापारिक वर्ग तक सीमित रहा।1992 से पहले जब भाजपा अकेले चुनाव लड़ती थी, तब उसका औसत वोट शेयर लगभग 6-7% के बीच रहता था। 1997 में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन के बाद यह बढ़कर लगभग 8% तक पहुंचा।हालांकि गठबंधन ने भाजपा को सत्ता में भागीदारी तो दी, लेकिन उसका राजनीतिक विस्तार सीमित ही रहा। अकाली दल 94 सीटों पर चुनाव लड़ता था जबकि भाजपा के हिस्से केवल 23 सीटें आती थीं। भाजपा के कई नेताओं का मानना था कि इस "जूनियर पार्टनर मॉडल" ने पार्टी को पंजाब में स्वतंत्र पहचान बनाने से रोक दिया। 2020 में कृषि कानूनों के खिलाफ हुए व्यापक आंदोलन ने पंजाब की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। किसानों के तीखे विरोध के बीच अकाली दल ने एनडीए से अलग होने का फैसला लिया।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यही वह मोड़ था जिसने भाजपा को पंजाब में "नई शुरुआत" का अवसर दिया। गठबंधन टूटने के बाद भाजपा अब अपने संगठनात्मक विस्तार और नए सामाजिक समीकरणों पर खुलकर काम कर पा रही है।इसी वर्ष मार्च में अमित शाह ने मोगा की "बदलाव रैली" में अकेले चुनाव लड़ने का संकेत देकर स्पष्ट कर दिया कि भाजपा अब पंजाब में सहायक दल नहीं, बल्कि मुख्य शक्ति बनने की रणनीति पर काम कर रही है।

भाजपा की रणनीति केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं है। पार्टी यह भी मान रही है कि पंजाब की मौजूदा राजनीति में एक "राजनीतिक खालीपन" बन रहा है। आम आदमी पार्टी 2022 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन अब उसे आंतरिक असंतोष और नेतृत्व संबंधी सवालों का सामना करना पड़ रहा है। राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लगे व्यक्तिगत आरोपों ने विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दिया है।

भारत-मेडिकल टूरिज्म नहीं, स्वास्थ्य पुनर्जागरण का भारतीय मंदिर

आर के जैन

स्वास्थ्य क्रांति के वैश्विक मानचित्र पर भारत अब निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। दुनिया जहां महंगे इलाज और सीमित सुविधाओं से जूझ रही है, वहीं भारत किफायती, गुणवत्तापूर्ण और समग्र चिकित्सा का मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। प्राचीन आयुष परंपरा और आधुनिक चिकित्सा तकनीक का संगम इसे विशिष्ट पहचान देता है। 2025 में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल बाजार लगभग 8.7 बिलियन डॉलर है, जो 2030 तक 16.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भारत के वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व के उदय का स्पष्ट संकेत है। भारत अब सिर्फ इलाज का विकल्प नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद वैश्विक चिकित्सा गंतव्य बनता जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में किफायत और गुणवत्ता का संतुलन बनाकर भारत एक नई परिभाषा स्थापित कर रहा है। अमेरिका और यूरोप की तुलना में यहां हृदय बाईपास, कैंसर उपचार, हिप-नी रिप्लेसमेंट, अंग प्रत्यारोपण और आईवीएफ जैसी जटिल प्रक्रियाएं 60 से 90 प्रतिशत तक कम खर्च में उपलब्ध हैं। यही कारण है कि भारत अब "सस्ता विकल्प" नहीं, बल्कि "सर्वोत्तम मूल्य" वाला देश बन चुका है। जेसीआई और एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पताल, आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टर विदेशी मरीजों का विश्वास लगातार बढ़ा रहे हैं। 2025 में 9.15 मिलियन विदेशी पर्यटकों में से लगभग 5.07 लाख मरीज उपचार के लिए भारत आए, जो इसकी बढ़ती चिकित्सा विश्वसनीयता को दर्शाता है। यह प्रवृत्ति हर वर्ष तेज गति से आगे बढ़ रही है।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन रहा है। आयुष प्रणाली अब केवल वेलनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि गंभीर रोगों के बाद तेजी से रिकवरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, क्रॉनिक बीमारियों के प्रबंधन और मानसिक तनाव में राहत देने में प्रभावी सिद्ध हो रही है। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी आज वैश्विक आकर्षण का केंद्र हैं। यूनियन बजट 2026-27 में पाँच क्षेत्रीय मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की घोषणा की गई है, जहां आधुनिक चिकित्सा और आयुष सेवाएं एकीकृत रूप से उपलब्ध होंगी। साथ ही तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित किए जाएंगे। यह समन्वय भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

नीतिगत दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ने भारत को वैश्विक हेल्थकेयर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मजबूत आधार दिया है। आयुष वीजा और "हील इन इंडिया" पोर्टल ने विदेशी मरीजों के लिए उपचार प्रक्रिया को सरल और सुगम बना दिया है। गुजरात के जामनगर में स्थित डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर आयुष को अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान कर रहा है। हैदराबाद, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और कोच्चि जैसे शहर मेडिकल टूरिज्म के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। यहां आधुनिक अस्पतालों के साथ योग और पुनर्वास सुविधाएं भी विकसित हो रही हैं।

हंटा वायरस का संक्रमण लिए 29 क्रूज यात्री बारह देशों में फैल गए

स्नेहा सिंह

दुनिया में कब कौन-सी संक्रामक बीमारी फैल पड़े, इसका कुछ तय नहीं होता। अप्रैल महीने में अर्जेंटीना के उशुआइया बंदरगाह से एमवी होंडियस नामक क्रूज जहाज यात्रा पर निकला था, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि उसके साथ यात्रा कर रहे दो यात्री हंटा वायरस से संक्रमित हैं और उनकी यह यात्रा आखिरी साबित होगी। इस क्रूज पर 150 यात्री और 28 अलग-अलग देशों के नाविक काम कर रहे थे। दो डच यात्री पति-पत्नी दक्षिण अमेरिका में पक्षी निरीक्षण करने लैंडिफिल नामक क्षेत्र में गए थे, जहां उन्हें चूहों के माध्यम से हंटा वायरस का संक्रमण लगा था। सामान्य रूप से हंटा वायरस चूहों के मूत्र, लार और मल के माध्यम से फैलता है। यदि यह वायरस हवा में मौजूद हो तो वह सांस के जरिए मनुष्यों के शरीर में भी प्रवेश कर सकता है।

कई बार चूहे के काटने से या उसके द्वारा दूषित भोजन खाने से भी संक्रमण फैलता है। सामान्य रूप से यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता, लेकिन अर्जेंटीना और चिली में पाया जाने वाला एंडिस स्ट्रेन लोगों में फैलता हुआ पहले भी देखा गया है। क्रूज में यात्रा करने वाले यात्री इसी एंडिस वायरस से संक्रमित होने की आशंका है। चिली के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार संक्रमित व्यक्ति की लार, मूत्र और नाक के स्राव में यह वायरस पाया जाता है। जब संक्रमित व्यक्ति बहुत ज्यादा बीमार हो, तब उसे चूमने से, उसकी इस्तेमाल की हुई स्ट्रॉ से पानी पीने से या उसके खांसने और छींकने से भी यह हंटा वायरस लोगों में फैल सकता है। एक अन्य अध्ययन के अनुसार परिवार के सदस्यों की तुलना में यौन साथी से संक्रमण फैलने का खतरा दस गुना अधिक होता है। इसके बावजूद यह हंटा वायरस कोरोना या सामान्य सर्दी-खांसी की तरह नहीं फैलता।

यह हंटा वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम-एचपीएस उत्पन्न करता है, जिसमें फेफड़ों में पानी भर जाता है। इसके कारण व्यक्ति को सांस लेने में अत्यधिक तकलीफ होती है। जिन लोगों को यह संक्रमण हो जाता है, उनमें से 50 प्रतिशत लोगों की जान खतरे में पड़ जाती है।

पहली अप्रैल को यह क्रूज अर्जेंटीना के उशुआइया बंदरगाह से रवाना हुआ था। छह अप्रैल को एक 70 वर्षीय यात्री को बुखार आया और पांच दिन बाद उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद उसकी पत्नी की भी दक्षिण अफ्रीका में मृत्यु हो गई। फिर एक ब्रिटिश यात्री में भी संक्रमण पाया गया। 29 अप्रैल को यह क्रूज सेंट हेलेना द्वीप पर रुका, जहां उसके 29 यात्रियों के साथ एक शव भी उतारा गया था। उस समय किसी को यह जानकारी नहीं थी कि हंटा वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल रहा है। इसके कारण ये 29 यात्री दुनिया के अलग-अलग देशों के लिए रवाना हो गए थे। अब ये यात्री कनाडा, अमेरिका, सेंट किट्स एंड नेविस, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, स्वीडन, डेनमार्क, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, तुर्की, सिंगापुर और न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं। इन देशों की सरकारें अब इन यात्रियों को खोजकर उन्हें आइसोलेट करने का प्रयास कर रही हैं। फिलहाल यह क्रूज कैनरी द्वीपों की ओर जा रहा है। अर्जेंटीना, केप वर्डे, स्पेन और इज़राइल जैसे देश इस मामले में सतर्क हो गए हैं।

इससे पहले 2020 में अर्जेंटीना के चूबुत प्रांत में हंटा वायरस संक्रमण से 11 लोगों की मौत हुई थी। उस समय सुपरस्प्रेडर्स के कारण संक्रमण व्यापक रूप से फैल गया था। लेकिन अब ट्रेसिंग और आइसोलेशन के जरिए इसके प्रसार को रोका जा सकता है। एक संक्रमित व्यक्ति कितने लोगों को संक्रमण फैला सकता है, उसके आधार पर वायरस का आर नंबर तय किया जाता है। शुरुआत में हंटा वायरस का आर नंबर 2.12 के आसपास पाया गया था, लेकिन बाद में संक्रमण को नियंत्रित कर लिए जाने पर यह आर नंबर घटकर एक से कम हो गया था। हालांकि हंटा वायरस संक्रमण का अभी तक कोई प्रभावी इलाज उपलब्ध नहीं है, इसलिए इससे बचाव ही सबसे जरूरी है। इसकी कोई वैक्सीन भी नहीं खोजी गई है। सामान्य रूप से हंटा वायरस से संक्रमित व्यक्ति का उपचार आक्सीजन थेरेपी या वेंटिलेशन मशीन के माध्यम से किया जाता है। शुरुआत में इसके लक्षण फ्लू जैसे होते हैं- बुखार आना, शरीर टूटना और कमजोरी महसूस होना। इसके बाद अचानक मरीज की हालत बिगड़ने लगती है। वायरस के कारण रक्त नलिकाएं कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे फेफड़ों में तरल पदार्थ भरने लगता है। मरीज को ऐसा महसूस होता है कि वह हवा में रहते हुए भी डूब रहा है। इस समय ईसीएमओ मशीन के माध्यम से मरीज की जान बचाई जाती है। ईसीएमओ मशीन फेफड़ों और हृदय का काम बाहर से करती है। चिली और अर्जेंटीना में, जहां हंटा वायरस संक्रमण सामान्य है, वहां यदि किसी व्यक्ति में इसके लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत ईसीएमओ सुविधा वाले स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर दिया जाता है।

हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्ल्यूएचओ इस समस्या को फिलहाल एक सार्वजनिक घटना के रूप में देख रहा है। संगठन के अधिकारियों के अनुसार यह कोई महामारी नहीं है। जानकारों के अनुसार बहुत गहरे संपर्क के बिना इसका संक्रमण तेजी से नहीं फैलता।

क्षेत्रीय शक्ति बनी राष्ट्रीय चुनौती

भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश का विपक्ष सत्ता से अधिक स्वयं से संघर्ष करता दिखाई देता है। एक ओर केंद्र में मजबूत नेतृत्व वाली सरकार है, तो दूसरी ओर विपक्षी दलों का ऐसा समूह है, जिसमें हर नेता स्वयं को राष्ट्रीय धुरी मानने लगा है। यही कारण है कि विपक्ष की राजनीति आज विचारधारा से अधिक व्यक्तित्वों की लड़ाई बनती जा रही है। क्षेत्रीय दलों के बढ़ते प्रभाव ने भारतीय लोकतंत्र को विविधता और प्रतिनिधित्व तो दिया, लेकिन इसके साथ-साथ राजनीतिक विखंडन और नेतृत्व संघर्ष की नई समस्या भी खड़ी कर दी। यही स्थिति आज देश की विपक्षी राजनीति को "क्षयत्रप" की अवस्था में ले आई है। दरअसल, भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों का उदय कोई अचानक हुई घटना नहीं है। यह लंबे समय तक राष्ट्रीय दलों की उपेक्षा, राज्यों की आकांक्षाओं और स्थानीय अस्मिता की राजनीति का परिणाम था। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति, पश्चिम बंगाल में वामपंथ और बाद में तृणमूल कांग्रेस, बिहार में सामाजिक न्याय की राजनीति, ओडिशा में बीजू जनता दल, तेलंगाना में क्षेत्रीय अस्मिता और पंजाब में अकाली राजनीति—इन सबने यह सिद्ध किया कि भारतीय लोकतंत्र केवल दिल्ली से संचालित नहीं हो सकता। राज्यों की आवाज को राष्ट्रीय राजनीति में स्थान मिलना ही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है।

लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब क्षेत्रीय आकांक्षाएं राष्ट्रीय दृष्टि पर हावी होने लगती हैं। आज विपक्षी दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि आपसी अविश्वास और नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा है। हर दल अपने राज्य में मजबूत है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर कोई भी दूसरे के नेतृत्व को सहजता से स्वीकार करने को तैयार नहीं। यही कारण है कि विपक्षी एकता की तमाम कोशिशें बार-बार तस्वीरों और बैठकों तक सीमित रह जाती हैं। मंच साझा होता है, बयान जारी होते हैं, लेकिन चुनाव आते ही वही दल एक-दूसरे के खिलाफ खड़े दिखाई देते हैं।

ममता बनर्जी, एम.के. स्टालिन, तेजस्वी यादव, उद्धव ठाकरे, अरविंद केजरीवाल या अन्य क्षेत्रीय नेता—सभी अपने-अपने राज्यों में प्रभावशाली हैं। लेकिन राष्ट्रीय राजनीति केवल क्षेत्रीय लोकप्रियता से नहीं चलती। इसके लिए साझा दृष्टि, वैकल्पिक नीति और भरोसेमंद नेतृत्व की आवश्यकता होती है। विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि उसके पास सरकार के खिलाफ नाराजगी तो है, पर देश के सामने स्पष्ट विकल्प नहीं है। केवल "भाजपा विरोध" किसी राष्ट्रीय गठबंधन की स्थायी नींव नहीं बन सकता।

इसके साथ ही विपक्ष के भीतर वैचारिक विरोधाभास भी गहरे हैं। कई दल धर्मनिरपेक्षता की बात करते हैं, लेकिन क्षेत्रीय समीकरणों के अनुसार अपने रुख बदलते रहते हैं। कुछ दल सामाजिक न्याय की राजनीति करते हैं, तो कुछ विकास और कल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता देते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि विपक्ष के पास साझा न्यूनतम कार्यक्रम से अधिक साझा अवसरवाद है। यही कारण है कि जनता के बीच विपक्ष की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है। हालांकि, इसका दूसरा पक्ष भी है। मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रभावी विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितनी मजबूत सरकार। यदि विपक्ष कमजोर होगा तो सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ेगा और लोकतांत्रिक संतुलन प्रभावित होगा। क्षेत्रीय दलों ने कई बार केंद्र सरकारों को जनता के मुद्दों पर जवाबदेह बनाने का काम किया है। कृषि कानूनों से लेकर राज्यों के अधिकारों तक, कई मामलों में क्षेत्रीय दलों ने राष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित किया है। इसलिए क्षेत्रीय राजनीति को केवल नकारात्मक दृष्टि से नहीं देखा जा सकता।

असल चुनौती यह है कि क्या ये दल अपने-अपने सीमित राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय दृष्टि विकसित कर पाएंगे? क्या वे व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाओं को नियंत्रित कर लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के मुद्दों पर एकजुट हो सकेंगे? आज विपक्ष के भीतर जिस प्रकार नेतृत्व को लेकर खींचतान दिखाई देती है, वह जनता के विश्वास को कमजोर करती है। लोकतंत्र में केवल सत्ता पक्ष की मजबूती पर्याप्त नहीं होती, बल्कि विपक्ष की गंभीरता भी उतनी ही आवश्यक होती है। भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि जब भी विपक्ष ने साझा एजेंडे और स्पष्ट नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ा, तब उसने सत्ता परिवर्तन की क्षमता दिखाई। 1977 में आपातकाल के बाद जनता पार्टी का उभार हो या 1989 में राष्ट्रीय मोर्चे की राजनीति—इन उदाहरणों ने साबित किया कि विविध विचारधाराओं के बावजूद साझा लक्ष्य संभव है। लेकिन वर्तमान विपक्ष उस स्तर की राजनीतिक परिपक्वता और त्याग दिखाने में असफल नजर आता है।आज देश बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। जनता को ऐसे विपक्ष की जरूरत है जो केवल आरोप-प्रत्यारोप न करे, बल्कि ठोस वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करे। यदि विपक्ष केवल व्यक्तिगत नेतृत्व की लड़ाई में उलझा रहेगा, तो लोकतंत्र में उसकी भूमिका सीमित होती जाएगी। "क्षयत्रप" की यह स्थिति केवल विपक्ष की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक राजनीति की चिंता है। क्षेत्रीय दलों की शक्ति भारतीय संघवाद की पहचान है, लेकिन वही शक्ति यदि सामूहिक राष्ट्रीय दृष्टि में परिवर्तित न हो सके, तो वह राजनीतिक विखंडन का कारण बन जाती है। आज जरूरत इस बात की है कि विपक्ष आत्ममंथन करे, जनता के वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित हो और व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा से ऊपर उठकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़े।

जो होना है, होकर रहेगा : 'वाणी कपूर'

वाणी कपूर को मायानगरी में काम करते हुए 13 साल हो चुके हैं लेकिन मुंबई में अपने शुरुआती संघर्ष के दिन उसके मन में आज भी ताजा हैं।

उसने बताया कि मुंबई में अपने शुरुआती दिनों को वह आज भी याद करती है और मानती है कि 'इंट्रोवर्ट' (अंतर्मुखी) होने की वजह से दिल्ली से आने के बाद उसके लिए ग्लैमरस बॉलीवुड की दुनिया और उसके तरीकों में खुद को एडजस्ट करना मुश्किल हो गया था। वह बिना किसी को जाने - कोई परिवार, न कोई दोस्त, और न ही कोई काम उसके पास था।

उसने खु द से कहा कि वह इस सपने को एक या दो साल देगी और अगर यह पूरा नहीं हुआ वह जीवन में आगे बढ़ जाएगी। अपने और अपने परिवार के लिए जिम्मेदारी का एहसास होने के कारण, वह बिना किसी साफ दिशा के लगातार स्ट्रगल नहीं करना चाहती थी। उस दौरान अनिश्चितता, अकेलापन और खुद पर शक उसके लगातार साथी थे । वह अक्सर अकेले बैठती और सोचती कि क्या वह सच में यहां कुछ कर पाएगी।

हालांकि, यह उसका आत्मविश्वास ही था जिसने उसे आगे बढ़ाया। वह कभी किसी मौके को हल्के में नहीं लेती और पूरी तरह से उसके आगे खुद को समर्पित कर देती है।

वाणी अपने करियर की चुनौतियों पर कहती है, "मेरी चुनौतियां लोगों को इतनी दिखाई नहीं देती हैं, क्योंकि वे इतनी मुखर नहीं रही हैं मगर कई बार ऐसा हुआ है कि मेरे प्रॉजेक्ट्स लंबे-लंबे गैप के बाद आए हैं तो क्रिएटिव संतुष्टि महसूस नहीं होती । फिर, मेरी आदत है कि मैं खुद को लेकर बहुत आलोचनात्मक हो जाती हूं। खुद के साथ बहुत कठोर ती हूं। मेरी सबसे बड़ी जद्दोजहद ही यह रहती है कि खुद के प्रति दयालु रहूं, क्योंकि मैं खुद भी एक दबाव बना लेती हूं।

मैं 'बहुत बार ऐसे ख्याल भी आते हैं कि क्या मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी भी हूं ? क्या मुझे यहां होना चाहिए? क्या मैं कभी वहां पहुंच पाऊंगी, जहां मैं रचनात्मक संतुष्टि महसूस करूं? तो मेरी एक लड़ाई रही है, जो मैंने अकेले झेली है मगर फिर अंदर से एक आवाज आती है कि - कोई बात नहीं, तुम मेहनत करो, जब जो होना होगा, वह होगा। अपनी तरफ से कोई कमी नहीं छोड़ो, बाकी भगवान पर छोड़ दो। फिर, हमारी इंडस्ट्री इतनी अनिश्चितता से भरी है कि वह आपको धैर्य, विनम्रता, दृढ़ता सिखा ही देती है । मैं असफलताओं से भी बहुत सीखती हूं- वे आपको ज्यादा मजबूत और बेहतर इंसान बनाती हैं।

10 साल से ईरान में बैन है 'मंदाना करीमी'

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत का जश्न मनाने वाली ईरानी मूल की एक्ट्रैस मंदाना करीमी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी रहती है। हालांकि, अब उसका कहना है कि उसकी बातों को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़ के पेश किया जा रहा है और ईरान की असली कहानी दुनिया को बताने की बजाय उसके बयानों को सनसनीखेज तरीके से पेश किया जा रहा है।

उसने सोशल मीडिया पर अपने विरोध में फैली बातों को लेकर सफाई देते हुए यह भी स्पष्ट किया कि आने वाले समय में वह भारत में रहेगी भी या नहीं।

उसने बताया कि उसके भारत छोड़ने की चर्चा हो रही है और लोगों को लग रहा है कि वह वापस ईरान जाने वाली है लेकिन ऐसा नहीं है। उसने बताया कि ईरान में वह बीते 10 साल से बैन है और वह भारत जरूर छोड़ेगी, लेकिन वापस ईरान जाने के लिए नहीं ।

भारत पर धोखा देने के अपने बयान पर उसने सफाई दी है कि कई महीनों से उसे यहां किसी तरह का सपोर्ट नहीं मिला है और सुरक्षा कारणों की वजह से वह बीते 2 महीनों से एक ही जगह पर फंसी है और अपने करीबी दोस्तों से दूर है। उसने बताया कि उसके इवैंट्स भी कैंसिल हो चुके हैं।

ईरान के लिए बोलने से पीछे नहीं हटूंगी

उसने कहा, बातचीत मेरे लोगों के बारे में होनी चाहिए, उनकी परेशानियों के बारे में, ईरान के भविष्य के बारे में, और हमारे नेता रजा शाह पहलवी के बारे में, जिन्हें कई ईरानी इस शासन के पतन के बाद अपने देश के पुनर्निर्माण की उम्मीद के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

"महत्वपूर्ण बात यह है कि इस्लामी गणराज्य की सच्चाई क्या है और इस शासन का अंत क्यों होना चाहिए। महत्वपूर्ण है कि उन ईरानियों की आवाज सुनी जाए जो स्वतंत्रता के लिए सब कुछ दांव पर लगा रहे हैं। मैं ईरान और अपने लोगों के बारे में बोलने से कभी पीछे नहीं हटूंगी। न आज, न कल, न कभी।

बता दें कि मंदाना ने गत दिनों कहा था कि भारत में उसे काफी समय से काम नहीं मिल रहा और ईरान के हक में बोलने की वजह से कई दोस्तों ने उसका साथ छोड़ दिया। यही कारण है कि अब वह भारत छोड़ना चाहती है।

5 साल बाद टूटी 'एवलिन शर्मा की शादी

फिल्म 'ये हां, हमने अपने रोमांटिक रिश्ते को खत्म करके अलग होने का फैसला किया है। जवानी है दीवानी' से लोकप्रियता पाने वाली एवलिन शर्मा के चाहने वालों के लिए एक दुखभरी खबर है। जर्मनी में पैदा हुई इस एक्ट्रैस ने शादी के 5 साल बाद पति से अलग होने का फैसला किया है। 39 वर्षीय एवलिन 2

बच्चों की मां है। उसने साल 2021 में डेंटल सर्जन और बिजनैसमैन तुषान भिंडी से शादी की थी। एक-दूसरे का सम्मान करते हुए दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है जबकि आगे वे साथ मिलकर अपने बच्चों की परवरिश करेंगे।

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' में लारा के रोल में सुर्खियां बटोरने वाली एवलिन ने पति से अलग होने की पुष्टि करते हुए कहा, बच्चों की परवरिश दोस्त बनकर करेंगे एवलिन ने अपनी निजी जिंदगी के इस सबसे बड़े फैसले को लेकर आगे कहा, "हम अलग हो रहे हैं, लेकिन अपने बच्चों की मिलकर परवरिश करने पर पूरी तरह से ध्यान दे रहे हैं । हम उम्मीद करते हैं कि हमारी निजता का सम्मान किया जाएगा और हम भरोसा दिलाते हैं कि जितना सके, यह अलगाव उतना सौहार्दपूर्ण है । हम अपनी जिंदगी के इस नए चैप्टर की शुरुआत एक-दूसरे के साथ जिंदगी भर की दोस्ती और मिलकर बच्चों की परवरिश करने के आधार पर कर रहे हैं।

शादी पर कही थी यह बात

एवलिन के पति से अलग होने की यह खबर ऐसे समय में आई है, जब कुछ साल पहले ही उसने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी अलग-अलग संस्कृतियों वाली शादी पर खुलकर बात की थी ।

एवलिन ने बताया था, ₹मेरे पति तकनीकी रूप से गुजराती हैं, लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर से हैं। मैं पंजाबी - जर्मन हूं, लेकिन मैं खुद को उनसे ज्यादा भारतीय मानती हूं। मैं 10 साल तक भारत में रही हूं । मैंने इतनी ज्यादा यात्राएं की हैं कि मैंने कई अलग-अलग संस्कृतियों को बहुत करीब से देखा है । हमारी शादी में ये अलग-अलग संस्कृतियां आपस में मिली- जुली हैं और इसलिए हम अपने रिश्ते के लिए अपने खुद के नियम बना रहे हैं ।

अमरीकी फिल्म से किया था डेब्यू

एवलिन का पूरा नाम एवलिन लक्ष्मी शर्मा है। वह जर्मनी में पैदा हुई और पालन-पोषण बवेरिया स्थित अशाफेनबर्ग में हुआ। एवलिन के पिता भारतीय पंजाबी हिंदू हैं और मां जर्मन । एवलिन के पास आज भी जर्मनी की नागरिकता है।

एक्ट्रैस और मॉडल एवलिन ने साल 2006 में अमेरिकी फिल्म 'टर्न लैफ्ट' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। साल 2012 में फिल्म 'फ्रॉम सिडनी विद लव' से उसने बॉलीवुड में कदम रखा और इसके अगले ही साल 2013 में फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' से उसे लोकप्रियता मिली।

फिर साल 2014 में वह सुपरहिट म्यूजिकल फिल्म 'यारियां' में नजर आई जिसमें उस पर फिल्माए गए गीत 'ब्लू है पानी पानी...' को खूब पसंद किया गया था। एवलिन इनके अलावा 'नौटंकी साला', 'कुछ कुछ लोचा है', 'मैं तेरा हीरो', 'हिंदी मीडियम', 'भैयाजी सुपरहिट' और 'जब हैरी मैट सेजल' जैसी पॉपुलर फिल्मों में नजर आ चुकी है। पिछली बार उसे 2019 में प्रभास के साथ 'साहो' में देखा गया था।

दिल टूटने पर क्या करती है अनन्या

फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। अनन्या पांडे इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर चर्चा में है। उसने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया और बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में आगे ले जाना चाहती है। अनन्या कहती है, "मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत-सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है।

उसने बताया कि उसके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती है। उसने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती है।

उसका उद्देश्य अब ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें। उसने कहा, "मैं कुछ ऐसे प्रोजैक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिन्हें हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बने रहें । उसने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उसका लगाव और गहरा होता जा रहा ।

उसने बताया, "फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं।

अगली फिल्म

फिल्म 'चांद मेरा दिल' में वह लक्ष्य लालवानी के साथ नजर आएगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटैं और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है।

विवेक सोनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। फिल्म में अनन्या'चांदनी' और लक्ष्य ' आरव' के रोल में नजर आएगा। अनन्या जल्द ही वैब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में भी नजर आने वाली है।

दिल टूटने का दर्द हर किसी के लिए अलग होता है । कोई चुप हो जाता है, कोई खुलकर रोता है । तो कोई खुद को काम में झोंक देता है। बॉलीवुड सितारे भी इससे अछूते नहीं हैं। अनन्या ने भी दिल के दर्द से निपटने का एक खास तरीका ढूंढ निकाला है जिसका सीधा कनैक्शन सिंगर अरिजीत सिंह से है । एक इवेंट के दौरान खुद अनन्या ने बताया कि वह दिल के दर्द से कैसे निपटती है। रोना, आईसक्रीम और अरिजीत सिंह अनन्या पूछा गया कि दिल टूटता है तो वह क्या करती है ?

इस सवाल पर अनन्या ने बेहद दिलचस्प जवाब देते हुए कहा, "मैं रोती हूं, आईसक्रीम खाती हूं, अरिजीत सिंह के दर्द भरे गाने सुनती हूं और फिर थोड़ी देर बाद भूल जाती हूं।

उसका यह जवाब जितना सिंपल था, उतना ही रिलेटेबल भी। आज के दौर में जहां लोग अपनी फीलिंग्स छुपाने की कोशिश करते हैं, वहीं अनन्या ने खुलकर यह माना कि दर्द को महसूस करना और उसे बाहर निकालना भी जरूरी है।

खासकर अरिजीत सिंह के इमोशनल गाने, जो दिल के जख्मों को जैसे आवाज दे देते हैं, उसकी हीलिंग प्रोसैस का अहम हिस्सा हैं।

रिश्तों से मिली सीख

अनन्या ने अपने पिछले रिश्तों को लेकर भी एक अहम बात साझा की। उसने बताया कि पहले वह रिश्ते में खुद को बदलने लगती थी ताकि सामने वाला ज्यादा रिलैक्स रह सके ।

उसने कहा कि वह खुद को शांत कर लेती थी या चुप हो जाती थी, जैसे खुद को बदल रही हो लेकिन अब उसे एहसास हुआ है कि किसी के लिए खुद को खो देना सही नहीं है । अकेले रहने और अपनी स्पेस को समझने से उसे रिश्तों को लेकर ज्यादा समझदारी वाला नजरिया मिला है।

बता दें कि वर्कफ्रंट से ज्यादा इन दिनों अनन्या अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में है। आदित्य रॉय कपूर के साथ उसका रिश्ता खत्म होने की खबरें आई थीं, वहीं अब उसका नाम मॉडल वॉकर ब्लैको के साथ जोडा जा रहा है।

सनी लियोन को अच्छी लगती हैं जिम्मेदारियां

सनी लियोन ने हाल के सालों में 'कान' और 'मामी' जैसे फिल्मोत्सवों में तारीफें बटोरने के बाद ओ.टी. टी. पर भी कदम रख दिए हैं। गत दिनों उसने अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म 'कैनेडी' के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्धि तथा प्रशंसा बटोरी है।

बॉलीवुड में करीब डेढ़ दशक बिता चुकी सनी ने मायानगरी में अपनी पहचान पुख्ता कर ही ली है। पोर्न एक्ट्रैस वाला उसका अतीत आज कहीं पीछे छूट चुका है। अब वह एक अभिनेत्री और बिजनैसवुमन के रूप में मजबूत और खुश होने के साथ ही तीन बच्चों की मां भी बन चुकी है।

सनी अपने तीनों बच्चों - निशा, आशेर और नोआ - को लेकर बहुत प्रोटैक्टिव है, ठीक किसी भी दूसरी मां की तरह ।

जहां एक तरफ उसे इस बात से कोई दिक्कत नहीं है कि सितारों के बच्चों के तौर पर उसके बच्चों पर लोगों का ध्यान ता है, वहीं उसे यह बिल्कुल पसंद नहीं आता जब उसकी पेरेंटिंग पर सवाल उठाए जाते हैं। गत दिनों लोगों ने सनी और उसके पति डेनियल वैबर की एक फोटो पर कमैंट किया, जिसमें वे दोनों अपनी बेटी का हाथ पकड़े हुए नहीं दिख रहे थे; इस पर ट्रोलर्स ने पूछा कि क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि वह गोद ली हुई है।

सनी कहती है, "मैं (सोशल मीडिया पर ऐसे कमैंट्स) नहीं पढ़ती। दूसरी तरफ, डेनियल सब कुछ पढ़ते हैं क्योंकि वह हमारी जिंदगी के हर पहलू - चाहे वह पर्सनल हो या प्रोफैशनल के बारे में बहुत जागरूक रहते हैं। इससे उन्हें बहुत दुख पहुंचा। मुझे उन्हें बार-बार समझाना पड़ा... मुझे भी दुख हुआ था, लेकिन हम दोनों एक साथ दुखी नहीं हो सकते थे। मुझे उनसे कहना पड़ा, 'तुम्हें पता है क्या ? ये लोग तुम्हें या हमें नहीं जानते; ये नहीं जानते कि हम अपने बच्चों के लिए क्या-क्या करते हैं।' उन्हें यह नहीं पता कि हमने अपने लिए कुछ ऐसे स्टैंडर्ड्स तय कर रखे हैं, जो शायद दूसरे माता-पिता नहीं करते। इस मामले में हम थोड़े ज्यादा ही सचेत हैं।₹

वह अफसोस जताते हुए कहती है, " वे हमारे लिए खाना नहीं बनाते, बच्चों के लिए सफाई नहीं करते, उनके साथ खेलते नहीं हैं, उन्हें स्कूल नहीं ले जाते और न ही उनके लिए और भी कई तरह के काम करते हैं। सिर्फ एक फोटो से यह तय नहीं हो जाता कि हम माता-पिता के तौर पर कैसे हैं। ₹

जब उसका पति इस घटना से बहुत ज्यादा परेशान था तो सनी ने उसे समझाते हुए एक हॉलीवुड स्टार का उदाहरण भी दिया, जिसे अपनी पेरेंटिंग स्किल्स को लेकर ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा था। उसने बताया, ₹लोग एक तस्वीर देखकर ही अंदाजा लगा लेते हैं... एक बार एक अमेरिकी सितारे के बच्चे के गिरने की तस्वीर सामने आई थी, तो लोगों ने कहा कि वह अपने बच्चे का ठीक से ध्यान नहीं रख रही है लेकिन आपको यह कैसे पता? इसलिए मुझे डेनियल को समझाना पड़ा, उसे इस तरह से बात समझानी पड़ी जिससे उसे भावनात्मक रूप से मदद मिल सके। वह बच्चों को लेकर बहुत ज्यादा संवेदनशील है, खासकर निशा को लेकर। वह अपने पापा की लाडली है; कोई भी उसके पास नहीं आ सकता या उसके बारे में कुछ भी बुरा नहीं कह सकता, वरना डेनियल बहुत ज्यादा परेशान और सुरक्षात्मक हो जाता है ।

काम और निजी जीवन में संतुलन पर बोली

गत दिनों एक इंटरव्यू में सनी ने अभिनेत्री, बिजनैस और तीन बच्चों की मां जैसी तिहरी जिम्मेदारियों के बीच संतुलन साधने पर बात करते हुए लेकर कहा था, मुझे लगता है, बैलेंस करने के अलावा और कोई चारा भी तो नहीं है। बिजनैस है तो आपको उसे भी संभालना है। बच्चे हैं, तो उनको भी सनी और डेनियल अपने बच्चों के साथ देखना है । अभिनय भी करना होता है, तो आपके पास और कोई ऑप्शन नहीं होता, जब कोई और रास्ता ही नहीं होता, तब आप जुट जाते हैं। अपना काम ढंग से करो, चुनौतियों का सामना करो, यही ड्राइविंग फोर्स होता है। मुझे अपनी जिम्मेदारियां अच्छी लगती हैं। मैं हमेशा नई चीजों को लेकर उत्साहित रहती हूं और वही मेरी एनर्जी का स्रोत होता है ।

आईटीबीपी जवान ने सर्विस पिस्टल से भाई को मारी गोली

बोला- मेरी पत्नी से उसके शादी से पहले से संबंध, उसने चाकू मारा, तो मैंने फायरिंग की

हाजीपुर, 9 मई (एजेंसियां)। वैशाली में एक किराना दुकानदार को गोली मारी गई है, उसकी हालत गंभीर है। घटना हाजीपुर के नगर थाना क्षेत्र के आरएन कॉलेज के पास हुई। घायल की पहचान महनार के निवासी जितेंद्र सिंह (40) के तौर पर हुई है, जो आरएन कॉलेज के पास किराए के मकान में किराने की दुकान चलाते हैं। जितेंद्र सिंह को उनके ममेरे भाई और आईटीबीपी जवान रोहित सिंह उर्फ शैलेंद्र कुमार सिंह ने अपनी सर्विस पिस्टल से गोली मारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी रोहित सिंह ने जितेंद्र को अपने घर बुलाया था और निजी विवाद में फायरिंग की। आरोपी जवान का कहना है कि उनकी पत्नी से जितेंद्र सिंह का पुराना अफेयर है। दोनों के शादी से पहले से संबंध रहे हैं। मुझे शादी के बाद इसका पता चला। जितेंद्र सिंह को 3 गोलियां लगी, जिनमें से दो

आरोपी रोहित सिंह

उनके हाथ में और एक सीने में लगी। उन्हें तुरंत इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई है। नगर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित सिंह उर्फ शैलेंद्र कुमार सिंह को घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद कर ली है। रोहित सिंह सहदेई थाना क्षेत्र का निवासी है। आरोपी जवान का कहना है कि उनकी पत्नी का ममेरे भाई से पुराना संबंध है। 'दोनों का शादी से पहले से अफेयर था, जो आज भी है। शादी के समय मुझे इस बात की भनक नहीं थी। कुछ दिन पहले ही पता चला, उसके बाद मैंने विरोध जताया। ये सब सुनकर मेरा दिमाग पहले से खराब था। कुछ दिन पहले भी इसे लेकर जितेंद्र सिंह को मैंने समझाया था। उसे पत्नी से दूर रहने को कहा था।' आरोपी आईटीबीपी जवान रोहित सिंह उर्फ शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि, आज वो मुझे चाकू मारने लगा था, उसे भाई-भाई कहकर मैंने रोकने की कोशिश की उसके नहीं रुकने पर, अपनी आत्म सुरक्षा को लेकर मैंनेअपने पिस्टल से उस पर गोलियां चलाई है। गोली उसे लगी भी है।

सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि नगर थाना अंतर्गत समता कॉलोनी में आईटीबीपी जवान ने अपने ममेरे भाई को गोली मारी है।

ग्रामीणों की समस्या सुन अधिकारियों पर भड़कीं बीजेपी विधायक

कहा- जनता श्राप देती है, पद का घमंड मत करिए, जमकर लगाई फटकार

बलरामपुर, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार इन दिनों सुशासन तिहार अभियान चला रही है। सुशासन तिहार अभियान के तहत बलरामपुर जिले में एक अजीब मामला देखने को मिला।

बीजेपी विधायक शकुंलता सिंह पोर्ते जनता का काम नहीं होने से अधिकारी पर भड़क गईं। जनता के काम लंबित रहने और फरियादियों को परेशान होने पर अधिकारियों को जमकर खरी खोटी सुनाई। विधायक ने कहा- परेशानी लेकर आने वाली जनता का अगर काम नहीं होता है तो वह श्राप देती है।

शकुंतला सिंह पोर्ते प्रतापपुर से विधायक हैं। उन्होंने मंच से अफसरों को नसीहत देते हुए कहा कि परेशान होकर आने वाले लोगों का काम करिए।

विधायक ने कहा- पढ़-लिख लेने से कोई जनता से ऊपर नहीं हो जाता। आपके हाथ में कलम की ताकत है, लेकिन हमारे पास जनता की ताकत है। हम अपनी क्षमता के हिसाब से लोगों के लिए काम करते हैं।

विधायक शकुंतला पोर्ते ने अधिकारियों से कहा कि आप जिस पद पर बैठे हैं, उससे योजनाओं का लाभ दिला सकते हैं। दरअसल, वाड्रफनगर ब्लॉक में 8 मई को सुशासन तिहार का आयोजन किया गया था। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को नसीहत दी। दरअसल, कई ग्रामीणों ने विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते से राजस्व मामलों के निपटारे में देरी और लापरवाही की शिकायत की थी।

ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि उन्हें बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं लेकिन इसके बाद भी काम नहीं होता है। जिसके बाद विधायक भड़क गई और अधिकारियों और कर्मचारियों को फटकार लगाई।

उन्होंने कहा, सिर्फ परीक्षा पास कर लेने से कोई जनता से ऊपर नहीं हो जाता। जनता का श्राप बड़े-बड़े लोगों का गुरूर तोड़ देता है।

विधायक ने नसीहत देते हुए कहा कि आप लोग पढ़ लिखकर एसडीएम, पटवारी और तहसीलदार बने हैं, इस पद के लिए आपने मेहनत की है लेकिन इस पद का गुरूर मत करिए। लोगों को दर्द समझिए और उनका काम करिए।

प्राचीन धरोहरों का संरक्षण शुरू

बाबा मंदिर के साथ ऐतिहासिक स्थल भी बनेंगे आकर्षण का केंद्र

देवघर, 9 मई (एजेंसियां)। देवघर अब केवल धार्मिक पर्यटन का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि यहां की प्राचीन और ऐतिहासिक धरोहरें भी पर्यटकों को आकर्षित करेंगी। जिला प्रशासन ने इन पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण की पहल तेज कर दी है।

इस पहल के तहत देवघर के जलसार पार्क के पास 17वीं शताब्दी की मलूटी परंपरा से मिलती-जुलती प्राचीन इमारतें चिन्हित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, डीसी आवास के पीछे भी 17वीं शताब्दी का एक पुराना मकबरा मौजूद है, जिसके संरक्षण की योजना बनाई जा रही है।

जिले के खेल एवं सांस्कृतिक पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि राज्य के कला, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग से प्राचीन धरोहरों की पहचान और संरक्षण के लिए निर्देश प्राप्त हुए हैं। इन निर्देशों के बाद विभागीय स्तर पर सर्वेक्षण और निरीक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

संतोष कुमार के अनुसार, इन प्राचीन धरोहरों के व्यवस्थित संरक्षण और विकास से देवघर धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ ऐतिहासिक पर्यटन का भी प्रमुख केंद्र बन सकता है। उनका मानना है कि बाबा मंदिर आने वाले श्रद्धालु इन ऐतिहासिक स्थलों का भी दौरा करेंगे, जिससे जिले के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

आने वाले समय में इन स्थलों के विकास और संरक्षण कार्य में तेजी लाई जाएगी। इसका उद्देश्य झारखंड की समृद्ध संस्कृति, कला और परंपरा को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

सीएमओ ऑफिस में इंजीनियर और साथियों ने अकाउंटेंट को पीटा

वेतन-भुगतान में देरी को लेकर विवाद, थप्पड़ जड़े, घूंसा मारा, दोनों पक्षों पर केस दर्ज

गरियाबंद, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सैलरी देर से मिलने पर अकाउंटेंट की जमकर पिटाई की गई है। देवभोग नगर पंचायत के सीएमओ ऑफिस में इंजीनियर और उसके साथियों ने मिलकर अकाउंटेंट को थप्पड़ जड़े और घूंसा मारा।

इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। वहीं कर्मचारी यूनियन ने आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि अगर एक हफ्ते के अंदर कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदर्शन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, यह घटना 7 मई की शाम 5 बजे नगर पंचायत के सीएमओ ऑफिस में हुई। इंजीनियर श्याम सुंदर पटनायक ने अकाउंटेंट संदीप चंद्राकर को वेतन भुगतान में देरी को लेकर बुलाया था। बातचीत करते करते इस टॉपिक पर बहस छिड़ गई। इस दौरान इंजीनियर के साथियों ने संदीप चंद्राकर की पिटाई शुरू कर दी। वायरल वीडियो में संदीप चंद्राकर भी एक व्यक्ति की पगड़ी उतारकर जवाबी हमला करते दिखाई दिए। मारपीट के दौरान सीएमओ दुष्यंत साहू बीच-बचाव करते नजर आ रहे हैं, जबकि इंजीनियर श्याम सुंदर पटनायक गुस्से में खड़े दिख रहे थे। घटना के बाद एकाउंटेंट संदीप चंद्राकर की शिकायत पर इंजीनियर श्याम सुंदर पटनायक और उनके 3 सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, दूसरे पक्ष की शिकायत पर संदीप चंद्राकर के खिलाफ भी देवभोग पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।

फर्जी दस्तावेज पेश करने पर बिजनौर के बीएसए और टीचर पर केस दर्ज करने के आदेश

बिजनौर, 9 मई (एजेंसियां)। बिजनौर में विशेष सत्र न्यायाधीश कल्पना पांडेय ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) बिजनौर और सेवानिवृत्त शिक्षिका राजबाला के खिलाफ आपराधिक प्रकीर्णन वाद दर्ज करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने यह आदेश झूठए दस्तावेज पेश करने और संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं देने के बाद दिए हैं।

शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, बिजनौर के अपर जिला एवं सत्र न्यायालय पॉक्सो कोर्ट में विचाराधीन सरकार बनाम नकुल आदि थाना नूरपुर के मुकदमे से जुड़ा मामला है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय अथाई अहीर, विकास क्षेत्र नूरपुर के प्रधानाचार्य को मुकदमे से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिए थे। आरोप है कि विद्यालय की तत्कालीन प्रभारी अध्यापिका राजबाला ने कोर्ट में मिथ्या दस्तावेज पेश किए। इसके बाद न्यायालय ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बिजनौर को जांच कर स्पष्ट रिपोर्ट पेश करने का हुक्म दिया था।

जांच के बाद बीएसए कार्यालय की ओर से शिक्षिका राजबाला के संबंध में एक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया।

हालांकि, न्यायालय इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हुआ और इसमें कई खामियां तथा लापरवाही पाई।

विशेष न्यायाधीश कल्पना पांडेय ने मामले में लापरवाही बरतने और संतोषजनक जवाब पेश नहीं करने को गंभीर मानते जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बिजनौर और सेवानिवृत्त प्रभारी अध्यापिका राजबाला के खिलाफ आपराधिक प्रकीर्णन वाद दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

एलपीजी गैस घोटाला : पूर्व राज्यमंत्री का दामाद एजेंसी संचालक अरेस्ट

2 खाद्य अधिकारी भी गिरफ्तार, ठाकुर पेट्रोकेमिकल ने 1.5 करोड़ की गैस निकालकर बेची थी

महासमुंद, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स कंपनी के मालिक ने 1.5 करोड़ रुपए की एलपीजी गैस चुराई। दिसंबर 2025 में पुलिस ने 90 मीट्रिक टन एलपीजी ले जा रही 6 गैस कैप्सूल गाड़ियों को जब्त किया था। लीगल डॉक्यूमेंट नहीं होने के कारण सभी गाड़ियां थाने में खड़ी कर दी गई।

अब पुलिस ने तीनों मुख्य आरोपियों अजय यादव (जिला खाद्य अधिकारी), मनीष यादव (सहायक खाद्य अधिकारी) और पंकज चंद्राकर (एजेंसी संचालक) को गिरफ्तार कर लिया है। पंकज पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर के बड़े भाई धन्नजय चंद्राकर का दामाद है। ठाकुर पेट्रोकेमिकल के मालिक संतोष ठाकुर और सार्थक ठाकुर फरार हैं। जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि, खाद्य अधिकारी अजय यादव, सहायक खाद्य अधिकारी मनीष यादव और गौरव गैस एजेंसी के संचालक पंकज चंद्राकर ने एक सोची-समझी साजिश रची थी।

इन्होंने गैस से भरे 6 बड़े कैप्सूल (टैंकर) को सीधे अभनपुर स्थित ठाकुर पेट्रोकेमिकल को सौंप दिया। बाजार में इस गैस की कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए से अधिक आंकी जा रही है।

बता दें कि गौरव गैस एजेंसी भाजपा के पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर के बड़े भाई धन्नजय चंद्राकर का है। पंकज चंद्राकर धनंजय चंद्राकर का दामाद है।

पुलिस को इस पूरे खेल में अभनपुर के ठाकुर पेट्रोकेमिकल के संचालकों की संलिप्तता के पुख्ता सबूत मिले हैं। हालांकि, पुलिस की दबिश से पहले ही फर्म के मालिक संतोष ठाकुर और सार्थक ठाकुर फरार हो गए हैं। पुलिस की टीमें उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

जानकारी के अनुसार, दिसंबर 2025 में सिंघोड़ा थाना पुलिस ने 6 एलपीजी गैस से भरे कैप्सूल ट्रक जब्त किए गए थे। थाने में किसी भी हादसे के खतरा देखते हुए, इन ट्रकों को सुरक्षित जगह पर रखने के लिए महासमुंद पुलिस ने जिला कलेक्टर को पत्र भेजा।

इसके बाद कलेक्टर ने खाद्य विभाग को ट्रकों को सुरक्षित जगह पर रखने के निर्देश दिए। इसी आदेश के तहत 30 मार्च 2026 को खाद्य विभाग की टीम ने ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स के मालिक संतोष सिंह ठाकुर से संपर्क किया और 6 कैप्सूल ट्रक सुरक्षित रखने के लिए कहा।

खाद्य निरीक्षक अविनाश दुबे, खाद्य अधिकारी हरिश सोनेश्वरी और मनीष यादव की मौजूदगी में संतोष ठाकुर को ये 6 कैप्सूल ट्रक सुरक्षित रखने के लिए सौंप दिए। संतोष अपने स्टाफ की मदद से सभी गाड़ियां सिंघोड़ा थाना से रायपुर के अभनपुर के ग्राम उरला स्थित अपने प्लांट ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स ले गया।

हैंडओवर के समय या उसके तुरंत बाद कैप्सूल ट्रकों का वजन नहीं कराया गया। इसी लापरवाही का फायदा उठाकर मालिक संतोष ठाकुर (56), डायरेक्टर साकिन ठाकुर ने गैस को अवैध रूप से बेचने की प्लानिंग की।

सिंघोड़ा से अभनपुर तक लगभग 200 किलोमीटर के रास्ते में 15 से ज्यादा धर्मकांटे (वजन करने की जगह) होने के बावजूद कहीं भी वजन नहीं कराया गया। सभी 6 कैप्सूल ट्रकों को प्लांट से करीब 200 मीटर दूर पार्किंग में खड़ा कर दिया गया।

इसके बाद 5 गाड़ियों का वजन 6 अप्रैल को और 1 गाड़ी का वजन 8 अप्रैल को कराया गया।

सिम्पलेक्स कास्टिंग की डायरेक्टर संगीता केतन शाह पर एफआईआर

विवादित जमीन के 10 लाख लेकर रजिस्ट्री नहीं की, उसी जमीन पर 4 .50 करोड़ लोन लिया

दुर्ग-भिलाई, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सिम्पलेक्स कास्टिंग लिमिटेड की डायरेक्टर संगीता केतन शाह और उनके पति केतन शाह के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। मामला सुपेला थाने क्षेत्र का है।

आरोप है कि, आरोपियों ने ग्राम कोहका की विवादित जमीन को विवाद मुक्त बताकर 50 लाख में सौदा किया। 10 लाख एडवांस भी लिए, लेकिन बाद में रजिस्ट्री करने से मना कर दिया। उसके बाद उसी जमीन पर 4.5 करोड़ का लोन ले लिया।

पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद दोनों पति पत्नी के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 120B समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। जिसकी जांच जारी है। पीड़ित सुनील कुमार सोमन के मुताबिक, 13 मार्च 2023 को ग्राम कोहका की जमीन का इकरारनामा (एग्रीमेंट) हुआ था। आरोपी पक्ष ने ग्राम कोहका स्थित

आरोपी संगीता शाह और केतन शाह

करीब 0.10 हेक्टेयर जमीन को पूरी तरह साफ और विवाद मुक्त बताया था। 50 लाख में सौदा और 10 लाख एडवांस लेने के बाद भी न तो जमीन की रजिस्ट्री की गई और न ही रकम लौटाई गई। बाद में जांच में पता चला कि, जिस जमीन को बेचा जा रहा था, वह पहले से किराए और लीज विवाद में फंसी हुई थी। आरोप है कि यह जानकारी जानबूझकर खरीदार से छिपाई गई। पीड़ित का आरोप है कि, कई महीनों तक शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद उन्हें जिला कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। लंबे समय बाद अब कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद कार्रवाई की गई है। शिकायत में यह भी सामने आया कि, उसी जमीन के दस्तावेजों को गिरवी रखकर एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड से करीब 4 करोड़ 50 लाख रुपए का लोन लिया गया था।

पीड़ित का कहना है कि, यदि जमीन पहले से बैंक में मॉर्गेज थी, तो इसकी जानकारी पहले ही दी जानी चाहिए थी। कोर्ट ने दस्तावेजों की जांच के बाद पहली नजर में धोखाधड़ी का मामला मानते हुए एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।

मामला दर्ज होने के बाद संगीता केतन शाह और उनके पति के कई नेताओं के साथ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि संगीता शाह पिछले विधानसभा चुनाव में वैशाली नगर सीट से चुनाव भी लड़ चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तक भी आवेदन लेकर पहुंचा था, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। हर तरफ से परेशान होने के बाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

ट्रक की चपेट में आया साइकिल सवार, मौत

रामगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के कुज्जू ओपी क्षेत्र के पेंकी चौक पर एक सड़क हादसे में एक साइकिल सवार की मौत हो गई। यह घटना तब हुई, जब गिट्टी लदा एक 18 चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसकी चपेट में एक साइकिल सवार आ गया।

मृतक की पहचान नरेश साव के रूप में हुई है, जो बड़की टुंडी टोला भुइया डीह के निवासी सुरेश साव के पुत्र थे।

बताया जा रहा है कि नरेश साव ड्यूटी जाने के लिए सड़क किनारे साइकिल के साथ खड़े थे, तभी रामगढ़ से हजारीबाग की ओर जा रहा अनियंत्रित ट्रक पलट गया और उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और ग्रामीणों ने नरेश साव को तत्काल वहां से निकाला।

जो इलाके कहलाते थे नक्सलियों का गढ़ वहां खुल रहे हैं बैंक

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ का बस्तर इलाका जो कभी माओवादी हिंसा संचार एवं बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था, अब पिछले ढाई साल में 31 नई बैंक शाखाएं खुलने से एक बड़े बदलाव का गवाह बन रहा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दूरदराज के आदिवासी और पहले माओवादी-प्रभावित इलाकों में बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार बस्तर में बढ़ती शांति, जनता के भरोसे और विकास का एक अहम संकेत माना जा रहा है।

एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि बस्तर संभाग में अब बदलाव की एक नई कहानी लिखी जा रही है और पिछले ढाई साल में इस क्षेत्र में 31 नई बैंक शाखाएं खोला जाना इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2023 में विष्णु देव साय सरकार बनने के बाद इस क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार तेजी से हुआ है। अब वित्तीय सेवाएं बस्तर संभाग के सभी सात जिलों बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और बस्तर के अंदरूनी इलाकों तक पहुंच रही हैं। अधिकारी ने बताया कि तर्रेम, जगरगुंडा, चिंतलनार, किस्टाराम, पामेड, समलवार और कोहकामेटा जैसे दूरदराज के इलाकों में नई शाखाएं खोली गई हैं। ये ऐसे इलाके थे जिन्हें कभी माओवाद के कारण दुर्गम माना जाता था। इस वर्ष 31 मार्च को छत्तीसगढ़ को सशस्त्र माओवादियों से मुक्त घोषित कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि पहले लोगों को बैंक से जुड़े कामों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी लेकिन अब सेवाएं गांव और ब्लॉक स्तर पर ही उपलब्ध हो रही हैं।

अधिकारी ने बताया कि बेहतर बैंकिंग नेटवर्क ने आदिवासी-बहुल बस्तर संभाग में वित्तीय समावेश की गति तेज कर दी है। इससे लोग अब बैंक खाते, डिजिटल भुगतान, फसल ऋण, बीमा, पेंशन और स्वरोजगार योजनाओं का लाभ आसानी से उठा पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाएं, जैसे कि प्रधानमंत्री जन धन योजना, पीएम-किसान सम्मान निधि, तेंदू पत्ता बोनस भुगतान, वन धन योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अब सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंच रही हैं।

तथ्य छिपाकर राहत लेने पर हाईकोर्ट सख्त

वकील पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, जबलपुर कोर्ट ने खारिज की याचिका, इंदौर से ली राहत

जबलपुर, 9 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान वकील पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए कड़ी नाराजगी जताई है।

कोर्ट ने माना कि वकील ने समान मामले में पहले से पारित आदेश की जानकारी छिपाकर इंदौर बेंच से अंतरिम राहत हासिल की। हाईकोर्ट ने वकील दिनेश सिंह चौहान को निर्देश दिए कि वे जुर्माने की राशि तुरंत हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति के सचिव के पास जमा करें।

मामला प्राथमिक शिक्षक भर्ती से जुड़ी याचिकाओं का है। सुनवाई के दौरान वकील दिनेश सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। इसी दौरान संबंधित अन्य याचिकाओं के वकील ने कोर्ट को बताया कि इसी मुद्दे पर दायर एक याचिका को जबलपुर बेंच ने 6 अप्रैल को खारिज कर दिया था। इसके बावजूद वकील चौहान ने उक्त तथ्य छिपाकर इंदौर बेंच में समान मामले में 27 अप्रैल को अंतरिम राहत प्राप्त कर ली।

सुनवाई के दौरान वकील दिनेश चौहान ने दलील दी कि जिन याचिकाओं को खारिज किया गया था, उनमें वे पैरोकार नहीं थे, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उन्होंने तथ्य छिपाए। हालांकि जस्टिस विशाल धगट की कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया।

कोर्ट ने कहा कि वकील दिनेश चौहान इसी मुद्दे से जुड़ी कई याचिकाओं में ऑनलाइन पैरवी कर रहे हैं, ऐसे में यह मानना संभव नहीं है कि उन्हें पहले के आदेश की जानकारी नहीं थी। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि संबंधित केस में वे बिना वकालतनामा प्रस्तुत किए भी उपस्थित हुए थे।

ट्रक ने 7 गाड़ियों को मारी टक्कर, 5 मौतें:12 से ज्यादा घायल

गिरिडीह, 9 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह में शुक्रवार देर रात बेकाबू ट्रक ने 7 गाड़ियों में टक्कर मार दी। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 12 से ज्यादा घायल हैं। मरने वालों में दो लोगों की छह महीने पहले सचिवालय सहायक में नौकरी लगी थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सभी गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। सड़कों पर मलवा पसर गया। हादसे के बाद पूरे बाजार में चीख-पुकार मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, डुमरी की ओर से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया।

अमन अंसारी हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों से सुलझाई हत्या की गुत्थी, पैसों के लेन देन में हुआ था विवाद

देवघर, 9 मई (एजेंसियां)। देवघर जिले के मधुपुर थाना क्षेत्र में हुए अमन अंसारी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसडीपीओ सत्येंद्र प्रसाद ने शनिवार को बताया कि अमन अंसारी हत्याकांड में 19 वर्षीय मोहम्मद फैजान को गिरफ्तार किया गया। हत्या के पीछे की वजह में दोनों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर हुआ विवाद था।

बीते बुधवार को मधुपुर थाना क्षेत्र के आमतला भेरवा स्थित सिंघानिया राइस मिल के पास खेत की झाड़ियों से एक अज्ञात युवक का शव मिला था। शव के माथे

पर किसी भोथरे हथियार से हमले के निशान थे और चेहरा खून से सना हुआ था। शुरुआती जांच में शव की पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल देवघर भेजा। उसी दिन शाम को शव की पहचान बेलपाड़ा निवासी मोहम्मद अलाउद्दीन अंसारी के पुत्र अमन अंसारी के रूप में हुई। इसके बाद मृतक के पिता के लिखित आवेदन पर मधुपुर थाना में कांड संख्या 96/2026 दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम बनाई गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, गुप्त सूचना और मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच की। जांच के दौरान नबी बक्स रोड कब्रिस्तान के पीछे रहने वाले 19 वर्षीय मोहम्मद फैजान को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, वीवो कंपनी का मोबाइल फोन और वारदात के समय पहने गए कपड़े बरामद किए हैं।

अनिल अग्रवाल की वेदांता में डीमर्जर के बाद बड़ा उलटफेर

नए ट्रस्टी नियुक्त ; ईएसओएस प्रबंधन में बदलाव

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। अनिल अग्रवाल की वेदांता से बड़ी खबर है। यह खबर कंपनी के ट्रस्ट वेदांता लिमिटेड ईएसओएस ट्रस्ट से है। इसमें बड़ा बदलाव हुआ है। और यह बदलाव 1 मई से लागू भी हो गया है। वेदांता लिमिटेड ने 8 मई 2026 को स्टॉक एक्सचेंज में इसकी जानकारी दी। वेदांता के ट्रस्ट में दो नए सदस्यों की नियुक्ति हुई है। यह नियुक्ति दो पूर्व सदस्यों रोहित अग्रवाल और अनुश्री बाफना के इस्तीफे और डीमर्जर के बाद हुई है।

दरअसल, वेदांता लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों को शेयर देने की प्रक्रिया को संभालने के लिए 2016 में वेदांता लिमिटेड ईएसओएस ट्रस्ट नाम का एक ट्रस्ट बनाया था। अब इस ट्रस्ट के मूल दस्तावेज में 7वीं बार कुछ बदलाव किया गया है। कंपनी के अनुसार यह नया बदलाव 1 मई 2026 से लागू माना जाएगा। यह रणनीतिक कदम कंपनी के हालिया बिजनेस डीमर्जर के बाद उठाया गया है। कंपनी ने नए ट्रस्टी नियुक्त किए हैं और ट्रस्ट डीड में बदलाव किया है, ताकि बची हुई इकाई और नई बनी 'परिणामी कंपनियों' में कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजनाओं का सुचारू रूप से प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। यह बदलाव सभी पात्र कर्मचारियों के लिए इक्विटी इंसेंटिव के आर्थिक मूल्य को सुरक्षित रखता है। वेदांता लिमिटेड ने बताया कि कर्मचारी शेयर ट्रस्ट की मैनेजमेंट टीम में बदलाव किया गया है और पुराने ट्रस्टियों के इस्तीफे के बाद नए ट्रस्टियों को नियुक्त किया गया है और इसकी आधिकारिक जानकारी कानूनी दस्तावेज के जरिए दर्ज की गई है। राहुल अरोड़ा और प्रीत सेठी को ट्रस्ट में नियुक्त किया गया है। ट्रस्टियो मनमीत सिंह के साथ-साथ नए ट्रस्टियों राहुल अरोड़ा और प्रीत सेठी की नियुक्ति शामिल है।

डीमर्जर के बाद 5 हिस्सों में बंट गई है वेदांता

वेदांता का डीमर्जर हो गया है। कंपनी के 5 हिस्से हों गए हैं। वेदांता एल्यूमीनियम मेटल लिमिटेड, वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड, वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड, वेदांता पावर लिमिटेड और मेन कंपनी वेदांता लिमिटेड है ही। ट्रस्ट इन संस्थाओं के लिए इक्विटी शेयरों के द्वितीयक अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि डीमर्जर-पूर्व विकल्प प्राप्तकर्ताओं चाहे वे कंपनी में बने रहें या स्थानांतरित हो जाएं के मौजूदा प्रोत्साहनों में कोई कमी न आए। ट्रस्ट हर योजना का प्रबंधन एक कार्यात्मक रूप से अलग व्यवस्था के तौर पर करेगा, जिससे अलग-अलग कंपनी योजनाओं के बीच संपत्तियों या देनदारियों के आपस में मिलने की स्थिति नहीं बनेगी। ट्रस्ट को संबंधित परिणामी कंपनियों के निदेशक मंडल द्वारा स्वीकृत ऋणों का उपयोग करके सेकेंडरी मार्केट से शेयर खरीदने का अधिकार है।

दुनियाभर में खाने-पीने की चीजें 3 साल में सबसे महंगी

अमेरिका-ईरान जंग से सप्लाई चेन टूटने का असर, यूएन बोला- अभी और बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। यूनाइटेड नेशंस ने रिपोर्ट में बताया है कि दुनियाभर में खाद्य पदार्थों की कीमतें पिछले तीन साल में सबसे ऊपर पहुंच गई हैं। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, अप्रैल में फूड कमोडिटी प्राइस इंडेक्स में 1.6% की बढ़ोत्तरी हुई है। यह पिछले साल से 2.5% ज्यादा है। इस उछाल की मुख्य वजह अमेरिका-ईरान के बीच जारी युद्ध है। यूएन ने आगे और दाम बढ़ने की चेतावनी भी जारी की है।

हॉर्मुज रूट बंद होने से मुश्किलें बढ़ीं

ईरान युद्ध को 10 हफ्ते पूरे हो गए हैं। इसके चलते हॉर्मुज रूट बंद है। इस रास्ते से डीजल और फर्टिलाइजर (खाद) जैसे खेती के लिए जरूरी सामान की आवाजाही रुक गई है। खाद और ईंधन महंगा होने से किसानों के लिए खेती करना मुश्किल हो रहा है, जिसका सीधा असर आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा असर वेजिटेबल ऑयल पर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बायो-फ्यूल की मांग बढ़ी है, जिससे वेजिटेबल ऑयल के प्राइज मार्च के मुकाबले 5.9% बढ़े हैं। यह जुलाई 2022 के बाद का सबसे ज्यादा है। वहीं, मीट की कीमत में 1.2% की बढ़त हुई है, जो अब तक के ऑल-टाइम रिकॉर्ड है। अनाज की कीमतों में भी 0.8% की तेजी देखी गई है। एफएओ के चीफ इकोनॉमिस्ट मैक्सिमो टोरेरो ने एक इंटरव्यू में बताया कि एग्री-फूड इंडस्ट्री फिलहाल इसलिए बची हुई है, क्योंकि कंपनियां पुराना स्टॉक बेच रही हैं। उन्होंने कहा, जैसे ही कच्चे माल और एनर्जी की बढ़ी हुई लागत कंपनियों के खातों में पहुंचेगी, उपभोक्ता के तौर पर हमें महंगाई का तगड़ा झटका लगेगा।उन्होंने

चेतावनी दी कि अगर यह तनाव 90 दिनों से ऊपर खिंचता है, तो 2026 के अंत और 2027 में 'ग्लोबल फूड क्राइसिस' (खाद्य संकट) की संभावना काफी बढ़ जाएगी।

अनाज की पैदावार कम होने की आशंका

खराब मौसम और 2026 में गेहूं की बुआई कम होने की खबरों ने भी अनाज के दाम बढ़ा दिए हैं। खाद की बढ़ती कीमतों की वजह से किसान अब ऐसी फसलें उगाने पर विचार कर रहे हैं, जिनमें फर्टिलाइजर का इस्तेमाल कम होता हो। विशेषज्ञों का मानना है कि कमोडिटी मार्केट में आई इस तेजी का असर रिटेल मार्केट तक पहुंचने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन खाने की महंगाई बढ़ना अब तय है।

20 जरूरी चीजों में से 16 के दाम 36% तक बढ़े

बैंक ऑफ बड़ौदा के 'एसेंशियल कमोडिटी इंडेक्स' के मुताबिक, भारत में अप्रैल महीने में महंगाई सूचकांक सालाना 1.1% और मासिक आधार पर 0.3% बढ़ा। यह अगस्त, 2025 के बाद सबसे तेज मासिक बढ़ोतरी है। बीते महीने आम जरूरत की 20 में से 16 वस्तुओं की कीमतें बढ़ीं हैं।खाने के तेल, टमाटर और अन्य जरूरी चीजों की कीमतों में 36% तक बढ़ोतरी ने अप्रैल में रिटेल महंगाई 4% तक पहुंचा दी है। आगामी महीनों में महंगाई और बढ़ने का जोखिम बना हुआ है क्योंकि मई में भी कीमतें बढ़ रही हैं।

अनिल अंबानी ग्रुप पर सीबीआई का शिकंजा

मुंबई में 17 ठिकानों पर छापेमारी

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों पर सीबीआई ने शिकंजा और कस दिया है. शनिवार को जांच एजेंसी ने मुंबई में 17 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की. यह कार्रवाई कथित बैंक फ्रॉड और फंड डायवर्जन से जुड़े मामलों में की गई है.

तीन कंपनियां जांच के घेरे में

सीबीआई की यह कार्रवाई रिलायंस समूह की तीन कंपनियों रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े मामलों में हुई है. जांच एजेंसी को शक है कि बैंक से लिया गया पैसा दूसरी जगह ट्रांसफर किया गया.

डायरेक्टर्स के घर और दफ्तरों पर छापे

सीबीआई के मुताबिक, छापेमारी कंपनियों के डायरेक्टर्स के घरों और उन इंटरमीडियरी कंपनियों के दफ्तरों में की गई, जिनके खातों का इस्तेमाल फंड डायवर्जन के लिए किया गया था. कार्रवाई के दौरान एजेंसी को कई अहम दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड मिले हैं. एक ही पते से चल रही थीं कई कंपनियां जांच में यह भी सामने आया है कि कई इंटरमीडियरी कंपनियां एक ही पते से ऑपरेट हो रही थीं. इससे सीबीआई को फर्जी कंपनियों के नेटवर्क और संदिग्ध लेनदेन का शक और गहरा हो गया है.

हजारों करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

सीबीआई ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी की शिकायतों के आधार पर अनिल अंबानी समूह के खिलाफ अब तक सात मामले दर्ज किए गए हैं. इन मामलों में करीब 27,337 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है.

पहले भी हुई थी कार्रवाई

इससे पहले भी सीबीआई ने इन मामलों में 14 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया था. जांच के दौरान रिलायंस कम्युनिकेशंस के दो वरिष्ठ अधिकारियों डी. विश्वनाथ और अनिल काल्या को 20 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया गया था. एजेंसी का आरोप है कि दोनों बैंकिंग ऑपरेशन और फंड के इस्तेमाल को मैनेज करने में अहम भूमिका निभा रहे थे. फिलहाल दोनों न्यायिक हिरासत में हैं.

लोन लेकर किया था निवेश

इनकम टैक्स ने 1.50 करोड़ की ब्याज कटौती का दावा ठुकराया,आईटीएटी ने दिलाई जीत

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। अगर आपने लोन लेकर निवेश किया है तो आईटीएटी का यह फैसला आपके आपके काम आ सकता है। मुंबई के जूहू की रहने वाली एक महिला ने इनकम टैक्स विभाग के खिलाफ एक बड़ी कानूनी जीत हासिल की है। इनकम टैक्स अपीलीय न्यायाधिकरण मुंबई ने महिला के पक्ष में फैसला सुनाते हुए 1.49 करोड़ रुपये की ब्याज कटौती को मंजूरी दे दी है, जिसे विभाग ने पहले खारिज कर दिया था। दरअसल, महिला ने डॉयचे बैंक से एक बड़ा लोन लिया था। इस रकम का इस्तेमाल उन्होंने वेंचर कैपिटल फंड्स में निवेश करने के लिए किया। महिला ने अपने इनकम टैक्स रिटर्न में इस लोन पर चुकाए गए 1.49 करोड़ रुपये के ब्याज को धारा 57 के तहत कटौती के रूप में क्लेम किया। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक उन्होंने तर्क दिया कि यह

खर्च उन्होंने निवेश से आय कमाने के लिए किया है।महिला ने कहा था कि वी सीएफएस से होने वाली आय को उन्होंने 'इनकम from Other Sources' के तहत आईटीआर में दिखाया है। लेकिन आकलन अधिकारी ने महिला के इस दावे को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि महिला यह साबित नहीं कर पाईं कि जो पैसा उधार लिया गया था, वही पैसा सीधे उन निवेशों में लगा जिनसे टैक्सेबल इनकम हुई। आईटीएटी ने पाया कि महिला ने यह लोन साल 2016-17 में लिया था। पिछले कई सालों से इनकम टैक्स विभाग इस ब्याज कटौती को स्वीकार करता आ रहा था। न्यायाधिकरण ने कहा कि जब तथ्यों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, तो विभाग अपना रुख अचानक नहीं बदल सकता।

यह देखा गया कि संबंधित अवधि के दौरान महिला का कुल निवेश लोन की राशि से अधिक था। इससे यह स्पष्ट होता है कि उधार लिए गए फंड का इस्तेमाल निवेश के लिए ही किया गया था।

आईटीएटी ने स्पष्ट किया कि अगर कोई खर्च पूरी तरह से और विशेष रूप से आय अर्जित करने के उद्देश्य से किया गया है, तो वह धारा 57 के तहत कटौती के योग्य है। न्यायाधिकरण ने न केवल ब्याज कटौती की अनुमति दी, बल्कि फोरकास्टिंग खर्चों को भी व्यक्तिगत के बजाय 'व्यावसायिक खर्च' मानते हुए कटौती के योग्य पाया।

क्या है एक्सपर्ट राय?

चार्टर्ड अकाउंटेंट सुरेश सुराना के अनुसार, यह जीत 'निरंतरता के सिद्धांत' की वजह से संभव हुई।

एअर इंडिया वीपी लेवल के अफसरों की सैलरी काटेगी

ईरान युद्ध के कारण 20% उड़ानें रद्द करने की तैयारी, नॉन-टेक्निकल स्टाफ को छुट्टी पर भेजेगी कंपनी

टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी एअर इंडिया अपनी लागत घटाने के लिए कर्मचारियों की सैलरी में कटौती और उड़ानों की संख्या करीब 20% कम कर सकती है। वर्तमान में एयरलाइन हर दिन करीब 900 उड़ानों का संचालन करती है। कंपनी मिडिल ईस्ट युद्ध के कारण जेट फ्यूल महंगा होने से ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ने की वजह से यह कदम उठाने की तैयारी कर रही है। बता दें कि एयरलाइन पहले से ही घाटे में है और अपने नए सीईओ की तलाश कर रही है।

सभी कर्मचारियों का बोनस भी काट सकती है कंपनी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को हुई बोर्ड बैठक में एयर इंडिया ने नॉन-टेक्निकल कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजने और वाइस प्रेसिडेंट या उससे ऊपर के स्तर के अधिकारियों की सैलरी में कटौती करने पर चर्चा की। इसके अलावा, सभी कर्मचारियों के बोनस में भी कमी की जा सकती है। एअर इंडिया भारत की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन है और इन बदलावों की आधिकारिक घोषणा जल्द हो सकती है।

अगले 3 महीने तक उड़ानों की संख्या 20% कम होगी

सूत्रों के मुताबिक, एयर इंडिया के बोर्ड ने मिडिल ईस्ट में युद्ध के कारण पैदा हुए हालातों को देखते हुए फ्लाइट ऑपरेशंस में कटौती का प्रस्ताव रखा है। अगले 90 दिन तक एयरलाइन अपनी उड़ानों की क्षमता को 20% से ज्यादा कम कर सकती है। यह फैसला तब तक लागू रहेगा, जब तक कि मिडिल ईस्ट की स्थिति में सुधार नहीं हो जाता।

ईरान जंग के चलते कच्चा तेल 45.5% महंगा हुआ

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 28 फरवरी से अब तक 45.5% बढ़ गई हैं। हालांकि, सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी को 25% पर कैप कर दिया था।

इसके चलते अप्रैल में तेल कंपनियों ने घरेलू एटीएफ के दाम सिर्फ 9.2% ही बढ़ाए, लेकिन इंटरनेशनल ऑपरेशंस के लिए यह बढ़ोतरी बहुत ज्यादा रही।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष रविवार **10 May 2026**
तिथि - अष्टमी **15-06** तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - धनिष्ठा **00-50** तक रात्रि उपरान्त शतभिषा
योग - ब्रह्म **02-08** रात्रि तक उप ऐन्द्र
करण - कौलव **15-06** तक उप तैतिल
विशेष: पंचक **12-13** से श्री दादूदयाल पुण्य

गृह स्थिति		
सूर्य	मेष	मे
चंद्र	मकर	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मेष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
मेष	04-23	बजे
वृष	06-08	बजे
मिथुन	08-08	बजे
कर्क	10-21	बजे
सिंह	12-33	बजे
कन्या	14-39	बजे
तुला	16-44	बजे
वृश्चिक	18-55	बजे
धनु	21-09	बजे
मकर	23-14	बजे
कुंभ	01-04	बजे
मीन	02-43	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 17-02 से 18-38 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
उत्पात	05-50 - 07-24	अशुभ
चंचल	07-24 - 09-00	शुभ
लाभ	09-00 - 10-36	शुभ
अमृत	10-36 - 12-13	शुभ
काल	12-13 - 13-49	अशुभ
शुभ	13-49 - 15-25	शुभ
रोग	15-25 - 17-02	अशुभ
उत्पात	17-02 - 18-35	अशुभ

रात का चौघड़िया		
शुभ।	18-35 - 20-02	शुभ
अमृत	20-02 - 21-25	शुभ
चंचल	21-25 - 22-49	शुभ
रोग	22-49 - 00-12	अशुभ
काल	00-12 - 01-36	अशुभ
लाभ	01-36 - 02-59	शुभ
उत्पात	02-59 - 04-23	अशुभ
शुभ	04-23 - 05-50-	शुभ

होर्मुज ने एशियाई महाशक्तियों का लिया इम्तिहान, भारत ही नहीं चीन भी परेशान, ऐसे गहराया संकट

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष एशियाई महाशक्तियों का इम्तिहान ले रहा है। इससे भारत ही नहीं चीन भी परेशान है। होर्मुज का रास्ता बंद होने से ये दिक्कतें बढ़ी हैं। चीन का कच्चे तेल (क्रूड) का शिपमेंट पिछले साल के मुकाबले लगभग 20% घटा है। यह घटकर 3.84 करोड़ टन रह गया। जुलाई 2022 के बाद से यह सबसे कम है। वहीं गैस का शिपमेंट लगभग 13% कम होकर 84.2 लाख टन रह गया। तेल का इंपोर्ट पिछले महीने के मुकाबले भी कम रहा। पिछले महीने के डेटा में वे शिपमेंट भी शामिल थे, जिन्होंने 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों से पहले ही फारस की खाड़ी से अपनी यात्रा शुरू कर दी थी। शनिवार को जारी चीनी कस्टम डेटा के आंकड़ों से इसका पता चलता है। भारत के लिए यह चुनौती रसोई गैस (एलपीजी) और कृषि क्षेत्र (उर्वरक) की संवेदनशीलता के

कारण ज्यादा प्रत्यक्ष है। कई उपायों की मदद से भारत सप्लाई को सुनिश्चित करने में जुटा है। कस्टम डेटा के शुरुआती मासिक आंकड़ों में समुद्री रास्ते से आने वाली एलएनजी और पाइपलाइन के जरिए जमीन के रास्ते आने वाली गैस के बीच कोई अंतर नहीं किया जाता है। लेकिन, एनालिटिक्स फर्म केप्लर के शिप-ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि अप्रैल में एलएनजी की खरीद आठ साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थी। गैस की सप्लाई में आई रुकावट के कारण कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों की मांग बढ़ गई है। हालांकि, चीन की ओर से कोयले की खरीद में लगभग 13% की गिरावट दर्ज की गई। यह 3.30 करोड़ टन रह गई। यह पिछले साल जून के बाद से सबसे कम है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि देश ने ऊंची कीमतों पर कोयला इंपोर्ट करने के बजाय अपने विशाल घरेलू उत्पादन पर ही निर्भर रहना बेहतर समझा। फारस की खाड़ी एल्युमीनियम का भी एक प्रमुख सप्लायर है। लेकिन, दुनिया का सबसे बड़ा एल्युमीनियम उत्पादक होने के नाते चीन इस कमी को कुछ हद तक पूरा करने में सफल रहा है। अप्रैल में चीन का एल्युमीनियम एक्सपोर्ट लगभग 15% बढ़कर 598,000 टन तक पहुंच गया। यह नवंबर 2024 के बाद से सबसे अधिक है।

इन चीजों के एक्सपोर्ट में आई गिरावट

दूसरी ओर स्टील का एक्सपोर्ट लगभग 9% गिरकर 95 लाख टन रह गया। इसकी एक वजह यह भी है कि हाल के दिनों में मिडिल ईस्ट चीनी स्टील मिलों के लिए एक महत्वपूर्ण खरीदार के तौर पर उभरा है। इस बीच, चीन के कॉपर आयात में थोड़ी बढ़ोतरी हुई। यह 452,000 टन तक पहुंच गया। मार्च में अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट का इसे फायदा मिला। कारण है कि युद्ध से ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। लेकिन, तांबे के कंसंट्रेट का आयात पिछले साल के रिकॉर्ड स्तर से लगभग पांचवां हिस्सा कम होकर 23.5 लाख टन रह गया। अन्य मेटल में आयरन ओन का आयात थोड़ा बढ़कर लगभग 10.4 लाख टन हो गया। सोयाबीन का आयात लगभग 40% बढ़कर 84.8 लाख टन हो गया। अमेरिका से आने वाले माल के साथ ब्राजील से भी मौसमी आवक हुई। अगले हफ्ते बीजिंग में होने वाले राष्ट्रपति शिखर सम्मेलन में अमेरिकी वस्तुओं को खरीदने के लिए और अधिक वादे किए जा सकते हैं।

दिल्ली-फरीदाबाद रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी!

एमईएमयू ट्रेन सेवा को मिली मंजूरी, जानें टाइमिंग समेत जरूरी डिटेल्स

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। दिल्ली-फरीदाबाद के बीच रेल सफर करने वालों के लिए एक खुशखबरी सामने आई है. केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली-फरीदाबाद के बीच नई एमईएमयू पैसेंजर ट्रेन सेवा चलाने को मंजूरी दे दी है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि एमईएमयू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) एक इलेक्ट्रिक ट्रेन होती है, जिसे भारतीय रेलवे छोटे और मध्यम दूरी के सफर के लिए चलाता है। यह ट्रेन एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में संचालित की जाएगी. आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं...

फरीदाबाद और आसपास के इलाकों से हर दिन बड़ी संख्या में लोग नौकरी, पढ़ाई, व्यापार और दूसरे कामों के लिए दिल्ली जाते हैं. काफी समय से स्थानीय लोग और रोज सफर करने वाले यात्री अतिरिक्त और बेहतर ट्रेन सेवा की मांग कर रहे थे. मौजूदा परिवहन व्यवस्था पर ज्यादा बोझ होने के कारण यात्रियों को भीड़, देरी और परेशानी झेलनी पड़ती थी. एमईएमयू ट्रेन सेवा शुरू होने से अब यात्रियों को तेज, आसान और कम खर्च में यात्रा की सुविधा मिल सकेगी. जानकारी के मुताबिक दिल्ली-फरीदाबाद नई मेमू ट्रेन नंबर (64038) पुरानी दिल्ली से 10 बजकर 30 मिनट पर रवाना होकर 11 बजकर 45 मिनट पर फरीदाबाद स्टेशन पहुंचेगी. इसी तरह वापसी में मेमू ट्रेन नंबर (64037) दोपहर 2 बजे फरीदाबाद से रवाना होकर 3 बजकर 45 मिनट पर पुरानी दिल्ली पहुंचेगी.एमईएमयू ट्रेन की खासियत यह कि इसमें अलग से इंजन नहीं होता. बिजली की व्यवस्था सभी कोचों में होती है, जिससे ट्रेन खुद ही चलती है. आमतौर पर एमईएमयू ट्रेनें करीब 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं. आधुनिक एमईएमय रेक में एलईडी लाइट, सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली और बायो-टॉयलेट जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं.

स्विगी इश्यू प्राइस से नीचे, ज़ोमैटो 6 महीने में 15% गिरा

क्या ज़ेप्टो का 1 अरब डॉलर का आईपीओ पलटेगा बाजी?

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत के क्विक कॉमर्स मार्केट में हलचल तेज हो गई है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने जेप्टो के 1 अरब डॉलर (करीब 9,300 करोड़ रुपये) के आईपीओ को मंजूरी दे दी है। यह कदम जेप्टो को भारत का पहला ऐसा 'प्योर क्विक कॉमर्स' स्टार्टअप बनाने की राह पर ले गया है जो शेयर बाजार में लिस्ट होगा। कंपनी की योजना जुलाई 2026 तक बाजार में लिस्ट होने की है। यह आईपीओ ऐसे समय में आ रहा है जब बाजार में काफी अस्थिरता है। इससे पहले क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे स्विगी और जोमैटो के शेयरों ने निवेशकों का बड़ा नुकसान किया है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या जेप्टो के शेयर निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे पाएंगे?भारत का क्विक कॉमर्स बाजार वर्तमान में 10 से 11 अरब डॉलर का है, जिसमें प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी है। जेप्टो का मुकाबला सीधे तौर पर ब्लिंकिट (जोमैटो के स्वामित्व वाली) और स्विगी इंस्टामार्ट से है।स्विगी का आईपीओ नवंबर 2024 में शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ था। इसका प्राइस बैंड 371 से 390 रुपये प्रति शेयर था। शुरुआत में एक महीने तक तो इसने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया। लेकिन इसके बाद इसमें गिरावट आती गई। अब स्थिति यह है कि स्विगी का शेयर इस समय 280.80 रुपये पर है। यानी अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे। वहीं इटरनल यानी जोमैटो का शेयर भी निवेशकों का नुकसान कर रहा है। यह शेयर जुलाई 2021 में शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ था। इसका इश्यू प्राइस 72 से 76 रुपये था। लिस्टिंग के बाद से इसने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है, लेकिन पिछले 6 महीने बुरे गुजरे हैं। अभी यह शेयर 256.35 रुपये पर है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप अपने परिवार के हित और अपने व्यावसायिक हित के बीच अपने आप को फंसा हुआ पाएंगे । अपने परिवार के कल्याण को चुने और थोड़ी देर के लिए अन्य बातों को बस्ते में डाल दे । आपका वित्तीय भाग्य बहुत मजबूत है। आप आज बोली भी लगा सकते हैं और उसमे जीतने की संभावना काफी प्रबल है। इस समय किये गए सभी निवेश आपको भविष्य में अच्छी तरह से लाभान्वित करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है । आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है । आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करे एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द ढेर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है , हालाँकि प्रारंभिक वेतन कम हो सकता है, लेकिन यहाँ आपको प्रसन्नता मिलेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका मन अभी आनंद और प्रेम की तरफ भाग रहा है , हालाँकि इसके विपरीत आपका मन हमेशा कार्यो में उलझा रहता है । लेकिन यह ठीक है, काम से एक दिन की छुट्टी ले और अपने दिन का आनंद लें। ज्यादा चिंता न करे , क्योकि आपको आनंद लेने और कार्य करने की सीमा ज्ञात है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपकी यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है । इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोन्नति मिल सकती है , हालाँकि समय कैसा भी हो , ईर्ष्या के कारण कार्यालय राजनीति चलती रहेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

फसल बीमा योजना में करोड़ों का खेल!

कृषि मंत्री की छापेमारी के बाद 165 पर केस; फर्जी खातों का खुलासा

हनुमानगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में कथित गड़बड़ियों को लेकर हनुमानगढ़ जिले में बड़ी कार्रवाई हुई है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की छापेमारी के बाद पल्लू थाना में एसबीआई पल्लू शाखा के बैंक कर्मियों सहित 165 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस प्रकरण में धोखाधड़ी, जालसाजी, डिजिटल रिकॉर्ड से छेड़छाड़ और सरकारी योजना में अनियमितता सहित कई धाराएं लगाई गई हैं।

करोड़ों के संदिग्ध क्लेम और फर्जी खातों का मामला

सूत्रों के अनुसार यह मामला करोड़ों रुपये के संदिग्ध बीमा क्लेम, फर्जी किसान खातों और डिजिटल बैंकिंग गड़बड़ियों से जुड़ा हुआ है। जांच के दौरान एक ही मोबाइल नंबर से कई खाते संचालित होने, समान केवाईसी दस्तावेजों पर खाते खोले जाने और अपात्र लोगों के नाम पर बीमा राशि जारी होने जैसी बातें सामने आई हैं।

किरोड़ी लाल मीणा की रेड से खुला बड़ा बैंक घोटाला

कृषि मंत्री की छापेमारी के बाद शुरू हुई जांच

बताया जा रहा है कि कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को लंबे समय से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद उन्होंने अचानक एसबीआई पल्लू शाखा पहुंचकर रिकॉर्ड की जांच की। छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड संदिग्ध पाए गए, जिसके बाद पुलिस ने विस्तृत एफआईआर दर्ज की।

डिजिटल ट्रांजैक्शन और रिकॉर्ड की गहन जांच

जांच एजेंसियों को शुरुआती स्तर पर कई संदिग्ध ट्रांजैक्शनों के संकेत मिले हैं। पुलिस अब खातों की पूरी ट्रांजैक्शन हिस्ट्री खंगाल रही है। सूत्रों के अनुसार फर्जी फसल बीमा खातों से जुड़े आधार, जनाधार और मोबाइल नंबर आदि का क्रॉस वेरिफिकेशन भी किया जा रहा है। राजस्व रिकॉर्ड और वास्तविक खेती क्षेत्र का मिलान कराने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

बैंक कर्मियों और अन्य आरोपियों पर मामला दर्ज

जानकारी के अनुसार मामले में बैंक कर्मचारियों, कथित एजेंटों, संदिग्ध खाताधारकों और दस्तावेज तैयार करने वालों को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर आरोपियों की संख्या और बढ़ सकती है। पुलिस और तकनीकी एजेंसियां अब कोर बैंकिंग सिस्टम, डिजिटल ट्रांजैक्शन ट्रेल और संदिग्ध दस्तावेजों की फॉरेंसिक जांच में जुटी हुई हैं।

भाजपा की तारीफ वाले भाषण पर घिरे सीडीईओ

कांग्रेस ने कहा, अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा

राजसमंद, 9 मई (एजेंसियां)। राजसमंद के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रामेश्वरलाल बाल्दी खमनोर ब्लॉक के गांवगुड़ा में नए स्कूल भवन के लोकार्पण समारोह में सार्वजनिक मंच से भाजपा की पश्चिम बंगाल में जीत पर भाषण देकर प्रदेश कांग्रेस के निशाने पर आ गए हैं। पूर्व शिक्षा मंत्री एवं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सीडीईओ के भाषण का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

सीडीईओ ने गांवगुड़ा में दिया था ये भाषण

खमनोर ब्लॉक के गांवगुड़ा में 5 मई को पीएमश्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह में सीडीईओ रामेश्वरलाल बाल्दी ने मंच से भाजपा की पश्चिम बंगाल में जीत, बंगाल में ममता राज के सफाए, 10 रुपए की झालमुड़ी के कमाल का उल्लेख अपने भाषण में किया था।

सरकारी पद पर बैठकर राजनीतिक कार्यकर्ता की भूमिकाः डोटासरा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजसमंद के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी का सार्वजनिक मंच से राजनीतिक भाषण बेहद गंभीर और अनुशासनहीनता का मामला है। राजकीय मुलाजिम सरकार के होते हैं, किसी राजनीतिक दल के नहीं। बावजूद भाजपा सरकार में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकारी पदों पर बैठे कुछ लोग पद की गरिमा और सेवा नियमों को ताक पर रखकर राजनीतिक कार्यकर्ता की भूमिका निभा रहे हैं और सत्ता पक्ष की भाषा बोल रहे हैं। सरकार से अपेक्षा है कि वो तुरंत इस मामले में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारी पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करे।

सरकार कार्रवाई करेगी या तमाशा देखेगीः टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राजसमंद के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी का ऐसा राजनीतिक भाषण अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा है। एक सरकारी कार्मिक का इस तरह राजनीतिक भाषणबाजी करना सरकारी कार्मिकों के लिए बनी नियमावली का सरेआम धज्जियां उड़ाना है। क्या भाजपा सरकार इस तरह सरकारी नियमों का मखौल उड़ाने वाले कार्मिक पर कोई कार्रवाई करेगी या हर मामले की तरह यहां भी केवल चुप रहकर तमाशा देखेगी?

जिला कलक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

कांग्रेस ने सीडीईओ के इस भाषण को सरकारी कर्मचारी द्वारा की गई अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा बताया है। इधर, राजसमंद जिला कांग्रेस कमेटी ने भी सीडीईओ बाल्दी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी जिला कलक्टर को शनिवार को इस मामले में ज्ञापन देगी।

एटीएस के हत्थे चढ़ा 'जासूस', आतंकियों से चैट ने खोला होने वाले धमाकों का राज़!

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की चौकस एटीएस ने सरहद पार से चल रहे एक बड़े जासूसी और अलगाववादी नेटवर्क को नेस्तनाबूद कर दिया है। सोशल मीडिया की गहरी निगरानी के बाद एटीएस की टीम ने पंजाब में दबिश देकर एक ऐसे युवक को हिरासत में लिया है, जिसके मोबाइल फोन ने देश की सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। आरोपी न केवल खालिस्तानी आतंकियों के संपर्क में था, बल्कि वह राजस्थान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल की रणनीतिक चौकियों की जानकारी भी पाकिस्तान भेज रहा था।

सोशल मीडिया पर 'देशद्रोह' का जाल : एडीजी दिनेश एमएन

राजस्थान एटीएस के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि उनकी टीम लंबे समय से कुछ संदिग्ध सोशल मीडिया हैंडल्स को ट्रैक कर रही थी।

ऑपरेशन पंजाबः संदिग्ध गतिविधियां पुख्ता होने पर एएसपी सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम पंजाब भेजी गई।

गुरुविंदर की गिरफ्तारीः टीम ने वहां से गुरुविंदर नामक युवक को पकड़ा और जयपुर लेकर आई। प्राथमिक पूछताछ में जो तथ्य सामने आए, वे चौंकाने वाले थे।

पन्नू का कनेक्शनः जांच में पता चला कि आरोपी 'सिख फॉर जस्टिस' के भगोड़े आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के भड़काऊ वीडियो और प्रो-खालिस्तान सामग्री को बड़े पैमाने पर प्रसारित कर रहा था।

'एके-47' और 'ग्रेनेड' की डिमांड

गुरुविंदर के फेसबुक मैसेंजर की जांच में 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों के साथ बातचीत के सबूत

मिले हैं। बम धमाकों की प्लानिंगः चैट और वॉइस नोट्स में आरोपी एके-47 राइफल और हैंड ग्रेनेड मंगाने की बात कर रहा था।

कोड वर्ड में बातचीतः वॉइस नोट्स में राजस्थान और पंजाब के संवेदनशील इलाकों में बम धमाके करने जैसी साजिशों के संकेत मिले हैं।

हथियारों की सप्लाईः एटीएस यह पता लगाने में जुटी है कि क्या उसे हथियारों की कोई खेप डिलीवर होने वाली थी?

राजस्थान के लिए था बड़ा खतरा!

जांच में सबसे बड़ा और खतरनाक खुलासा यह हुआ है कि गुरुविंदर ने राजस्थान सीमा पर स्थित बीएसएफ की प्रतिबंधित चौकियों के वीडियो बनाए थे।

आकाओं को रिपोर्टिंगः आरोपी ने ये वीडियो पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को भेजे। यह सीधा-सीधा जासूसी का मामला है, जिससे सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को खतरा पैदा हो सकता है। खुफिया जानकारीः वीडियो के जरिए चौकियों की लोकेशन, जवानों की संख्या और हथियारों की तैनाती का अंदाजा लगाया जा सकता है, जो आतंकियों की घुसपैठ के लिए इस्तेमाल होता है।

राजस्थान एटीएस का 'जीरो टॉलरेंस'

पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद राजस्थान एटीएस ने गुरुविंदर को पंजाब पुलिस को सौंप दिया है। जॉइंट इन्वेस्टिगेशनः अब पंजाब पुलिस और खुफिया एजेंसियां यह जानने की कोशिश कर रही हैं कि इस नेटवर्क के तार और कहां-कहां फैले हैं। राजस्थान कनेक्शनः राजस्थान के सीमावर्ती जिलों (जैसे श्रीगंगानगर, बीकानेर और जैसलमेर) में आरोपी के संपर्कों की भी गहनता से जांच की जा रही है।

क्या किसी बड़ी साजिश का 'मोहरा' है गुरुविंदर?

सुरक्षा एजेंसियों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक सामान्य दिखने वाला युवक आखिर इतनी गहराई से आतंकी संगठनों में कैसे जुड़ गया? क्या उसे किसी विदेशी हैंडलर ने 'हनी ट्रैप' या पैसों का लालच देकर फंसाया था? राजस्थान की सीमाएं फिलहाल हाई अलर्ट पर हैं।

मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में एमबीबीएस फाइनल ईयर छात्र ने की खुदकुशी, हॉस्टल परिसर में हड़कंप

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। जयपुर में सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के न्यू आरडी हॉस्टल में एमबीबीएस फाइनल ईयर के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। इस सनसनीखेज घटना से सुबह हॉस्टल परिसर में हड़कंप मच गया। मृतक की शिनाख्त अलवर निवासी नितिन यादव के रूप में हुई है। छात्र हॉस्टल से बाहर किराए के मकान में रह रहा था और देर रात अपने साथियों से मिले हॉस्टल पहुंचा था। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मृतक के परिजनों को इत्तला दी है।

सूचना मिलते ही सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ दीपक माहेश्वरी समेत कॉलेज प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होने बताया कि नितिन यादव हॉस्टल के बाहर किराए के मकान में रह रहा था। देर रात वह न्यू आरडी हॉस्टल पहुंचा और वहां आठवीं मंजिल पर जाकर आत्महत्या कर ली। संभवतया छात्र अपने साथ कोई विषाक्त वस्तु लाया था। पुलिस हॉस्टल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की भी जांच कर रही है।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर दीपक माहेश्वरी का कहना है कि छात्र नितिन यादव पढ़ाई में काफी तेज था और उम्मीद नहीं की जा रही की वह ऐसा कदम उठा सकता है। छात्र का इसी वर्ष एमबीबीएस कोर्स भी पूरा होने वाला था। कॉलेज प्रशासन और हॉस्टल में रह रहे अन्य डॉक्टर इस घटना से स्तब्ध हैं। कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. जितेंद्र सिंह शेखावत और डॉ. मोनिका जैन समेत प्रशासनिक अधिकारी हॉस्टल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की।

पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस अब मामले में छात्र के साथियों और परिजनों से पूछताछ करेगी, जिससे आत्महत्या के पीछे की वजह का खुलासा हो सके।

दूसरी तरफ सूचना मिलने पर मृतक के परिजन जयपुर के लिए रवाना हो गए हैं। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने पर शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

न्यू आरडी हॉस्टल की आठवीं मंजिल पर छात्र नितिन यादव ने देर रात खुदकुशी कर ली। घटना ने हॉस्टल में सुरक्षा इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। हॉस्टल परिसर में देर रात तक बाहरी लोगों की आसानी से हो रही आवाजाही हॉस्टल में रह रहे छात्रों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

एएनटीएफ की कार्रवाई से घबराए तस्कर

पेट्रोल डाल कार फूंकी, जलती गाड़ी से निकले डोडा पोस्त के कट्टे

पाली, 9 मई (एजेंसियां)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने शनिवार सुबह देसूरी नाल में बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडा पोस्त तस्करी का पर्दाफाश किया। कार्रवाई उस समय सनसनीखेज मोड़ पर पहुंच गई, जब पीछा कर रही टीम को देखकर तस्करों ने अपनी कार पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई।

सूचना के अनुसार एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को अवैध डोडापोस्त परिवहन की सूचना मिली थी। इसके बाद शनिवार सुबह करीब 10 बजे झीलवाड़ा से हरिओम आश्रम देसूरी की ओर आ रही संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया। टीम को देखते ही चालक ने कार मोड़ी और तेज रफ्तार में वापस झीलवाड़ा की तरफ भाग निकला।

नारकोटिक्स टीम ने पीछा शुरू किया तो तस्कर देसूरी नाल स्थित गजानन मंदिर के पास पहुंचा और पकड़े जाने के डर से कार पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा दी। कुछ ही सेकंड में कार धूं-धूं कर जलने लगी।

नारकोटिक्स टीम और पुलिसकर्मियों ने जान जोखिम में डालकर जलती कार से डोडा पोस्त के दो कट्टे बाहर निकाल लिए और एक तस्कर को मौके से दबोच लिया। आग कार पूरी तरह जल गई। बाद में दमकल की मदद से आग पर काबू पाया गया।

घटना के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर देसूरी नाल मार्ग को हरिओम आश्रम के पास बेरिकेडिंग कर कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। करीब एक घंटे बाद यातायात दोबारा शुरू किया गया।

मौके पर पाली एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के सूरजभान सिंह, देसूरी थानाधिकारी और पुलिस टीम कार्रवाई में जुटी रही। पुलिस अब गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ कर नेटवर्क के अन्य सदस्यों की

स्कूल में बांट दी शादी में बची 'बासी' रसमलाई!

30 बच्चे समेत 97 लोग बीमार

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में शादियों का सीजन अपने चरम पर है, लेकिन कोटपुतली-बहरोड़ जिले के विराटनगर इलाके से एक ऐसी खबर आई है जिसने उत्सव के माहौल को दहशत में बदल दिया है। यहाँ ढाणी गैसकान गांव में एक शादी समारोह के दौरान परोसी गई मिठाइयां 'जहर' साबित हुईं। मिठाई खाते ही एक के बाद एक 30 मासूम बच्चों सहित 97 लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। गांव की गलियों में एम्बुलेंस के सायरन और अस्पताल में भर्ती बच्चों की सिसकियों ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

गांव में गुरुवार रात को एक लगन-टीका समारोह आयोजित किया गया था। समारोह के बाद काफी मात्रा में 'रसमलाई' बच गई थी। गांव के ही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में यह बची हुई रसमलाई बच्चों के बीच बांट दी गई। स्कूल स्टाफ का कहना है

कि उन्होंने बच्चों को देने से पहले खुद भी मिठाई चखी थी, लेकिन तब सब कुछ ठीक लग रहा था।

मिठाई खाने के करीब चार घंटे तक सब सामान्य रहा, लेकिन जैसे ही घड़ी की सुइयां 12 पर पहुँचीं, स्कूल में मंजर बदल गया।सबसे पहले एक बच्चे को उल्टी हुई, और फिर देखते ही देखते बच्चों की कतार लग गई। बच्चों ने पेट दर्द, चक्कर आना और जी घबराने की शिकायत की।

केवल स्कूल ही नहीं, बल्कि गांव के उन अन्य लोगों की भी तबीयत बिगड़ने लगी जिन्होंने सुबह वह रसमलाई खाई थी।प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, कुल 97 लोग इस फूड पॉइजनिंग का शिकार हुए हैं, जिनमें 30 स्कूली बच्चे शामिल हैं। अस्पताल में बेड की कमी, प्रशासन अलर्ट मोड पर

जैसे ही बड़ी संख्या में बीमार लोग आंतेला सीएचसी पहुँचे, वहां अफरा-तफरी मच गई।

मेडिकल टीम का एक्शनः डॉ. संतोष कुमार स्वामी के नेतृत्व में नर्सिंग ऑफिसर महेंद्र सैनी, राजबाला, कृष्णा और फार्मासिस्ट रामकुंवार की टीम ने तत्काल मोर्चा संभाला। कई गंभीर मरीजों को शाहपुरा उप जिला अस्पताल भी भेजा गया। एसडीएम और बीसीएमओ मौके परः घटना की गंभीरता को देखते हुए विराटनगर एसडीएम कपिल उपाध्याय और बीसीएमओ डॉ. सुनील मीणा तुरंत अस्पताल पहुँचे और मरीजों के इलाज की निगरानी की। अधिकारियों ने चिकित्सकों को साफ निर्देश दिए हैं कि इलाज में कोई कोताही न बरती जाए।

कोटपुतली-बहरोड़ जिला एफएसएल टीम ने गांव पहुँचकर उस रसमलाई के नमूने लिए हैं। प्राथमिक तौर पर इसे 'बैक्टीरियल इंफेक्शन' माना जा रहा है।

'मैं मरूंगी और मारूंगी'

जेठ को ऑडियो भेज पति पर कुल्हाड़ी से किया हमला, फिर लगा लिया फंदा

उदयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच विवाद ने दर्दनाक मोड़ ले लिया। मजावड़ी गांव में पत्नी ने अपने पति पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और उसे मृत समझकर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घायल पति का जिला अस्पताल में इलाज जारी है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय उमेश गमेती और उसकी पत्नी 21 वर्षीय दुर्गा गमेती गुरुवार रात गांव में आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौटे थे। घर पहुंचने के बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दुर्गा ने कुल्हाड़ी उठाकर पति उमेश पर कई वार कर दिए। हमले में उमेश गंभीर रूप से घायल होकर खून से लथपथ हो गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति पर हमला करने के बाद दुर्गा ने उसे मृत समझ लिया। इसके बाद उसने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घर से कोई बाहर नहीं निकला तो पड़ोसियों को शक हुआ। अंदर जाकर देखा तो दुर्गा फंदे पर लटकी मिली, जबकि उमेश गंभीर हालत में पड़ा था। ग्रामीणों ने तुरंत उमेश को जिला अस्पताल पहुंचाया।

मधुमक्खियों का छत्ता हटाने के दौरान भड़की आग

तीन मंजिला मकान में मची अफरातफरी

बीकानेर, 9 मई (एजेंसियां)। बीकानेर शहर के कोटगेट थाना क्षेत्र स्थित बिस्कुट गली में शनिवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब सामुदायिक भवन के पास स्थित एक तीन मंजिला मकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते लपटें तेजी से फैलने लगीं। आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

मौके पर पहुंचे कोटगेट थाना पुलिस के सहायक उप निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि मकान मालिक संदीप भार्गव घर की दूसरी मंजिल पर बने मधुमक्खियों के छत्ते को हटाने के लिए आग जला रहे थे। इसी दौरान वहां पास में पड़ा लकड़ी का कबाड़ आग की चपेट में आ गया। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और मकान की दूसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान इलाके में लोगों की भारी भीड़ जमा रही और प्रशासन को स्थिति नियंत्रित करने में काफी प्रयास करने पड़े। आग लगने के समय पूरा परिवार मकान के अंदर मौजूद था। हालांकि स्थानीय लोगों की सतर्कता और तत्परता के चलते सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग मुख्य रूप से दूसरी मंजिल पर लगी, जिससे वहां रखा सामान जलकर खराब हो गया। घटना के बाद काफी देर तक इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल बना रहा। प्रशासन और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल घटना के बाद क्षेत्र में स्थिति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दोस्त की शादी में पहुंचा था युवक

गांव के व्यक्ति ने मार दी गोली, मौके पर मौत!

धौलपुर, 9 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. घर में खुशियों का आलम था. लोग शादी में आए थे. गाना बजाना हो रहा था. अचानक कुछ ऐसा हुआ कि लोगों के पैरों तले जमीन खिसक गई. दिहौली थाना इलाके के घुरैयाखेड़ा गांव में शादी के दौरान फायरिंग हो गई. इस घटना में एक युवक की मौत भी हो गई. मृतक कोई और नहीं दूल्हे का करीबी दोस्त था. बताया जा रहा है कि मृतक राहुल अपने दोस्त की शादी में शामिल होने गांव पहुंचा था. शादी के माहौल में लोग दावत में जुटे हुए थे, लेकिन इसी बीच एक मामूली कहासुनी ने ऐसा रूप ले लिया कि कुछ ही पलों में सबकुछ बदल गया. घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई. शादी में शामिल लोग इधर-उधर भागने लगे. परिवार वाले और रिश्तेदार समझ ही नहीं पाए कि अचानक क्या हो गया. कुछ देर पहले तक जहां गाने और खुशियों की आवाजें थीं, वहीं बाद में चीख-पुकार सुनाई देने लगी.

रील लाइफ से रियल लाइफ में उतरी पुष्पा की स्टाइल

तस्करों की नई चाल से पुलिस हैरान

चित्तौड़गढ़, 9 मई (एजेंसियां)। फिल्म पुष्पा का वो डायलॉग तो आपको याद होगा झुकेगा नहीं...। चित्तौड़गढ़ जिले में तस्करों ने इस डायलॉग को सिर माथे लगा लिया है लेकिन पुलिस के बढ़ते दबाव ने अब उनके झुकने नहीं बल्कि छिपने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। कभी पशु आहार की आड़, कभी प्याज की खुशबू में डोडा-चूरा की दुर्गंध छिपाने की कोशिश तो कभी लग्जरी कारों का रूतबा। हद तो तब हो गई जब तस्करी के इस दलदल में खाकी के रक्षक और बैंककर्मी बनकर युवक गोते लगा रहे हैं।

पुलिस की एएनटीएफ टीम ने हाल ही में एक ऐसी कार्रवाई की है जिसने सभी को चौंका दिया है। पुलिस ने जिले के शंभूपुरा थाना क्षेत्र से 10 किलो 140 ग्राम डोडा चूरा बरामद करते एक मोटरसाइकिल जब्त करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मोटरसाइकिल सवार युवक को जब टीम ने रुकवाया तो युवक ने अपने गले में लटकाए आईडी कार्ड दिखाकर बोलने लगा कि मैं बैंककर्मी हूं।मुझे क्यों रोका है मैं लेट हो रहा हूं। मुझे किसी कस्टमर से मिलने जाना है।

युवक का हुलिया बिल्कुल एक पेशेवर बैंक कर्मचारी जैसा बना रखा था। गले में आईडी कार्ड और चेहरे पर शालीनता ताकि नाकाबंदी में कोई शक न करे।

व्हीकल लोन दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाला गिरोह बेनकाब

7500 का इनामी मास्टरमाइंड गिरफ्तार

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। जयपुर पश्चिम पुलिस ने वाहन लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के सरगना और 7500 रुपये के इनामी आरोपी कैलाश चंद पूनिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था और राजस्थान से बाहर छिपकर रह रहा था। डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 3 फरवरी 2026 को जोबनेर निवासी महावीर सिंह नाथावत ने करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि ट्रैक्टर खरीदने के लिए लोन की जरूरत होने पर वह करधनी स्थित यूएच फाइनेंशियल सर्विसेज डी मार्ट कार्यालय पहुंचा, जहां उसकी मुलाकात सुभाष घासल, कैलाश पूनिया और आयुषी पारीक से हुई। आरोपियों ने लोन दिलाने का भरोसा देकर उससे बैंक के खाली चेक, दस्तावेज और कई फॉर्मों पर हस्ताक्षर करवा लिए। कुछ समय बाद आरोपियों ने सिविल स्कोर खराब बताकर आवेदन निरस्त होने की जानकारी दी और दस्तावेज लौटाने का आश्वासन दिया। बाद में परिवादी को आरएमके फिनकॉर्प प्राइवेट लिमिटेड से बकाया राशि वसूली का नोटिस मिला। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने परिवादी के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उसके नाम पर फर्जी तरीके से वाहन लोन उठाया था।

स्व-जनगणना पूरी करने की अंतिम तिथि रविवार : आरवी कर्णन

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, साइबराबाद नगर निगम तथा मलकाजगिरि नगर निगम को मिलाकर बनाए गए कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी क्षेत्र के प्रधान जनगणना अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा है कि जनगणना पोर्टल के माध्यम से स्व-जनगणना पूरी करने की अंतिम तिथि रविवार है। शनिवार को जारी अपील में उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार के लिए केवल एक स्व-जनगणना आईडी की आवश्यकता होती है तथा पूरी प्रक्रिया में केवल 10 से 15 मिनट का समय लगता है। उन्होंने बताया कि नागरिक जनगणना पोर्टल पर लॉग इन कर अपनी सुविधा अनुसार किसी भी भाषा का चयन करके मोबाइल फोन अथवा लैपटॉप के माध्यम से विवरण भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर उपलब्ध 33 प्रश्नों वाली प्रश्नावली को सरलता से समझकर संबंधित कॉलम भरे जा सकते हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 06/2026 दि.08-05-2026
भण्डारण मदों की आपूर्ति-ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स आनलाईन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को वेबसाइट पर दिया गया है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य है। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर भी विचार नही किया जायेगा। निविदा की तय तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी प्रस्तावों या आफर्स, अग्रधन को आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध www.ireps.gov.in के माध्यम से ही स्वीकार किया जायेगा।

क्रम सं.-01, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिःएलएच265680, 25-05-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः आरडीएसओ/पीइ/विनिर्दे./एसी/0061-2005 24 पिन हेवी ड्यूटी कनेक्टर।

क्रम सं.-02, निविदा सं. &निर्धारित तिथिः60265952, 01-06-2026 कार्य विवरणःआरडीएसओ डीआरजी. टी-023 (एम) संबध्द स्फेरिकल वाशर का प्रापण।

क्रम सं.-03, निविदा सं. & तय तिथिः6026पीटी016, 01-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः एन्टिक्रीप डिवाइस टीडब्ल्यूएस. टी-8782 & टी-8783 हेतु मूल्य करार या प्राइस एग्रीमेन्ट।

क्रम सं.-04, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः66266199, 09-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः प्लासर मेक के ट्रैक मशीन स्पेयर्स।

क्रम सं.-05, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः25264508, 28-05-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः सुधार किया गया रब्बर साइड बेरर।

क्रम सं.-06, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः25264836, 27-05-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः टैप चेन्जर के लिए आइओएच किट।

क्रम सं.-07, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः25264512, 28-05-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः रीवर्सर/सीटीएफ के लिए मोबाइल कान्टैक्ट सेगमेन्ट एस्सेम्बली।

क्रम सं.-08, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः29261028, 28-05-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः 3 फेज ट्रैक्शन मोटर बेयरिंग का सेट।

क्रम सं.-09, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः29261003, 29-05-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः लोको साइड बफ्फर एस्सेम्बली हाय कैपासिटी & लान्ग लाइफ।

क्रम सं.-10, निविदा सं. & तय तिथिः6026पीटी011, 15-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः एच बीम स्लीपर्स पर जिरो टो लोड फासनिन्ग्स।

क्रम सं.-11, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः66266478, 15-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः टीएम हेतु लोरम मेक स्पेयर्स का प्रापण।

क्रम सं.-12, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः66266326, 16-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः टीएम के लिए सीआरसीसी एचटीइसी मेक स्पेयर्स का प्रापण।

क्रम सं.-13, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः66266316, 11-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः टीएम के लिए जेएससी कलुगापुटमैश मेक स्पेयर्स का प्रापण।

क्रम सं.-14, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः66265743, 09-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः टीएम के लिए स्पेयर्स का प्रापण।

क्रम सं.-15, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः31263259, 28-05-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः नोर्र ब्रेम्स मेक ब्रेक कैल्लीपर।

क्रम सं.-16, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः31261011, 08-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः प्राइमरी ससपेंशन हेतु टाप स्प्रिन्ग पैड।

क्रम सं.-17, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः60266057, 16-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः आरडीएसओ डीआरजी. नं.टी-3912 हेतु प्लेट स्क्रूज का प्रापण।

क्रम सं.-18, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः33261154, 01-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः फ्रेक्सीबुल जायन्ट।

क्रम सं.-19, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः33261605, 01-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः मस्ट चेन्ज किट।

क्रम सं.-20, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः33261653, 26-05-2026 कार्य विवरणः आउटर ब्रैकेट (आरएच)।

क्रम सं.-21, निविदा सं. & तय तिथिः33261693, 28-05-2026 कार्य विवरणः आउटर ब्रैकेट (एलएच)

क्रम सं.-22, निविदा सं. & तय तिथिः6026पीटी025, 22-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः मेटल लाइनर आरडीएसओ डीआरजी.नं.टी-3738.

क्रम सं.-23, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः38262348, 26-05-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः प्रेशर ट्रान्सफार्मर

क्रम सं.-24, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः38262060, 04-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः पैनल सहित फ्लैप डोर फ्रेम

क्रम सं.-25, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः38261060, 03-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः पीओएच किट 10 इन्च बीएमबीएस सिलेन्डर

क्रम सं.-26, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः38261636, 08-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः एडाप्टर, आइसोलेटिन्ग काक & गैस्केट सहित डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व

क्रम सं.-27, निविदा सं. & निर्धारित या तय तिथिः66266215, 09-06-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः टीएम हेतु गेयरबाक्स & एक्सल स्पेयर्स का प्रापण।

--शुध्दिपत्र--

निविदा सूचना सं.05 दि.01-05-2026 निविदा सं.-एससीआर26सीएपीटीसीटीटी की निर्धारित तिथि 22-05-2026 को निविदा सं. एससीआर-26-सीएपी-टीसीटीटी के रूप में पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.04 दि.24-04-2026 निविदा सं.-6026पीटी020 की निर्धारित तिथि को 26-05-2026 के रूप मे पढा जाना चाहिए तथा निविदा सं.66265800 की निर्धारित तिथि को 25-05-2026 के रूप में पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से भी अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध हैं।

विस्तृत विवरण हेतु कृपया उक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

निविदा सं.-जीटीएल-इएम-11-2026-27 दि.08-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-जीटीएल-इएम-11-2026-27, कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजनः अनन्तपूर, श्रीकालहस्ती, कडप्पा, ताडीपत्री, मंत्रालयम रोड, ढोने तथा धर्मावरम रेलवे स्टेशनों पर 12 एम फूट ओवर ब्रिज हेतु एस्केलेटर्स (अप & डाउन) का प्रावधान-बिजली आपूर्ति व्यवस्थाएं।

अनुमानित मूल्य रु.2,08,86,581.69

बंद करने की तिथि व समयः 01-06-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग व अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.inपर लागिन करें निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

निविदाकार निविदा दस्तावेज को https://www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

टिप्पणीः ई-निविदा में सहभागिता /बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुन्टकल

ई-निविदा सूचना संख्याएं सी/ई.29/इलेक./एम/एससी/05/ओएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यू/ओटी/2026-27 दि.07-05-202

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.29-05-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक./एम/एससी/05/ओएसडबल्यू-एसडब्ल्यू/ओटी/2026-27 -ईटेंडर नं.ई-एम-एससी-05-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग- I)भोंगिर- तत्संबंधित भोंगिर-आउटपोस्ट पर पुरुषों हेतु 8 बिस्तरों युक्त आरपीएफ बैरक्स का निर्माण कार्य। II) डीएलएस/केजेडजे-तत्संबंधित डीएलएस/केजेडजे पर आरपीएफ आउट पोस्ट बिल्डिंग का उन्नयन कार्य। III) जम्मीकुन्टा-जेएमकेटी पर सीपीडब्ल्यूआई आफिस तथा शेड का निर्माण।

IV) मणुगुरु-एमयुजीआर रेलवे कालोनी पर न्यू टाइप-॥ क्वार्टर्स सहित पुराने टाइप 1 क्वार्टर्स (बी.नं.8/1-5&19/1-3= 08 युनिट्स) & पुराने टाइप ॥ क्वार्टर्स (बी.नं.3/1-4=04 युनिट्स) का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट। V) कारेपल्ली-डीकेजे-बीडीसीआर सेक्शन-केआरए--एसएसइ/पी.वे हेतु टाइप- IV क्वार्टर (1 नं.) का निर्माण तथा कारेपल्ली पर जेइ/पीवे हेतु टाइप-॥। (1नं.) का निर्माण। VI) संचालन भवन में मौजूदा पुराने लिफ्ट्स के स्थान पर 8 यात्रियों की क्षमता युक्त 2 लिफ्ट्स का प्रावधान तथा आरएसबी पर न्यू एनेक्स बिल्डिंग में 13 यात्रियों की क्षमतायुक्त 02 लिफ्ट्स का प्रावधान। VII) चित्तापूर रन्निंग रूम पर 6 यात्रियों की क्षमतायुक्त 01 लिफ्ट का प्रावधान।

V॥।) सीएचजेड-चेर्लापल्ली पर न्यू टाइप डिजाइन आरपीएफ पोस्ट-आफिस बिल्डिंग का निर्माण कार्य। IX) सिकंदराबाद-27 बिस्तरों सहित (पुरुष टीटीइ हेतु 14 बेड्स तथा महिला टीटई हेतु 13 बेड्स -पृथक शौचालयों सहित) टीटीई रेस्ट हाउस हेतु अतिरिक्त ब्लाक तथा एसीज, किचन, स्टोर, आरओ वाटर तथा फर्नीचर का प्रावधान। X) केएचएनपी-तत्संबंधित केएचएनपी पर टाइप-॥ क्वार्टर्स-07 नंबर्स का निर्माण कार्य। XI) इन्टिग्रेटेड कमाण्ड कंट्रोल सेंटर के फार्मेशन हेतु 5000 स्के.फीट एफआरआइ साइबर सेल/एससीआर के नये भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु. 2,60,38,016.33 अग्रधन रु.5,20,800.00 सीटीएफ रु. शून्य कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जोकि, आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमे भाग लिया जा सकता है तथा जिसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है।

यह निविदा सूचना, एसआर.डीईई (रखरखाव), सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद कार्यालय स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाई गयी है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

-वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव), सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. पीसीएमइ/एससीआर/मेका./04/2026/डब्लयूपी-एलजीडीएस-आरटी दि.07-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु 01-06-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं. 01, निविदा सं. -एससीआर /मेका./04/2026/डब्ल्यूपी- एलजीडीएस-आरटी दि.07-05-2026, कार्य विवरणः कैरेज वर्कशाप/लालागुडा पर इंडस्ट्री 4.0/रिमोट डायग्नोस्टिक फीचर्स सहित विनिर्देशन सं. सीओएफएमओडब्ल्यू/डब्ल्यूपी/500/2021/आरइवी ओ नुसार रिकार्डिंग सिस्टम तथा कम्प्युटर आधारित अधिमापन या मीजरिंग सहित व्हील प्रेस कैपासिटी 500 टन की आपूर्ति, इंस्टालेशन तथा कमीशनींग (टर्न की आधारित) कार्य।

बोली मूल्य रु.2,44,58,104.08, निविदा बंद करने की तिथिः 01-06-2026 के 15.00 बजेअधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता, सिकंदराबाद

A247

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस विफल : सबिता इंद्रा रेड्डी

मुख्यमंत्री पर गृह विभाग की अनदेखी का आरोप

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व गृह मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि कभी दक्षिण भारत ही नहीं बल्कि पूरे देश में अपनी कार्यकुशलता के लिए पहचान रखने वाली तेलंगाना पुलिस अब राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल हो रही है। उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि जिस तेलंगाना की पुलिस व्यवस्था कभी उदाहरण मानी जाती थी, वही राज्य अब कानून व्यवस्था के मामले में अन्य राज्यों से पीछे होता जा रहा है। शनिवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों की स्थिति यह साबित करती है कि यदि कानून व्यवस्था जैसे मूल दायित्व की अनदेखी की जाए तो राज्य का पतन तय है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार का ध्यान कानून व्यवस्था सुधारने के बजाय राजनीतिक प्रताड़ना और विपक्षी नेताओं को फंसाने तक सीमित हो गया है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य केवल भौगोलिक पहचान के लिए नहीं बनाया गया था, बल्कि शांतिपूर्ण वातावरण, निवेश आकर्षित करने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य आंदोलन किया गया था। सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि राज्य में गृह मंत्री नहीं है, क्योंकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी स्वयं गृह विभाग संभाल रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के पुत्र पर पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय के पुत्र बंडी भागीरथ साई के खिलाफ शहर के पेटबशीरबाद थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार लगभग 17 वर्षीय पीड़िता अपने माता-पिता के साथ पेटबशीरबाद पुलिस थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पिछले वर्ष 31 दिसंबर को मोइनबाद स्थित एक फार्महाउस में बंडी भागीरथ साई ने उसे शराब पिलाने के बाद उसकी इच्छा के विरुद्ध अनुचित व्यवहार किया। पेटबशीरबाद के निरीक्षक के. विजया वर्धन ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर बंडी भागीरथ साई ने करीमनगर पुलिस आयुक्तालय के एक थाने में लड़की और उसके माता-पिता के खिलाफ भी मामला दर्ज कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार उनसे पांच करोड़ रुपये की उगाही करने का प्रयास कर रहा था।

प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर व्यापक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था रहेगी : सीपी

कार्यक्रम में बाधा डालने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी :

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता) । प्रधानमंत्री के हैदराबाद आगमन के अवसर पर परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा को देखते हुए विस्तृत सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था की गई है। यह जनसभा 10 मई की सायं आयोजित होगी, जिसमें लगभग एक लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। इस आयोजन के लिए करीब 2000 कानून-व्यवस्था पुलिस कर्मियों तथा 620 यातायात पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही विशेष इकाइयों को भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया है। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी उप पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, निरीक्षक एवं उपनिरीक्षकों के नेतृत्व में की जा रही है। इसके अलावा विशेष पुलिस बल, ऑक्टोपस टीम, खुफिया विभाग, सूचना एवं तकनीकी टीम, कमांड कंट्रोल सेंटर, श्वान दस्ता, बम निरोधक दस्ता एवं शी टीमों को भी तैनात किया गया है। कार्यक्रम स्थल, आसपास की सड़कों, पार्किंग स्थलों एवं प्रमुख जंक्शनों पर एकीकृत सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के माध्यम से लगातार नजर रखी जा रही है। सभी प्रवेश द्वारों पर बहुस्तरीय जांच और सुरक्षा स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई है। सिर्फ निर्धारित प्रवेश द्वारों से ही जनता को प्रवेश दिया जाएगा, जहाँ तलाशी और सुरक्षा जांच अनिवार्य होगी।

ड्रोन निगरानी से एमएमटीएस में मोबाइल चोरी की कोशिश नाकाम

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), हैदराबाद मंडल ने अपनी पिंक पेट्रोल पहल के तहत चलाए गए विशेष अभियान में एमएमटीएस सेक्शन में मोबाइल चोरी की एक कोशिश को नाकाम करते हुए एक संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मलकपेट रेलवे स्टेशन पर चलाए गए इस अभियान के दौरान आरपीएफ की टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर ड्रोन हवाई निगरानी और ग्राउंड-लेवल डिकॉय ऑपरेशन का समन्वित उपयोग किया। संदिग्ध व्यक्ति यात्रियों के आसपास लगातार घूमता हुआ और मोबाइल चोरी के प्रयास करता हुआ पाया गया। महिला आरपीएफ कर्मियों की शक्ति टीम ने सबसे पहले उसकी गतिविधियों को नोटिस किया और तुरंत ड्रोन सर्विलांस यूनिट को अलर्ट किया। इसके बाद रियल-टाइम हवाई निगरानी में आरोपी की संदिग्ध गतिविधियों की पुष्टि हुई। टीम ने उसे स्टेशन परिसर से भागने से पहले ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से लगभग 64,480 मूल्य के पांच संदिग्ध चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनमें रियलमी, ओप्पो, पोको, शाओमी और वनप्लस कंपनियों के फोन शामिल हैं।

सभी मोबाइल बिना सिम कार्ड के थे। आरोपी और बरामद सामान को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी/काचीगुड़ा को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई आरपीएफ हैदराबाद मंडल की 16 अप्रैल 2026 को शुरू की गई पिंक पेट्रोल पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एमएमटीएस में महिला यात्रियों की सुरक्षा को तकनीक आधारित निगरानी और त्वरित कार्रवाई के जरिए मजबूत करना है। इस पहल में ड्रोन निगरानी, सर्व-महिला शक्ति टीम और शक्ति साथी व्हाट्सएप अलर्ट सिस्टम को शामिल किया गया है। इसके माध्यम से महिला यात्री किसी भी घटना की जानकारी तुरंत आरपीएफ तक पहुंचा सकती हैं। आरपीएफ हैदराबाद मंडल की वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त देबाश्मिता सी. बनर्जी ने कहा कि पिंक पेट्रोल आधुनिक तकनीक और सक्रिय पुलिसिंग के माध्यम से महिला यात्रियों को सुरक्षित वातावरण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं इस अभियान को रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सोनाली मिश्रा के मार्गदर्शन और विजन से जोड़ा गया है, जिसके तहत ड्रोन और उन्नत निगरानी तकनीक को रेलवे सुरक्षा में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। आरपीएफ ने यात्रियों से किसी भी आपात स्थिति में रेलवे हेल्पलाइन 139 पर संपर्क करने की अपील की है।

महाराणा प्रताप सिंह जी की 486वीं जयंती मनाया गया

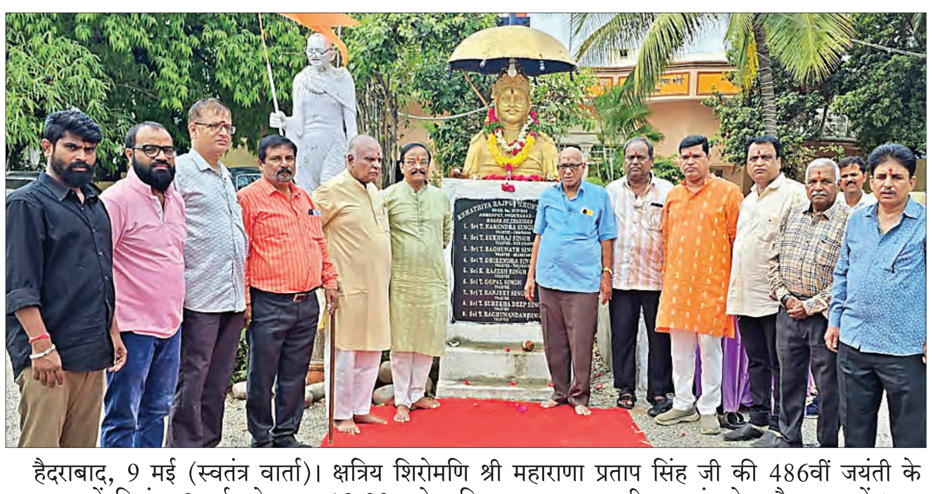

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। क्षत्रिय शिरोमणि श्री महाराणा प्रताप सिंह जी की 486वीं जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 9 मई को प्रातः 10:30 बजे क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट परिसर, अंबरपेट, हैदराबाद में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट (केआरटी) बोर्ड द्वारा कुंदन सिंह जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप जी के त्याग, बलिदान, स्वाभिमान एवं राष्ट्रभक्ति पर विशेष संदेश दिया गया तथा उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन साहस, सम्मान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है, जिससे समाज को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। इस अवसर पर ट्रस्ट के न्यासीगण, विधि सलाहकार, समाज के गणमान्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

ओबीसी जनगणना की मांग को लेकर वी. हनुमंत राव का अनिश्चितकालीन आमरण अनशन

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता) । केंद्र सरकार द्वारा देशभर में कराई जा रही जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को शामिल कर उनकी गणना किए जाने की मांग को लेकर सरकारी सलाहकार एवं पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव ने अपने अंबरपेट स्थित आवास पर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया।

वी. हनुमंत राव ने कहा कि राजनीतिक दलों से परे होकर पिछड़ा वर्ग के उत्थान और जनसंख्या के आधार पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए जनगणना में ओबीसी की गणना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखे, लेकिन कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। इस अनशन में विभिन्न नेताओं एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

11 मई से शुरू होंगे शिक्षा सप्ताह समारोह

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को दिए सफल आयोजन के निर्देश

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 99 दिनों की प्रजा पालन प्रगति योजना के तहत 11 मई से आयोजित होने वाले शिक्षा विभाग के सप्ताहोत्सव कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने जिला कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

शिक्षा सप्ताहोत्सव की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने शुक्रवार को संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों और जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि 11 मई को एलबी स्टेडियम में आयोजित होने वाले शिक्षा सप्ताहोत्सव के उद्घाटन समारोह में सभी जिलों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कलेक्टरों से सक्रिय भूमिका निभाकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सप्ताहोत्सव के तहत आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की कार्ययोजना और प्रतिदिन होने वाली गतिविधियों का विस्तृत विवरण जिला कलेक्टरों को बताया। इससे पहले मुख्य सचिव ने कृषि विभाग के तहत चल रहे किसान रजिस्ट्री कार्यक्रम की प्रगति, नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा की जा रही धान खरीद प्रक्रिया तथा जनसंख्या स्व-गणना से जुड़े विषयों की भी संबंधित विभागों के अधिकारियों और जिला कलेक्टरों के साथ समीक्षा की।

मूसी नदी में गिरी महिला को पूरी रात बाद सुरक्षित बचाया गया

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट क्षेत्र में मूसी नदी में गलती से गिर गई एक महिला को पूरी रात बाद शनिवार सुबह सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस के अनुसार गोलनाका निवासी इंदिरा (49) शुक्रवार को दुर्घटनावश मूसी नदी में गिर गई थीं। बताया गया कि वह नदी के उस हिस्से में जा गिरीं जहां पेड़-पौधे अधिक थे। उन्होंने किनारे तक पहुंचने के लिए काफी प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सकीं। मदद के लिए लगातार आवाज लगाने के बावजूद रातभर उनकी पुकार अनसुनी रही और उन्हें पूरी रात नदी में ही बितानी पड़ी। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों की नजर महिला पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी के भीतर तक पहुंचना संभव नहीं हो सका। बाद में अधिकारियों को सूचना दी गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हाइड्रा नियंत्रण कक्ष को सुबह 10 बजकर 51 मिनट पर घटना की सूचना मिली, जिसके बाद अग्निशमन एवं बचाव दल 11 बजकर 7 मिनट पर मौके पर पहुंच गया। बचाव अभियान के दौरान अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बड़ी सीढ़ी की सहायता से नीचे उतरकर महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

पीएनबी ने कृषि ऋण हेतु लोकसंपर्क (आउटरीच) कार्यक्रम का आयोजन किया

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा 8 मई, 2026 को देश भर में कृषि क्षेत्र को लक्षित करते हुए अंतिम लाभार्थियो तक कृषि ऋण सुलभ कराने के उद्देश्य से आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएनबी के साथ हर कदम पर भरोसेमंद सहयोग के लक्षित उद्देश्य से इस अवसर पर पीएनबी के हैदराबाद अंचल द्वारा मेगा कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान हैदराबाद अंचल (जिसमें तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश राज्य शामिल हैं।) में स्थित चार मंडलों, हैदराबाद, सिकंदराबाद, विजयवाड़ा एवं विशाखापट्टनम में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं कृषि क्षेत्र से संबंधित 350 करोड़ से अधिक के लीड्स सृजित किए गए। हैदराबाद में आयोजित इस मेगा कृषि आउटरीच कार्यकम्र में प्रधान कार्यालय से महाप्रबंधक एन.वी.एस.पी. रेड्डी एवं अंचल प्रबन्धक श्रीमती वन्दना पाण्डेय, उप-अंचल प्रमुख श्रवण कुमार, उप-महाप्रबंधक अजय कुमार एवं मंडल प्रमुख हैदराबाद अरविंद कालरा तथा मण्डल प्रमुख सुजीत कुमार झा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस मेगा कृषि आउटरीच कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित करना है जो अन्न उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकास का महत्वपूर्ण स्रोत है। बैंक, कृषि ऋणों के साथ ही स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) एवं स्वर्ण ऋणों पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर रहा है। इन आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से ग्राहकों को पीएनबी में उपलब्ध प्रतिस्पर्धी उत्पादों और सेवाओं की जानकारी दी गई।

कोथापेट न्यू मारुती नगर स्थित पालीवाल राजपुरोहित परिवार द्वारा आयोजित सुंदरकांड, हवन-यज्ञ कार्यक्रम में आयोजक रामसिंह, नारायणसिंह, इन्दरसिंह, गजेन्द्रसिंह जवाली का सम्मानकर उपस्थित तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन कार्याध्यक्ष शंकरसिंह राजपुरोहित, युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, सोहनसिंह बीरावास, प्रेमसिंह राजपुरोहित, सोहनसिंह धांगड़वास, चेनसिंह, हीरसिंह राजपुरोहित व समाज बन्धु।

केबीआर पार्क के पास पेड़ों की कटाई के विरोध में बनेगी मानव श्रृंखला

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सेव केबीआर पार्क अभियान से जुड़े कार्यकर्ता तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि रविवार को केबीआर पार्क के आसपास प्रस्तावित फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण के विरोध में मानव श्रृंखला बनाएंगे। यह विरोध प्रदर्शन एच-सीआईटीआई परियोजना के तहत इंडो-अमेरिकन कैंसर अस्पताल के निकट किए जा रहे वृक्षों की कटाई के खिलाफ आयोजित किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की जा रही है, जिसके विरोध में पिछले कई दिनों से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन जारी है।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

दिल्ली प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर

कोलकाता ने पीछे छोड़ा

खेल डेस्क, 9 मई (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2026 में 7वीं हार मिली। कोलकाता नाइट राइडर्स ने उसे 8 विकेट से हराया। इस हार से दिल्ली प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो गई है। दूसरी ओर कोलकाता ने अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं।

अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 142 रन बनाए। कोलकाता ने 143 रन का टारगेट 14.2 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। फिन एलन ने नाबाद 100 रन बनाए।

आईपीएल 2026 में कोलकाता ने लगातार चौथी जीत हासिल की। कैपिटल्स को सीजन में सातवीं हार मिली है।

कोलकाता के 10 मैचों में 9 अंक हैं। टीम ने 4 मैच जीते और 5 गंवाए हैं। टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद कायम है। हालांकि, उसे बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। साथ ही अन्य टीमों के प्रदर्शन पर भी निर्भर रहना होगा।

दिल्ली 11 में से सिर्फ 4 मैच जीत सकी है। टीम के पास 8 अंक हैं और अब वह अधिकतम 14 अंक तक पहुंच सकती है। पिछले चार आईपीएल सीजन में सिर्फ एक बार कोई टीम 14 अंक लेकर प्लेऑफ में पहुंची है। ऐसा 2024 सीजन में हुआ था। 2022, 2023 और 2025 में चौथे प्लेऑफ की सभी टीमों ने कम से कम 16 पॉइंट्स हासिल किए थे।

सीजन के 51 मैचों के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासन 11 मैचों में 494 रन बनाकर ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड में टॉप पर हैं। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे और दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 468 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

दिल्ली-कोलकाता मैच के बाद पर्पल कैप के टॉप-3 में कोई बदलाव नहीं हुआ। हालांकि रेस रोमांचक बनी हुई है। भुवनेश्वर कुमार 10 मैचों में 17 विकेट के साथ टॉप पर हैं। अंशुल कंबोज ने भी 10 मैचों में 17 विकेट लिए हैं, लेकिन बेहतर इकोनॉमी के कारण भुवनेश्वर आगे हैं। तीसरे नंबर पर प्रिंस यादव हैं।

राहुल तीन टीमों से 1000+ रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज

आईपीएल में 500 चौके पूरे; ग्रीन के छक्के से बॉल गुमी

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। केएल राहुल ने तीन अलग-अलग टीमों के लिए 1000+ रन पूरे कर इतिहास रचा। उनके आईपीएल में 500 चौके भी पूरे हुए। दूसरी ओर कैमरन ग्रीन के 94 मीटर लंबे छक्के से बॉल गुम हो गई।

विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1,000 रन पूरे किए। राहुल IPL इतिहास में 3 टीमों से 1,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। मैच में वे 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए।

केएल राहुल ने कोलकाता के खिलाफ चार चौके लगाए और आईपीएल में 500 चौके पूरे किए। IPL में सबसे ज्यादा 813 चौके विराट कोहली ने लगाए हैं। शिखर धवन 768 चौकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। डेविड वॉर्नर ने 663 और रोहित शर्मा ने 659 चौके लगाए हैं। अजिंक्य रहाणे 526 चौकों के साथ पांचवें और सुरेश रैना 506 चौकों के साथ छठे स्थान पर हैं। राहुल 500 चौकों के साथ सातवें स्थान पर हैं।

राहुल के अलग-अलग टीमों के लिए एक हजार रन

टीम	रन
पंजाब किंग्स	2548
लखनऊ सुपर जायंट्स	1410
दिल्ली कैपिटल्स	1007

दिल्ली के खिलाफ कोलकाता के ओपनर फिन एलन ने 47 गेंदों में शतक लगाया। वे कोलकाता के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। यह उनके आईपीएल करियर का पहला शतक रहा। वे कोलकाता के लिए आईपीएल में शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं।

दिल्ली की पारी के 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर टीम ने छठा विकेट गंवाया। कप्तान अक्षर पटेल 22 गेंदों पर 11 रन बनाकर आउट हुए। वैभव अरोड़ा ने उन्हें अनुकूल रॉय के हाथों कैच कराया। अनुकूल ने डीप मिडविकेट बाउंड्री पर रनिंग कैच पकड़ा।

ऑफ स्टंप के बाहर धीमी गेंद पर अक्षर ने फ्लैट पुल शॉट खेला। अनुकूल बाईं ओर दौड़े और कमर की ऊंचाई पर कैच लपका। कैच लेते समय उनका पैर जमीन में फंस गया और वह गिर पड़े, लेकिन गेंद पर पकड़ नहीं छोड़ी।

कोलकाता की पारी के तीसरे ओवर में टीम ने पहला विकेट गंवाया। कप्तान अजिंक्य रहाणे 13 रन बनाकर रनआउट हुए। मिचेल स्टार्क ने इनस्विंगिंग यॉर्कर डालने की कोशिश की। एलन ने सीधा शॉट खेला, तभी नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रहाणे क्रीज से बाहर निकल गए थे। स्टार्क ने बाएं हाथ से गेंद को छुआ और गेंद सीधे स्टंप्स पर जा लगी, जिससे रहाणे रनआउट हो गए।

छठे ओवर में कैमरन ग्रीन ने अक्षर पटेल की दूसरी गेंद पर 94 मीटर का छक्का लगाया। इससे बॉल गुम गई और दूसरी गेंद मंगानी पड़ी। अक्षर की फुल लेंथ गेंद ग्रीन के स्लॉट में थी, जिस पर उन्होंने जोरदार शॉट खेला। गेंद डीप मिडविकेट के ऊपर से 94 मीटर दूर गौतम गंभीर स्टैंड में जाकर गिरी।

कोलकाता के ओपनर फिन एलन ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने इसी गेंद पर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 47 गेंदों पर 5 चौके और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए।

आईपीएल में रील बनाने-पोस्ट करने पर बीसीसीआई की रोक

नियम तोड़ने पर खिलाड़ियों-कमेंटेटर्स और टीम पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। खिलाड़ी, उनके परिवार के सदस्य और ब्रॉडकास्टर के लिए काम कर रहे पूर्व क्रिकेटर आईपीएल मैच के दौरान रील नहीं बना सकेंगे और न ही सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पाएंगे। नियम तोड़ने पर बीसीसीआई जुर्माना और कानूनी कार्रवाई कर सकता है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल में एंटी-करप्शन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खिलाड़ियों, कमेंटेटर्स, उनके परिवार और ब्रॉडकास्टर्स के लिए सोशल मीडिया कंटेंट पर सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। बोर्ड ने कहा है कि संवेदनशील इलाकों में रील या वीडियो बनाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई की एंटी-करप्शन यूनिट ने इस सीजन में नियम उल्लंघन के कई मामले पकड़े हैं। इनमें खिलाड़ी और ब्रॉडकास्टर के तौर पर काम कर रहे पूर्व क्रिकेटर भी शामिल हैं। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल नहीं मानने वालों पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीजन में कुछ कमेंटेटर्स ने नियम तोड़े हैं। एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मैच के अहम पलों में डगआउट के पास फोन से वीडियो बनाते पाए गए। बीसीसीआई टीम ने तुरंत रिकॉर्डिंग रुकवाई। बोर्ड अब एक पूर्व क्रिकेटर को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी में है, जो मैदान पर अपने यूट्यूब चैनल के लिए वीडियो शूट कर रहा था। नियम के मुताबिक, IPL की आधिकारिक ड्रेस पहनकर मैदान पर निजी कंटेंट की शूटिंग नहीं की जा सकती।

बीसीसीआई को चिंता है कि नई पीढ़ी के क्रिकेटर सोशल मीडिया पर कंटेंट पोस्ट करने में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं। एक भारतीय खिलाड़ी को टीम की यात्रा और ठहरने की जानकारी साझा करने से रोका गया है। बोर्ड ने पाया कि कुछ खिलाड़ी मैच से पहले या खत्म होते ही वीडियो पोस्ट कर देते हैं। इससे टीम की प्राइवेसी और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। कई बार रील के जरिए प्लेइंग-11 का संकेत भी मिल जाता है।

बोर्ड ने खिलाड़ियों के परिवार के सदस्यों को आईपीएल के दौरान फोटो और वीडियो पोस्ट करने से बचने को कहा है। पहले एक भारतीय तेज गेंदबाज को पत्नी के बनाए टीम होटल के वीडियो को प्रमोट करने पर चेतावनी दी गई थी। बोर्ड ने उन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स पर भी नाराजगी जताई है, जिन्हें फ्रेंचाइजी ने टीम के साथ अनफिल्टर्ड एक्सेस दे रखा है। बोर्ड का मानना है कि इससे एंटी-करप्शन प्रोटोकॉल का उल्लंघन होता है।

एंटी-करप्शन यूनिट ने आपत्ति जताई है कि कुछ वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी परिवार या दोस्तों को टीम बस में सफर करने दे रहे हैं। बीसीसीआई ने कहा कि टीम बस और होटल के प्रतिबंधित क्षेत्रों में केवल अधिकृत लोगों को ही अनुमति होगी। बोर्ड ने कहा कि यही नियम राज्यों की टी-20 लीगों में भी लागू होंगे, क्योंकि वहां भी IPL के कई खिलाड़ी खेलते हैं और युवाओं के लिए गलत उदाहरण पेश करते हैं।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के क्वार्टर फाइनल में भारत

लेबनान को 4-0 से हराया,पहली बार नॉकआउट में ; जीत पर वर्ल्डकप के लिए क्वालिफाई

बीजिंग, 9 मई (एजेंसियां)। अंडर-17 भारतीय महिला फुटबॉल टीम पहली बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची है। चीन के सूझोऊ में खेले गए आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने लेबनान को 4-0 से हराया। प्रीतिका बर्मन ने दो गोल किए, जबकि अल्वा देवी संजम और जोया ने एक-एक गोल दागा। भारत ने ग्रुप स्टेज 3 अंकों के साथ खत्म किया और थाईलैंड के साथ 'बेस्ट थर्ड प्लेस' टीम के तौर पर अंतिम आठ में जगह बनाई।

छठे मिनट में भारत ने पहला गोल दागा

भारत ने शुरुआत से ही लेबनान पर दबाव बनाए रखा। छठे मिनट में दिव्यानी लिंडा के लॉन्ग पास पर प्रीतिका बर्मन ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 35वें मिनट में अल्वा देवी संजम ने स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भारत ने दो और गोल कर लेबनान की वापसी के रास्ते बंद कर दिए।

2004 के बाद पहली बार नॉकआउट में पहुंची महिला टीम

भारतीय महिला फुटबॉल के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। 2004 में एएफसी अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के बाद पहली बार भारत की किसी महिला टीम ने एशियन कप के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई है। वहीं, 2018 में अंडर-16 पुरुष टीम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद यह किसी भी भारतीय टीम का पहला नॉकआउट है।

चीन से होगा क्वार्टर फाइनल मुकाबला

सोमवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला मेजबान चीन से होगा। चीन ग्रुप-ए में तीनों मैच जीतकर 9 अंकों के साथ टॉप पर रहा। मैच सूझोऊ स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में खेला जाएगा। चीन टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है, इसलिए भारत के लिए यह मुकाबला कड़ी चुनौती होगा।

वर्ल्ड कप के लिए सिर्फ एक जीत की दूरी

अगर भारत सोमवार को चीन को हराता है, तो टीम सीधे मोरक्को में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लेगी। यह पहली बार होगा जब कोई भारतीय टीम (पुरुष या महिला) अपनी काबिलियत के दम पर किसी भी लेवल के फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेगी। इससे पहले भारत ने 2017 (यू-17 पुरुष) और 2022 (यू-17 महिला) वर्ल्ड कप में मेजबान होने के नाते हिस्सा लिया था।

यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा पर आई आफत

नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी ने भेजा नोटिस, बीसीसीआई तक पहुंची शिकायत

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। मीडिया की खबरें आ रही हैं कि भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी की जांच के दायरे में आ गए हैं. ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि वो डोप टेस्ट से जुड़ी अनिवार्य 'लोकेशन' से जुड़ी शर्तों का पालन करने में नाकाम रहे. ये दोनों खिलाड़ी फिलहाल एनएडीए के 'रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल' का हिस्सा हैं. इस पूल के तहत खिलाड़ियों को अचानक होने वाले टेस्ट के लिए अपनी लोकेशन की जानकारी नियमित रूप से अपडेट करनी होती है. 7 नवंबर 2025 को जब डोपिंग अधिकारी शेफाली वर्मा का सैंपल लेने पहुंचे, तो वो वहां मौजूद नहीं थीं. इसी तरह यशस्वी जायसवाल भी 17 दिसंबर 2025 को होने वाले अपने तय डोप टेस्ट के लिए अवेलेबल नहीं हो पाए. अधिकारियों ने उनकी तरफ से दिए गए पते पर उन्हें खोजने की कोशिश की, लेकिन वो उन्हें ढूंढ नहीं पाए.

रिपोर्ट्स में आगे बताया गया है कि एनएडीए ने फरवरी 2026 में दोनों खिलाड़ियों से संपर्क किया और उनसे इन छूटे हुए टेस्ट के बारे में क्लेरिफिकेशन मांगा. हालांकि एजेंसी को तय समय सीमा के भीतर दोनों में से किसी भी क्रिकेटर की ओर से कोई जवाब नहीं मिला. नतीजतन एंटी-डोपिंग दिशानिर्देशों के तहत इन दोनों घटनाओं को आधिकारिक तौर पर 'मिस्ड टेस्ट' के तौर पर दर्ज कर लिया गया है.

इस मामले की जानकारी बीसीसीआई और आईसीसी को भी दे दी गई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इन खिलाड़ियों को अपनी सफाई पेश करने के लिए 7 दिन का आखिरी मौका दिया गया है. इसके बाद ही उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा.

एनएडीए के नियमों के मुताबिक, 'रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल' में शामिल खिलाड़ियों को हर दिन एक घंटे का समय और जगह बतानी होती है, जहां वो 'आउट ऑफ कॉम्पिटीशन' होने वाले डोप टेस्ट के लिए अवेलेबल रह सकें. अगर डोपिंग अधिकारी उस बताए गए समय पर वहां पहुंचते हैं और खिलाड़ी वहां नहीं मिलता है, तो इसे 'लोकेशन संबंधी विफलता' माना जाता है.

फिलहाल यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा दोनों के लिए ये पहली 'स्ट्राइक' (नियम का उल्लंघन) मानी जाएगी. हालांकि, एंटी-डोपिंग रूल्स के मुताबिक, अगर 12 महीने की अवधि के भीतर 3 बार 'लोकेशन संबंधी विफलता' (जिसमें छूटे हुए टेस्ट या जानकारी भरने में हुई गलतियां शामिल हैं) होती है, तो इसे एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है. ऐसे मामलों में, अगर खिलाड़ी अपने ऊपर लगे आरोपों को सफलतापूर्वक चुनौती नहीं दे पाते हैं, तो उन्हें कॉम्पिटिटिव स्पोर्ट्स से 2 साल तक के लिए सस्पेंड किया जा सकता है.

भारतीय क्रिकेट में पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं. साल 2019 में, पृथ्वी शॉ को 8 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया था (ये सस्पेंशन पिछली तारीख से लागू हुआ था). उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव आया था, जिसमें 'टर्ब्यूटालाइन' नामक प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया था. बताया गया था कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान खांसी की दवा (कफ सिरप) लेने की वजह से उनके शरीर में ये सबस्टांस आ गया था.

नोवाक जोकोविच इटालियन ओपन में हुए उलटफेर का शिकार

दुनिया के 79वें के खिलाड़ी प्रिजमिक से हारे

रोम, 9 मई (एजेंसियां)। छह बार के इटालियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। प्रिजमिक ने जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पहली बार इटालियन ओपन में गंवाया शुरुआती मैच

यह पहली बार है जब जोकोविच इटालियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में बेन शेल्टन को हराया था। 20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच उगो हम्बर्ट से खेलना है।

जोकोविच ने पहला सेट सिर्फ 40 मिनट में जीता था। जोकोविच दूसरे सेट में इस लय को बरकरार नहीं रख सके। उनकी सटीकता फीकी पड़ गई। युवा क्रोएशियाई खिलाड़ी ने लगातार दबाव बनाना जारी रखा, जिससे 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन को और गलतियां करने पर मजबूर होना पड़ा और मैच को निर्णायक तीसरे सेट में ले गया। उन्होंने बार-बार प्रिजमिक पर गलतियां करने का दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन क्रोएशियाई खिलाड़ी डटा रहा और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की।

फ्रेंच ओपन में ठोकेंगे ताल

इस साल की शुरुआत में जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में यानिक सिनर को हराया था और उम्मीद करेंगे कि इस महीने के आखिर में होने वाले फ्रेंच ओपन के लिए समय पर ठीक हो जाएंगे। जोकोविच को अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश है।

रुद्रांक्ष पाटिल का सुरेंद्र सिंह मेमोरियल में शानदार प्रदर्शन

10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण

भोपाल, 9 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रुद्रांक्ष पाटिल ने हरियाणा के रोहित कन्यान की कड़ी चुनौती को पार करते हुए कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र के इस युवा निशानेबाज ने फाइनल में 252.9 का स्कोर करके शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि कन्यान ने 251.9 के साथ रजत पदक जीता। पश्चिम बंगाल के बैदुरिया बिस्वास को 230.8 से कांस्य पदक मिला। पश्चिम बंगाल के अशिमत चटर्जी ने 251.0 के स्कोर के साथ जूनियर पुरुष वर्ग का खिताब जीता, जबकि उत्तर प्रदेश के पीयूष शर्मा ने 250.5 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। हरियाणा के रोहित कन्यान ने 229.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। पश्चिम बंगाल के अभिनव साव ने 254.4 के स्कोर के साथ युवा वर्ग का खिताब जीता और हरियाणा के प्रियांशु (249.7) को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। हरियाणा के जतिन लांबा ने 228.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

20 साल, 348 दिन, मुशफिकुर रहीम ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास, अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर से पीछे

ढाका, 9 मई (एजेंसियां)। ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज के पहले मैच के साथ बांग्लादेश क्रिकेट के दिग्गज मुशफिकुर रहीम ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है. अब मुशफिकुर रहीम एशियाई खिलाड़ियों में दूसरे सबसे लंबे टेस्ट करियर के मालिक बन गए हैं. उनके आगे सिर्फ क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ही हैं. मुशफिकुर रहीम सालों से इस टीम के लिए टेस्ट मैच खेल रहे हैं, जिसके चलते उनके नाम खास उपलब्धि दर्ज हो गई है.

मुशफिकुर रहीम बांग्लादेश क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद और लंबे समय तक खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं. उन्होंने न सिर्फ विकेटकीपिंग में अपनी क्लास दिखाई, बल्कि बल्लेबाजी में भी कई यादगार पारियां खेलीं हैं. कप्तान के रूप में भी उन्होंने टीम को कई मौकों पर संभाला. बांग्लादेश के इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 2005 में सिर्फ 16 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था और तब से लगातार देश की सेवा करते हुए 20 साल से ज्यादा का सफर तय कर लिया है. उनका टेस्ट करियर अब 20 साल और 348 दिन का हो गया है.

इस उपलब्धि के साथ मुशफिकुर रहीम ने पाकिस्तानी दिग्गज इमरान खान को पीछे छोड़ दिया है. इमरान खान का टेस्ट करियर 20 साल और 218 दिन लंबा था. वहीं, सचिन तेंदुलकर का टेस्ट करियर 24 साल और 1 दिन का था.

एशियाई खिलाड़ियों के सबसे लंबे टेस्ट करियर:

सचिन तेंदुलकर — 24 साल, 1 दिन (200 टेस्ट)

मुशफिकुर रहीम — 20 साल, 348 दिन (101 टेस्ट)

इमरान खान — 20 साल, 218 दिन (88 टेस्ट).

एशियन गेम्स ट्रायल्स से पहले विवाद: यूडब्ल्यूडब्ल्यू का बड़ा खुलासा, आईटीए को दी गई थी विनेश फोगाट के संन्यास की सूचना

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट की वापसी को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। एक तरफ यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने पुष्टि की है कि विनेश ने दिसंबर 2024 में इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) को अपने संन्यास की जानकारी दी थी, वहीं दूसरी ओर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने उन आरोपों को खारिज किया है जिनमें कहा जा रहा था कि संघ ने एशियन गेम्स ट्रायल्स के चयन मानदंड बदलकर विनेश को रोकने की कोशिश की।

विनेश फोगाट के पति सोमबीर राठी ने एक वेबसाइट से बातचीत में दावा किया कि विनेश ने आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की थी और उन्होंने केवल सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। उनके अनुसार, ऐसे में वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) का नियम 5.6.1 उन पर लागू नहीं होता।

हालांकि, यूडब्ल्यूडब्ल्यू के एंटी-डोपिंग विभाग द्वारा 20 दिसंबर 2024 को भेजे गए ई-मेल में साफ लिखा गया था कि विनेश का रिटायरमेंट आईटीए को सूचित किया जा चुका है। ई-मेल में कहा गया, 'हमने आपके संन्यास को नोट कर लिया है, जिसकी जानकारी 20.12.2024 को आईटीए को दी गई थी।' इसके बाद विनेश को रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आरटीपी) से हटा दिया गया था और उन्हें अपनी व्हेयरअबाउट्स जानकारी देने की आवश्यकता नहीं रही।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया था कि यदि विनेश दोबारा कुश्ती में वापसी करना चाहती हैं, तो उन्हें आईटीए या इंटरनेशनल फेडरेशन को कम से कम छह महीने पहले सूचना देनी होगी और इस दौरान एंटी-डोपिंग टेस्टिंग के लिए उपलब्ध रहना होगा। वाडा नियम 5.6.1 के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी लंबे समय तक टेस्टिंग सिस्टम से बाहर रहने के बाद सीधे प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकता। ऐसा करने पर उसके परिणाम अमान्य घोषित किए जा सकते हैं।

वापसी के बाद मिस किया डोप टेस्ट

रिपोर्ट के अनुसार, विनेश फोगाट ने 12 दिसंबर को वापसी की घोषणा की थी। इसके बाद 18 दिसंबर को उन्होंने एक एंटी-डोपिंग टेस्ट मिस कर दिया, जिसे आईटीए ने 12 महीनों में उनका पहला व्हेयरअबाउट्स फेल्योर माना। नियमों के अनुसार, तीन बार टेस्ट मिस होने पर खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि संघ के खिलाफ गलत नैरेटिव फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'यह कहना पूरी तरह गलत है कि डब्ल्यूएफआई ने विनेश को रोकने के लिए चयन नीति बदली। हमने फरवरी में ही स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साइ) और खेल मंत्रालय को चयन मानदंड भेज दिए थे।' डब्ल्यूएफआई के अनुसार, 2025 नेशनल्स, 2026 फेडरेशन कप और 2026 अंडर-20 नेशनल चैंपियनशिप के पदक विजेता ही एशियन गेम्स ट्रायल्स में हिस्सा ले सकेंगे।

ईडी अधिकारी बनकर बुलियन कंपनी से वसूली का प्रयास

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर क्षेत्र में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बनकर दो व्यक्तियों द्वारा एक बुलियन कंपनी से धन वसूली का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी विंध्या बुलियन कंपनी पहुंचे और दावा किया कि कंपनी के खिलाफ दिल्ली में कई मामले लंबित हैं।

आरोपियों में एक की पहचान प्रसाद उर्फ शशि के रूप में हुई है, जिसने स्वयं को ईडी अधिकारी बताया। बाद में वह पवन नामक एक अन्य व्यक्ति को भी कार्यालय लेकर आया।

आरोप है कि दोनों व्यक्तियों ने कंपनी प्रतिनिधियों को धमकाते हुए मामले को समाप्त कराने के नाम पर धन की मांग की। उन्होंने मोबाइल फोन पर कथित ऑनलाइन शिकायतें भी दिखाईं।

कंपनी कर्मचारियों को संदेह होने पर जब शिकायतों की जांच की गई तो वे फर्जी पाई गईं। इसके बाद कंपनी की ओर से सनतनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बढ़ती शहरी जनसंख्या के अनुरूप बुनियादी ढांचे का विकास आवश्यक : रेवंत रेड्डी

पार्लियामेंटरी स्थायी समिति की बैठक में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का संबोधन

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि आउटर रिंग रोड के भीतर कोर अर्बन रीजन (सीयूआरई) में उत्पन्न हो रही समस्याओं का समाधान करते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हैदराबाद का योजनाबद्ध विकास करना राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता है। डॉ. बी. आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में आयोजित आवास एवं शहरी मामलों की पार्लियामेंटरी स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में मुख्यमंत्री ने भाग लिया। इस बैठक में उन्होंने आधुनिकरण और शहरीकरण के कारण आने वाली चुनौतियों तथा उनसे निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष मंगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी सहित अन्य सदस्य, राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव तथा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के कारण आने वाले समय में कई नई चुनौतियाँ सामने आएंगी, जिनके लिए मजबूत आधारभूत संरचना का विकास आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सरकार हैदराबाद को ट्रैफिक मुक्त शहर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रमुख क्षेत्रों में अंडरपास, सतही सड़कें और एलिवेटेड कॉरिडोर जैसी त्रिस्तरीय व्यवस्था विकसित की जा रही है। केवल सड़क विस्तार से यातायात समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि बहु-माध्यम परिवहन प्रणाली को विकसित करना आवश्यक है। पार्किंग समस्या के समाधान के लिए बहु-स्तरीय पार्किंग सुविधाएँ स्थापित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास मॉडल को सीयूआरई, पीयूआरई और रीयर क्षेत्रों में विभाजित किए जाने की जानकारी दी। आउटर रिंग रोड के भीतर के कोर अर्बन रीजन को सेवा क्षेत्र के रूप में, आउटर रिंग रोड और रीजनल रिंग रोड के बीच के क्षेत्र को विनिर्माण क्षेत्र के रूप में तथा रीजनल रिंग रोड के बाहर के क्षेत्र को कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के लिए विकसित करने की योजना बताई। उन्होंने बताया कि राज्य के समग्र विकास के लिए तेलंगाना राइजिंग 2047 मास्टर प्लान तैयार किया गया है, जिसके तहत 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने मूसी नदी के पुनर्जीवन को एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी परियोजना बताते हुए कहा कि इससे हैदराबाद की पर्यावरणीय स्थिति और शहरी जीवन स्तर में बड़ा सुधार होगा। उन्होंने कहा कि शहर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा टीएसआरटीसी में ईवी बसों को शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा कोर अर्बन रीजन में ऑटो रिक्शा को निःशुल्क रेट्रोफिटिंग कर इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है।

बैठक में अधिकारियों ने हैदराबाद के पेयजल आपूर्ति, शहरी विकास और मूसी पुनर्जीवन परियोजना पर विस्तृत प्रस्तुति दी। केंद्र सरकार से इन विकास परियोजनाओं में सहयोग का आग्रह भी किया गया।

स्टैंडिंग कमिटी ने मूसी पुनर्जीवन परियोजना को एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए सरकार के प्रयासों की सराहना की और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की भी प्रशंसा की।

बैठक के प्रारंभ में मुख्यमंत्री ने समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों का सम्मान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा को लेकर हैदराबाद में यातायात व्यवस्था बदली

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नगर आगमन तथा रविवार को सिकंदराबाद के परेड मैदान में आयोजित जनसभा के मद्देनजर मलकाजगिरि यातायात पुलिस ने विभिन्न मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन लागू किए हैं। पुलिस ने नागरिकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का सहारा लेने की अपील की है।

पुलिस के अनुसार बेगमपेट से संगीत जंक्शन जाने वाले वाहन पैराडाइज, पटनी और क्लॉक टॉवर मार्ग से होकर आवागमन कर सकेंगे। वहीं बेगमपेट से त्रिमलगिरी जाने वाले वाहनों के लिए सेंट जॉन्स रोटरी, शेनॉय, एओसी तथा केवी मार्ग निर्धारित किए गए हैं। बालानगर से सिकंदराबाद जाने वाले वाहन फतेहनगर, अमीरपेट, पंजागुट्टा और बेगमपेट मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

इसके अतिरिक्त पंजागुट्टा, रसूलपुरा जंक्शन, मिनिस्टर रोड तथा रानीगंज होकर जाने वाला वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध रहेगा।

सिकंदराबाद से त्रिमलगिरी तथा बोइनपल्ली जाने वाले वाहनों के लिए भी अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

जनता को परेशानी न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्था : मंत्री

12 से 15 मई तक सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में बढ़ेगा कामकाज का समय

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा भूमि मूल्यों के पुनरीक्षण और कई क्षेत्रों में वास्तविक बाजार कीमतों के अनुरूप दरों को व्यवस्थित करने के निर्णय के बाद रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। इस बढ़ती मांग को देखते हुए राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंत्री ने कहा कि रजिस्ट्रेशन के लिए आने वाले नागरिकों को सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जाएं। अधिक भीड़ वाले 15 सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में 12 मई से कार्य समय बढ़ाकर सुबह 9:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक किया जाएगा।

इन कार्यालयों में चंपापेट, सरूरनगर, वनस्थलीपुरम, गांडीपेट, महेश्वरम, फरुखनगर, शादनगर, रंगारेड्डी रूरल, एलबी नगर, शेरिलिंगमपल्ली, संगारेड्डी, घाटकेसर, नलगोंडा आरओ, पटानचेरु और कुतुबुल्लापुर शामिल हैं। सरकार ने आवश्यकता पड़ने पर इन कार्यालयों में कार्य समय और बढ़ाने की भी तैयारी जताई है।

मंत्री ने अधिकारियों को स्लॉट बुकिंग की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सुविधा मिल सके। साथ ही राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी जहां रजिस्ट्रेशन का दबाव बढ़ रहा है, वहां अतिरिक्त कार्य समय लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कृषि भूमि के रजिस्ट्रेशन से जुड़े तहसीलदार कार्यालयों के साथ बेहतर समन्वय बनाने पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में पारदर्शिता, तेजी और जनसुविधा सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में आवश्यक कदम उठाने के लिए राज्य के रजिस्ट्रेशन आईजी राजीव गांधी हनुमंतु को निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री तेलंगाना में लगभग 1535 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे

नई दिल्ली/हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता) । प्रधानमंत्री देश को तेलंगाना में रेल अवसंरचना से जुड़ी लगभग1535 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं से राज्य में रेल यातायात की क्षमता बढ़ेगी और परिचालन व्यवस्था अधिक सुगम होगी। इनमें काज़ीपेट-विजयवाड़ा रेलखंड पर 118 किलोमीटर लंबी बहु-लाइन परियोजना के विभिन्न खंड शामिल हैं। इस परियोजना से व्यस्त ग्रैंड ट्रंक कॉरिडोर पर रेल लाइनों की क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे ट्रेनों की गति बढ़ेगी, भीड़भाड़ कम होगी, समयपालन में सुधार होगा तथा मालगाड़ियों की आवाजाही को भी मजबूती मिलेगी। इसके अतिरिक्त काज़ीपेट रेल के नीचे से गुजरने वाला उपमार्ग भी राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। यह रणनीतिक परियोजना काज़ीपेट जंक्शन पर भीड़ को कम करेगी और हैदराबाद, बल्लारशाह तथा विजयवाड़ा की ओर जाने वाली ट्रेनों के एक साथ संचालन को संभव बनाएगी। इससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी और देरी में उल्लेखनीय कमी आएगी।

कपड़े इस्त्री करते समय किसान की करंट लगने से मौत

मंचेरियल, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वेमनपल्ली मंडल के जक्कापल्ली गांव में शनिवार को कपड़े इस्त्री करते समय एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान जक्कापल्ली निवासी पिरिसिंगुला कमलाकर (44) के रूप में हुई है। बताया गया कि कमलाकर अपने घर में कपड़े इस्त्री कर रहे थे। इसी दौरान संदिग्ध विद्युत तारों में खराबी के कारण लोहे के इस्त्री बक्से में करंट प्रवाहित हो गया। बक्से को छूते ही वह बेहोश होकर गिर पड़े। परिजन उन्हें तत्काल बेल्लमपल्ली के एक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सचिवालय में संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और सदस्यों को सम्मानित किया।

साइबर ठगी करने वाले अंतराज्यीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी कमिश्नरेट की साइबर क्राइम पुलिस ने निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए एक सप्ताह के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 3 मई से 9 मई 2026 के बीच की गई इस जांच में पुलिस ने पाया कि इन साइबर अपराधियों के तार पूरे भारत में फैले हुए हैं। पुलिस ने न केवल आरोपियों को पकड़ा, बल्कि न्यायालय के माध्यम से सक्रिय कार्रवाई करते हुए पीड़ितों के 4,31,180 रुपये वापस दिलाने में भी सफलता प्राप्त की है। मलकाजगिरी की पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने बताया कि ठगी के पहले मामले में जालसाजों ने एक फर्जी वेबसाइट और व्हाट्सएप के जरिए बिटकॉइन ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच देकर एक व्यक्ति से 34,48,030 रुपये की ठगी की। इस मामले में पुलिस ने ओडिशा निवासी रौम्या रंजन पांडा को गिरफ्तार किया है, जो ठगी की रकम को इधर-उधर करने के लिए कमीशन पर बैंक खाते मुहैया कराता था। दूसरे मामले में एक एप के जरिए स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर एक अन्य पीड़ित से 41.56 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। इस मामले में आंध्र प्रदेश के गुंटूर निवासी ऑटुकुरी संतोष कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने आम नागरिकों को सलाह दी है कि वे सोशल मीडिया पर मिलने वाले लुभावने निवेश प्रस्तावों और अज्ञात ट्रेडिंग एप्स से सावधान रहें। किसी भी अनजान लिंक के माध्यम से निवेश न करें और यदि कोई खुद को पुलिस या सीबीआई अधिकारी बताकर डराने की कोशिश करे, तो तुरंत इसकी पुष्टि करें। किसी भी तरह की धोखाधड़ी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

एमसीईएमई में टीईएस-47 कैडेट्स का सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता) । इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग सैन्य महाविद्यालय (एमसीईएमई) के कैडेट्स ट्रेनिंग विंग में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे टेक्निकल एंट्री स्कीम (टीईएस)-47 पाठ्यक्रम के 22 अधिकारी कैडेट्स के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह 08 मई 2026 को आयोजित हुआ, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को विभिन्न पदक एवं सम्मान प्रदान किए गए। समारोह में एमसीईएमई के कमांडेंट एवं कोर ऑफ ईएमई के कर्नल कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने अकादमिक, खेल, शारीरिक प्रशिक्षण, आउटडोर प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण एवं ड्रिल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित किया। विंग कैडेट कैप्टन राहुल कुमार को जीओसी-इन-सी एआरटीआरएसी गोल्ड मेडल, विंग कैडेट एडजुटेंट आयुष सिंह बिष्ट को सिल्वर मेडल तथा विंग कैडेट क्वार्टर मास्टर शिवम यादव को ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किया गया। वहीं अर्जुन प्लाटून द अपाचेस को स्प्रिंग टर्म-2026 के लिए जीओसी-इन-सी एआरटीआरएसी बैनर से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वर्श्नेय ने कहा कि चार वर्षों के कठोर प्रशिक्षण ने कैडेट्स को आत्मविश्वासी एवं सक्षम नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार किया है। उन्होंने कैडेट्स से निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं बदलती तकनीकी युद्ध चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियां आधुनिक युद्ध में तकनीक की भूमिका को स्पष्ट करती हैं। उन्होंने कैडेट्स को कर्म ही धर्म के आदर्श वाक्य का पालन करते हुए पेशेवर दक्षता, प्रतिबद्धता, ईमानदारी एवं आजीवन सीखने की भावना के साथ राष्ट्र सेवा करने की प्रेरणा दी। समारोह के बाद मुख्य अतिथि ने अधिकारी कैडेट्स द्वारा आयोजित कला एवं फोटोग्राफी प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा कैडेट्स के अभिभावकों एवं परिजनों से भी संवाद किया।

श्री टाटैयागुंटा गंगम्मा को भेंट की गई श्रीवारी साड़ी

तिरुपति, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से शनिवार शाम श्री टाटैयागुंटा गंगम्मा मंदिर में पारंपरिक श्रीवारी साड़ी श्रद्धापूर्वक भेंट की गई। इस अवसर पर मंगल वाद्ययंत्रों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच भव्य शोभायात्रा निकाली गई। टीटीडी तिरुमला पोटु के एईओ गुंडलूरु मुनिरत्नम ने श्री गोविंदराजा स्वामी मंदिर से शोभायात्रा के साथ साड़ी लेकर प्रस्थान किया और इसे मंदिर अध्यक्ष महेश यादव को सौंपा। 5 मई से शुरू हुई वार्षिक गंगम्मा जातरा 13 मई तक चलेगी। परंपरा के अनुसार श्री गंगम्मा को श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की बहन माना जाता है और

जातरा के दौरान हर वर्ष श्रीवारी साड़ी अर्पित की जाती है। कार्यक्रम में तिरुपति विधायक आरानी श्रीनिवासुलु, टीटीडी बोर्ड सदस्य ज्योतुला नेहरू, पनाबाका लक्ष्मी, जानकीदेवी, अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सभी सर्किल कार्यालयों में चला विशेष ई-वेस्ट संग्रह अभियान

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा पालना प्रगति प्रजापालिका कार्यक्रम ने 9वें सप्ताह और 65वें दिन में प्रवेश किया। शनिवार के सत्र का विषय ई-वेस्ट मेगा कलेक्शन ड्राइव रहा। इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सुरक्षित निस्तारण और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी सर्किल कार्यालयों में विशेष ई-वेस्ट संग्रह अभियान चलाया गया। इस अभियान में नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते

हुए पुराने और अनुपयोगी मोबाइल फोन, चार्जर, बैटरियां, तार तथा कंप्यूटर से जुड़े उपकरण जमा किए। इस पहल का उद्देश्य लोगों को गलत तरीके से ई-वेस्ट फेंकने से पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। अधिकारियों ने लोगों को इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सही पृथक्करण और पर्यावरण अनुकूल निस्तारण के तरीकों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम को आम जनता से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। साथ ही वैज्ञानिक तरीके से ई-वेस्ट प्रबंधन अपनाकर स्वच्छ, हरित और सतत पर्यावरण बनाए रखने में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

भीड़ को देखते हुए जनसाधारण विशेष रेलगाड़ियां चलेंगी

विशेष रेलगाड़ियों में केवल अनारक्षित डिब्बे लगाए जाएंगे
मंचेरियल,विजयवाड़ा ,कर्नूल सिटी, सिरपुर कागजनगर की यात्रा आसान

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता) । दक्षिण मध्य रेलवे ने ग्रीष्मकालीन भीड़ को कम करने के उद्देश्य से दो जनसाधारण (अनारक्षित) विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की घोषणा की है। ये विशेष रेलगाड़ियां 10 मई को एक-एक फेरे के लिए चलाई जाएंगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 07507 मंचेरियल—सिकंदराबाद जनसाधारण विशेष रेलगाड़ी 10 मई को प्रातः 10:00 बजे मंचेरियल से रवाना होकर अपराह्न 03:30 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। यह रेलगाड़ी रामागुंडम, पेद्दापल्ली, कोलनूर, ओडेला, जम्मीकुंटा, उप्पल, काजीपेट और जनगांव स्टेशनों पर ठहरेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 07508 काचीगुड़ा—मंचेरियल जनसाधारण विशेष रेलगाड़ी 10 मई को रात्रि 10:35 बजे काचीगुड़ा से रवाना होकर अगले दिन प्रातः 05:00 बजे मांचेरियल पहुंचेगी। यह रेलगाड़ी जंगांव, काजीपेट, उप्पल, जम्मीकुंटा, ओडेला, कोलनूर, पेद्दापल्ली और रामागुंडम स्टेशनों पर ठहराव करेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दोनों विशेष रेलगाड़ियों में केवल अनारक्षित डिब्बे लगाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिल सके। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 07505 विजयवाड़ा—सिकंदराबाद जनसाधारण विशेष रेलगाड़ी 10 मई को प्रातः 8:00 बजे विजयवाड़ा से रवाना होकर अपराह्न 03:10 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। यह रेलगाड़ी एर्रुपालेम, मधिरा, बोनाकालु, खम्मम, दोर्नकल, महबूबाबाद, केसामुद्रम, वारंगल और काजीपेट स्टेशनों पर ठहरेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 07506 मलकाजगिरि—विजयवाड़ा जनसाधारण विशेष रेलगाड़ी 10 मई को रात्रि 10:15 बजे मलकाजगिरि से रवाना होकर अगले दिन प्रातः 07:00 बजे विजयवाड़ा पहुंचेगी। यह रेलगाड़ी काजीपेट, वारंगल, केसामुद्रम, महबूबाबाद, दोर्नकल, खम्मम, बोनाकालु, मधिरा और एर्रुपालेम स्टेशनों पर ठहराव करेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दोनों विशेष रेलगाड़ियों में केवल अनारक्षित डिब्बे लगाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिल सके। इसी तरह रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 07503 कुरनूल सिटी—सिकंदराबाद जनसाधारण विशेष रेलगाड़ी 10 मई को प्रातः 08:00 बजे कुरनूल सिटी से रवाना होकर अपराह्न 02:50 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। यह रेलगाड़ी आलमपुर रोड, मानोपाड, इटिक्याला, गदवाल, वनपर्थी रोड, देवरकद्रा, महबूबनगर, जडचेरला और शादनगर स्टेशनों पर ठहरेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 07504 काचीगुड़ा—कर्नूल सिटी जनसाधारण विशेष रेलगाड़ी 10 मई को रात्रि 09:30 बजे काचीगुड़ा से रवाना होकर अगले दिन प्रातः 04:30 बजे कुरनूल सिटी पहुंचेगी। यह रेलगाड़ी शादनगर, जडचेरला, महबूबनगर, देवरकद्रा, वनपर्थी रोड, गदवाल, इटिक्याला, मानोपाड और आलमपुर रोड स्टेशनों पर ठहराव करेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दोनों विशेष रेलगाड़ियों में केवल अनारक्षित डिब्बे लगाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिल सके। दमरे के अनुसार, गाड़ी संख्या 07501 सिरपुर कागजनगर—सिकंदराबाद जनसाधारण विशेष रेलगाड़ी 10 मई को प्रातः 8:00 बजे सिरपुर कागजनगर से रवाना होकर अपराह्न 2:30 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। यह रेलगाड़ी बेल्लमपल्ली, मंदामारी, मांचेरियल, रामागुंडम, पेद्दापल्ली और काजीपेट स्टेशनों पर ठहरेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 07502 मलकाजगिरि—सिरपुर कागजनगर जनसाधारण विशेष रेलगाड़ी 10 मई को रात्रि 09:00 बजे मलकाजगिरि से रवाना होकर अगले दिन प्रातः 04:00 बजे सिरपुर कागजनगर पहुंचेगी। यह रेलगाड़ी काजीपेट, पेद्दापल्ली, रामागुंडम, मांचेरियल, बेल्लमपल्ली और मंदामारी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। दोनों विशेष रेलगाड़ियों में केवल अनारक्षित डिब्बे लगाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिल सके।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.